28 जून 2025 | रांची, शनिवार | वर्ष-26, अंक- 146, पृष्ठ-12 | आषाढ़ शुक्ल पक्ष 3, संवत 2082 | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹2.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

तापमान

कांके	रांची
अधिक. 28.0°	अधिक. 27.6°
न्यून. 23.0°	न्यून. 22.2°

हजारों लोगों ने खींचा रथ
मेले में ग्रामीणों और जनजातियों की भीड़

जनता जनार्दन के बीच पहुंचे प्रभु जगन्नाथ

रथ यात्रा के पावन अवसर पर सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं। भगवान श्री जगन्नाथ से प्रार्थना है कि यह शुभ यात्रा सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का संचार करे। जय जगन्नाथ।

- संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

आज महाप्रभु भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा का ऐतिहासिक और पावन महापर्व होता है। हर साल में वहां उपस्थित होता था। अभी आदरणीय बाबा दिशोम गुरुजी अस्वस्थ हैं, इसलिए मैं रथयात्रा में शामिल नहीं हो पाया हूं। भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि आदरणीय गुरुजी जल्द से जल्द स्वस्थ होकर हम सभी के बीच आएं और हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद बनाएं रखें। भगवान जगन्नाथ सभी का कल्याण करें, धन्यवाद, जोहार!

- हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को प्रभु जगन्नाथ जनता जनार्दन के बीच पहुंचे। ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा तीनों श्रीविग्रहों की श्रद्धा के साथ विधिवत पूजा-अर्चना के बाद भव्यता के साथ मुख्य मंदिर धुर्वा से मौसीबाड़ी पहुंची। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के रथ को हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक खींचा। मुख्य मंदिर जगन्नाथपुर से लेकर मौसीबाड़ी मंदिर तक का वातावरण आस्था और भक्ति में डूबा रहा। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र अगले नौ दिनों तक मौसीबाड़ी में निवास करेंगे। इसके बाद आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी (06 जुलाई 2025) को उनकी पुनः मुख्य मंदिर में वापसी होगी। उस दिन की रथ यात्रा को घुरती रथ यात्रा कहते हैं।

शुक्रवार को रथयात्रा को लेकर पूरी रांची भक्ति में डूबी हुई थी। अहले सुबह से यहां मंदिर परिसर और मेले में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। शेष पेज 11 पर

महाप्रभु जगन्नाथ, वीर बलराम एवं मां सुभद्रा सबकी मनोकामनाएं पूर्ण करें। सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

- बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष (सोशल मीडिया 'एक्स' पर)

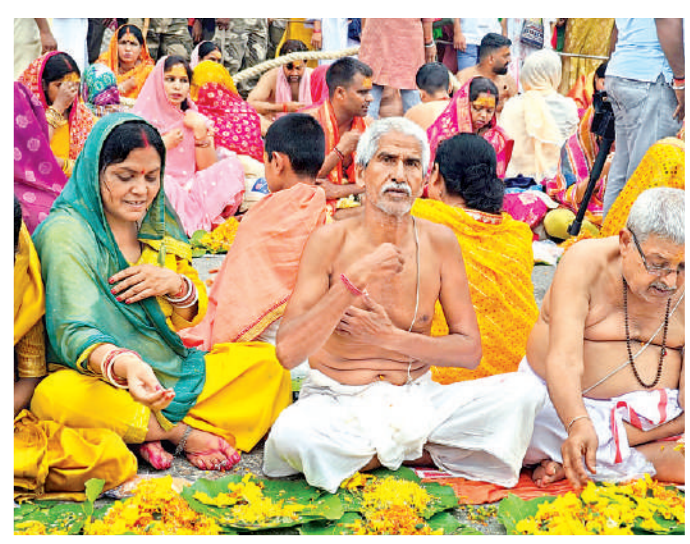

मेला सामाजिक एकता का प्रतीक : सुधांशुनाथ

जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं मंदिर के प्रथम सेवक और सेवाईत एवं बड़कागढ़ स्टेट के प्रत्यक्ष उत्तराधिकारी ठाकुर सुधांशुनाथ शाहदेव के अनुसार, यह रथयात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि मानवता, समर्पण और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र नौ दिनों के लिए मौसीबाड़ी पहुंचे हैं। वहां नौ दिनों तक भगवान को गुंडीचा भोग लगेगा। विधि विधान के साथ पूजा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह पर्व हमारे जीवन में शुद्धता, त्याग और धर्म की भावना जागृत करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे श्रद्धा और अनुशासन के साथ रथयात्रा उत्सव में भाग लें और झारखंड की इस सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखें।

पारंपरिक जीवनशैली का संगम है जगन्नाथपुर का रथ मेला

जगन्नाथपुर रथ यात्रा मेले में ग्रामीण जीवन की समृद्ध विरासत और कारीगरी भी दिखाई पड़ती है। मेला परिसर में बहुत से सामानों की बिक्री होती है, जिसमें पईला, मांदर, ढोल, नगाड़ा, झंझरा, तीर-धनुष, कुमनी, बंशी, जैसी आकर्षक वस्तुओं मिलती हैं। दूर-दराज के इलाकों से आए लोग पारंपरिक चीजों की खरीदारी करते हैं। मेले में बिक रहीं ये वस्तुएं न केवल ग्रामीण संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि सैकड़ों कारीगरों की जीविका का साधन भी है।

लोहरदगा में दादी और पोते की हत्या, दहशत

लोहरदगा। जिले में दोहरे हत्याकांड की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के भक्सो डूमरटोली गांव में एक महिला और उसके नाबालिग पोते की घर के अंदर ही बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके गहरे सदमे में हैं। शेष पेज 11 पर

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

सुझाव, शिकायत और समाचारों का स्वागत
समाचार पत्र में प्रकाशित करने के लिए सप्रमाण समाचारों का स्वागत है।
आप सुझाव या शिकायत भी भेज सकते हैं।
संपर्क/व्हाट्सएप
82925 53444 विज्ञापन देने या अखबार प्राप्त करने के लिए संपर्क
+91 82923 73444
कार्यकारी संपादक।

जेजेएमपी के उग्रवादियों से हरकट्टा जंगल में हुई पुलिस की मुठभेड़

नवीन मेल संवाददाता

- बड़ी संख्या में कारतूस, मोबाइल और नक्सली साहित्य बरामद
- अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए जेजेएमपी के उग्रवादी

लोहरदगा। लोहरदगा और लातेहार की सीमा पर स्थित हरकट्टा जंगल में पुलिस और प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद (जेजेएमपी) के उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई थी। इसमें पुलिस दल पर उग्रवादियों ने फायरिंग की, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि, उग्रवादी अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए। मुठभेड़ के बाद चलाए गए सर्च ऑपरेशन में पुलिस ने बड़ी मात्रा में कारतूस, मोबाइल फोन, नकदी और नक्सली साहित्य बरामद किए हैं। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह छापामारी की गई थी। सूचना मिली थी कि जेजेएमपी का सुप्रीमो रवींद्र यादव सहित सचिन, विशाल, कालेश्वर खेरवार एवं शिवजी अपने दस्ते के साथ किसी बड़ी उग्रवादी घटना को

अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक, लोहरदगा एवं कमांडेंट, 32वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, लातेहार के निर्देश पर एक संयुक्त छापामारी दल का गठन किया गया। इस अभियान का नेतृत्व एसडीपीओ किस्को वेदांत शंकर (भापुसे) ने किया। साथ ही, जी कंपनी, सशस्त्र सीमा बल किस्को के कमांडर इंस्पेक्टर मनीष कुमार चौबे, जोबांग के थाना प्रभारी हर्षवर्धन सिंह, कैरो के कुलदीप राज टोप्पो, पेशरार के गैलन रजवार, बगरू के नरेश कुमार यादव, तकनीकी शाखा, क्यूएटी बड़कीचांपी, एसएटी-75 एवं अन्य बल शामिल थे।

जब छापामारी दल हरकट्टा से आगे बढ़ते हुए लातेहार जिला अंतर्गत ग्राम केदलीटोली पहुंचा, तो उग्रवादियों द्वारा पुलिस बल को लक्ष्य कर गोलीबारी की गई। जवाबी कार्रवाई में बलों द्वारा सतर्कता के साथ फायरिंग की गई, जिससे जंगल एवं अंधेरे का लाभ उठाकर नक्सली भाग निकले। सर्च ऑपरेशन में एसएलआर मैगजीन - 1, 7.62 मिमी की 51 जिंदा गोली, 7.62 के 2 खोखा शेष पेज 11 पर

चतरा को मिलेगा 10 करोड़ का पुरस्कार

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में चतरा को शीर्ष रैंकिंग

नवीन मेल डेस्क

- गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए चुना गया

रांची। नीति आयोग की ऑनलाइन समीक्षा बैठक में मार्च 2025 की डेल्टा रैंकिंग के अनुसार चतरा जिला ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए देश के 112 आकांक्षी जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों के संयुक्त प्रयासों, नवाचारों तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रतिफल है। नीति आयोग द्वारा यह जानकारी शुक्रवार को ऑनलाइन बैठक के माध्यम से साझा की गई। इसमें चतरा जिले की बहुआयामी प्रगति विशेषकर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में सराहा गया। ज्ञात हो कि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले चतरा जिले को नीति आयोग द्वारा 10 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी, जिसका उद्देश्य जिला स्तर पर विकासात्मक पहलों को और अधिक गति देना है। इसके अलावा, गढ़वा को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए भी चुना गया है। इस उपलब्धि पर चतरा जिले की उपायुक्त कीर्ति श्रीजी ने जिले की पूरी प्रशासनिक टीम, विभागीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और जनता को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और हम सभी मिलकर इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शिबू सोरेन को ब्रेन स्ट्रोक आईसीयू में भर्ती, हालत गंभीर

नवीन मेल न्यूज नेटवर्क

दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में हैं इलाजरत

रांची/नई दिल्ली। दिल्ली में इलाजरत झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों के अनुसार, ब्रेन स्ट्रोक के कारण उनके शरीर के बाईं ओर पैरालिसिस हो गया है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। न्यूरोलाजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञ डॉक्टर की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। राज्य भर में लोग गुरुजी के स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। ज्ञात हो कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल में भर्ती हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के नेताओं ने भी उनकी स्थिति में गिरावट पर चिंता जताते हुए उनके स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। वे किडनी की बीमारी से पहले से जूझ रहे हैं और पिछले एक साल से डायलिसिस पर हैं। इसके अलावा वे डायबिटीज से भी पीड़ित हैं। कुछ साल पहले उनकी ओपेन हार्ट सर्जरी भी हुई थी।

पारिवारिक सूत्रों की ओर से बताया गया है कि अस्पताल में न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के विशेषज्ञों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, आईसीयू में केवल सीमित लोगों को ही उनसे मिलने की अनुमति दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी अस्पताल में मौजूद हैं।

गुरुवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अस्पताल पहुंचकर शिबू सोरेन से मुलाकात की थी और उनके स्वास्थ्य के बारे में उनके पुत्र झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जानकारी ली थी।

इसके पूर्व झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी अस्पताल में शिबू सोरेन से मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी सहित झारखंड कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता शुक्रवार को शिबू सोरेन से मिलने दिल्ली पहुंचे हैं।

इंडिया

कहीं दाने को मुंहताज भीड़, तो कहीं अहंकारवश करोड़ों का खाना फेंका जाता है

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

बहुत से लोगों की आदत होती है घर हो या पार्टी खाना लेने के बाद पसंद नहीं आने पर थाली में छोड़ देते हैं या फेंक देते हैं जबकि बहुत से लोग खाने का एक कतरा तक नहीं छोड़ते और उतना ही खाना लेते हैं जितना खा पाएं । बहुत से लोगों का तर्क है कि उन्होंने पैसे देकर खाना खरीदा है इसलिए उनको अधिकार है कि वे खाएं या फेंके जहां भारत में इसको लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी इसे धर्म से जोड़ा जाता है कि यह प्रभु का प्रसाद है और फेंकने पर ईश्वर नाराज हो जाएंगे वहीं शहरी क्षेत्र के अनेक संपन्न लोगों के लिए खाना छोड़ देना सामान्य सी बात हो गई है जबकि विदेशों में इसे राष्ट्रीय संपत्ति बताकर बहुत बुरा माना जाता है । संयुक्त राष्ट्र के आह्वान पर हर वर्ष खाद्य सुरक्षा दिवस के आयोजन समूचे विश्व में होते हैं और संकल्प किया जाता है कि भोजन की बर्बादी को रोकने के लिए न सिर्फ ठोस कदम उठाए जाएंगे, अपितु आमजन को प्रेरित कर शून्य अपशिष्ट की अवधारणा को हासिल किया जाएगा। किसी को भोजन कराना या अन्नदान परमार्थ की भावना है, तो किसी के मुख से निवाला छीनना क्या है? पैसे वाले हों या गरीब सभी को समझना चाहिए कि थाली में छोड़ी गई खाद्य सामग्री सिर्फ जूठन न होकर कितनों के निवाले हैं, जो किसी का पेट भर सकते थे। यदि यह विचार हर इन्सान में दृढ़ता से समा जाए, तो फिर इस धरती पर कोई भी भूखा नहीं रहेगा। दुर्भाग्यवश हम यह मानते हैं कि मात्र हमारे संवेदनशील या उत्तरदायी होने से क्या होगा ? भोजन की बर्बादी को लेकर चिंता महाभारत युद्ध में भी है जब उडुपी के राजा ने दोनों पक्षों की तरफ न रहकर अपने को तटस्थ रखने का निर्णय लिया और भगवान श्रीकृष्ण से अपनी भूमिका के बारे में आदेश देने के लिए कहा। प्रश्न यह था कि युद्ध की अनिश्चितता में कितने लोगों के लिए भोजन तैयार किया जाए क्योंकि 'अन्न ही ब्रह्म है' अवधारणा में एक कण भी बर्बाद नहीं होना चाहिए था।इस संख्या की गणना और निर्धारण करने के लिए भगवान कृष्ण ने उपाय स्वरूप युद्ध के पूरे 18 दिनों तक मूंगफली खाने का निर्णय

किया और उडुपी के राजा द्वारा प्रतिदिन रात्रि में मूंगफली के छिलकों की गणना कर एक हजार से गुणा कर आगामी दिन के संभावित मृत सैनिकों की संख्या का आकलन किया जाता था और उसी अनुरूप भोजन एवं पानी की व्यवस्था की जाती थी। परिणामस्वरूप संपूर्ण युद्ध में जहां सभी सैनिकों के लिए, चाहे वे कौरव हों या पांडव, पर्याप्त मात्रा में भोजन एवं जल उपलब्ध रहा और भोजन का एक भी कण बर्बाद नहीं हुआ। यह इस तथ्य का प्रमाण है कि हजारों वर्ष पूर्व भी भोजन बचाने को कितना महत्व दिया गया था । संभवतया कुरुक्षेत्र में किए गए व्यवस्थित और उपयुक्त प्रबंधन के रहते ही उडुपी और व्यंजन पर्याय बन गए। लेकिन दुर्भाग्यवश अभी मेहमानों की गणना आसन होने के बावजूद भोजन की बर्बादी सामान्य प्रक्रिया हो गई है।धर्म कोई भी हो भोजन के अपव्यय के प्रति सभी एकमत हैं और बर्बादी की वर्जना को धार्मिक अवहेलना से संबद्ध करते हुए बचाव एवं संयमित उपयोग की सलाह दी गई है। सनातन धर्म जहां अन्न ही ब्रह्म के जरिये सीधे-सीधे अन्न को ईश्वर स्वरूप करार देता है, तो जैन मत अपरिग्रह के सिद्धांत से आवश्यकतानुसार उपभोग का उल्लेख करता है। सिख मत में भोजन आध्यात्मिक जीवन का हिस्सा है। जैसा कि गुरु अमरदास लिखते हैं, 'निर्माता ने सृष्टि बनाई; निर्माता इसे देखता है, और इसे सांस और पोषण के साथ आशीर्वाद देता है। अतः इसे बर्बाद करना अर्थात सृष्टि के निर्माता का अपमान करना है ।' इस्लाम में कुरान की आयतों और पैगंबर की शिक्षाओं में भी भोजन एवं खाद्यान्न बर्बादी के बारे में उल्लेख मिलता है। कुरान शरीफ में उपभोग की अति के दुष्परिणाम से आगाह करते हुए मौसम के अनुसार सेवन एवं उपज के प्रति कृतज्ञता का भाव रखने की सीख दी गई है। बाइबिल भी मानव को उत्तरदायी व्यवहार की शिक्षा देते हुए समस्त प्राकृतिक संसाधनों की देखभाल और संरक्षण का संदेश देती है। ईसाई धर्म के कुछ संप्रदायों में भोजन की बर्बादी को दूसरों के अधिकार छीनने के समकक्ष मानते हुए इस सम्मत जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया है। अन्न की बर्बादी रोकने के लिए बुफे सिस्टम अपनाया गया था और अपील भी की जाती है पर बहुत से अहंकारी इसे अपमान मानते हैं । बड़े होटलों,रेस्तरां से लेकर मैरेज हॉल के बाहर सैकड़ों टन बचा हुआ भोजन फेंका जाता है जिसका एक समाधान बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रसिद्द पशु वैज्ञानिक डॉ संत कुमार सिंह ने निकाला था कि उसे पालतू सूअरों का भोजन बनाया जाए । यह प्रयोग लोकप्रिय होता तो कम से कम इसकी उपयोगिता बनी रहती ।

अधर्म पर धर्म की जीत है भारतीय सेना की कार्रवाई

राष्ट्रीय नवीन मेल

सुखबीर कौर

भारत का स्वर्ग कहे जाने वाले जम्मू कश्मीर के अपार सौंदर्य को देखने की इच्छा हर भारतीय के दिल में रहती है, परंतु पाकिस्तानी आतंकियों के आकस्मिक हमले की वजह से लोगों का वहां जाना लगभग कम हो गया है। अनुच्छेद 370 हटाने के उपरांत वहां की सामान्य स्थिति को देखते हुए भारतीय पर्यटकों का रुझान उस और बढ़ा, परंतु पहलगाम के पास बैसरन घाटी पर हुए आतंकवादी हमले में हमारे 26 पर्यटक मारे गए और 17 घायल हुए। हमारी माता और बहनों के माथे का सिंदूर छिन गया। इतना ही नहीं, उन्होंने हमारे प्रधानमंत्री को चुनौती देते हुए कहा कि यह मोदी को हमारा संदेश है ।

यदा यदा ही धर्मस्य गलानिर्भवति भारत:,
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम
परित्राणाय साधुनाम विनाशाय च दुष्कृताम
धर्म संस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे।

धर्म की हानि और अधर्म की इस वृद्धि पर स्वयं को (हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने) साकार रूप से प्रकट किया है। अपने नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' के अंतर्गत तीनों सेना के शूरवीरों ने 6 और 7 मई को आंतक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर पाकिस्तान को धूल चटा दी और उनके आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। पाकिस्तानियों को धूल चटाकर सबसे बड़ी स्ट्राइक का जामा पहनाया और मेक इन इंडिया हथियारों में अपना विश्वास जमाया। इस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' को कामयाब बनाया।

हजारों निगाहें लगी है पंचशील नगर की कारवाई पर

बनहोरा नाले पर बने घर टूटेंगे या बचाए जाएंगे ?

मनोज मिश्रा

रांची। राजधानी बनने की बाद रांची में नदी नालों का अतिक्रमण शुरू हुआ और स्थानीय होने की चाहत रखने वालों को जमीन दलालों ने प्रशासन की मिलीभगत से जमीनें बेची। इसी क्रम का एक हिस्सा पंचशील नगर की कहानी है। यहां बनहोरा नदी के नाले का अतिक्रमण हुआ और एक बड़ी आबादी बस गई। नाले के रूट पर घरों के बनने से जहां बरसात के दिनों में पानी भर जाती है और हाहाकार मच जाता है। वहीं अतिक्रमण के कारण पानी नहीं निकलने से एनएच 75 बंद हो जाता है। कारवाई के नाम पर बहुत आडंबर हुआ लेकिन परिणाम कुछ नहीं निकला। नाले के अतिक्रमण करने में निगम प्रशासन के लोग भी आगे रहे जिसका देखा-देखी और लोगों ने किया।

एनएच 75 में पंडरा के निकट पंचशील नगर चौक डालटेनगंज और लोहरदगा रूट के लिए प्रवेश द्वार का काम करता है। सूत्रों के अनुसार नगर निगम के बड़ा बाबू ने बनहोरा नदी के नाले का अतिक्रमण किया और संरचना का निर्माण शुरू किया जिससे और लोगों को शह मिल गई और वे भी अतिक्रमण कर संरचना खड़ी करने लगे। फिर एक सिलसिला चला और अवैध तरीके से फर्जी हुकूमनामा बनाकर जमीने की रजिस्ट्री करवाई जाने लगी, दाखिल खारिज करवाया जाने लगा और लगान रसीद कटवाई गई। धीरे-धीरे बनहोरा नदी के रूट में लोगों ने अवैध तरीके से बसना शुरू किया और बनहोरा नदी के नाले का अस्तित्व मिटता गया। प्रकृति के इस छेड़छाड़ को प्रकृति ने माफ नहीं किया और कई लोग इस नाले में बह गए। नदी बरसात के मौसम में अपने वजूद को हर साल दिखाती आ रही है और पंचशील नगर, शाहदेव नगर, शांति नगर, राधा नगर में पानी भरने की घटना होती है तो स्थानीय लोगों को अपने भूल का एहसास बरसात के महीनों में हो जाता है।

वर्ष 2008 में कुछ स्थानीय लोगों ने एनएच 75 के किनारे हुए अतिक्रमण की शिकायतें सैकड़ों बार की मगर नगर निगम कान में जू तक नहीं रेंगा। कारवाई होती भी कैसे पहला कारवाई तो निगम के बड़ा बाबू पर ही होना था। अतिक्रमण में स्थानीय लोगों की सक्रियता को देखते हुए निगम ने कुछ लोगों को नोटिस भेजी आम जनमानस को उम्मीद बनी कि कारवाई होगी परंतु उस समय के तत्कालीन अंचल शहर अंचल ने कागजातों के आधार पर अतिक्रमण करने वालों को क्लीन चिट दे दी और निगम ने मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया।

वर्ष 2024 में राष्ट्रीय नवीन मेल ने नाले पर हुए अतिक्रमण को बड़ी गंभीरता से उठाया। इसके बाद प्रशासन कुछ हरकत में आई और अतिक्रमण स्थल की मापी की गई। मगर परिणाम कुछ नहीं निकला। वर्ष 2025 में मॉनसून के पूर्व से होने वाले हालात की गंभीरता को समझते हुए राष्ट्रीय नवीन मेल ने एनएच 75 में लगने वाले जाम और पानी में डूबने वाले पंचशील नगर, शाहदेव नगर, शांति नगर और राधा नगर का मामला गंभीरता से लगातार उठाता आ रहा है। खबर का असर हुआ प्रशासन की नींद खुली। फिर से अतिक्रमण स्थल पंचशील नगर चौक में भारी सुरक्षा बल की तैनाती में मापी की गई। नाले पर बने घर का प्रमाण इक्टठा हुआ और हेहल अंचल ने नोटिस जारी करते हुए तीन दिनों के अंदर अपने कागजात दिखाने की बात कही। नोटिसधारियों ने रजिस्ट्री, दाखिल खारिज और लगान रसीद दिखाया। वहीं एक ने गलत नापी का आरोप अंचल पर लगाया। मगर अंचल ने गंभीरता से कागजातों के पीछे के रिकॉर्ड को खंगाला और खतियान देखा तो परती नाले की भूमि पाई गई। इसके बाद अंचल ने जमाबंदी रद्द करने का प्रस्ताव एलआरडीसी को भेजा। अब, हजारों निगाहें लगी है पंचशील नगर की कारवाई पर टिकी है। पंचशील नगर के नाले पर बने घरों पर जिला प्रशासन क्या कारवाई करती है सबकी निगाहें लगी है कि पंचशील नगर के बनहोरा नाले पर बने घर टूटेंगे या रहेंगे।

समुद्र का फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा लेंगे तो अपनी हो जाएगी क्या : संतोष कुंमार

जिला कोर्ट के एडवोकेट संतोष कुमार से राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता ने पूछा कि खतियान में परती नाले का जिक्र है। उसी खतियान के प्लॉट में घर बनाया गया रजिस्ट्री, दाखिल-खारिज करा ली गई। वहीं लगान रसीद कटने लगी है तो क्या यह वैध हो गई। श्री कुमार ने कहा कि समुद्र की रजिस्ट्री करा लेंगे तो समुद्र उनका हो जाएगा क्या। नदी नाले पर किसी भी तरह से अतिक्रमण करना कानून के खिलाफ है और इस पर बड़ी कारवाई होती है।

नोटिसधारियों ने दिखाए कागजात, बताया वैध

नोटिसधारियों ने हेहल अंचल से नोटिस मिलने और तीन दिनों के अंदर अपने जमीन के कागजात दिखाने को कहा तो सभी नोटिसधारियों ने जमीन का रजिस्ट्री, दाखिल-खरिज और लगान रसीद दिखाया और कहा कि हमारे पास सारे कागजात हैं जो वैध हैं। वहीं एक ने हेहल अंचल पर गलत नापी का आरोप लगाया।

न्यूज बॉक्स

रिम्स में क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण का आयोजन

रांची। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में 10 बेड आईसीयू परियोजना के अंतर्गत एक व्यापक क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह परियोजना विशेष रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों की गहन चिकित्सा (क्रिटिकल केयर) क्षमताओं को सशक्त बनाने हेतु शुरू की गई है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 10 बेड आईसीयू पहल का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसकी संकल्पना कोविड-19 महामारी की डेल्टा लहर के दौरान की गई थी। इस परियोजना का उद्देश्य देशभर के माध्यमिक सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह सुसज्जित 10-बिस्तरों वाले आईसीयू की स्थापना कर, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच स्वास्थ्य सेवा की खाई को पाटना है। झारखंड में यह क्षमता-विकास पहल कोल इंडिया के उदार योगदान और झारखंड सरकार के सशक्त नेतृत्व एवं सहयोग से लागू की जा रही है। इस परियोजना को दो चरणों में लागू किया जा रहा है, जिसमें प्रथम चरण में रांची, गुमला, लातेहार, चतरा और खूंटी के पाँच सदर अस्पतालों को शामिल किया गया है, जिन्हें रिम्स रांची में स्थापित टेली-आईसीयू हब से जोड़ा गया है। परियोजना शुरू होने से पहले, इन सभी अस्पतालों में आधुनिक क्रिटिकल केयर उपकरण, केयर ईएमआर प्लेटफॉर्म और एकीकृत टेली-आईसीयू प्रणाली स्थापित की गई है। यह डिजिटल हेल्थ इकोसिस्टम ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर रोगियों को तृतीयक स्तर के विशेषज्ञों से दूरस्थ परामर्श उपलब्ध कराता है, जिससे समय पर और विशेषज्ञ-नेतृत्व वाली चिकित्सा संभव हो पाती है। रिम्स रांची में आयोजित प्रशिक्षण में पाँचों सदर अस्पतालों के चिकित्सा पदाधिकारियों, फिजिशियन और नर्सिंग स्टाफ ने भाग लिया।

सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में शिकायत निवारण शिविर लगा

रांची। सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में एक शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिकायत निवारण शिविर के दौरान सीसीएल के उत्तरी कर्णपुरा क्षेत्र में लंबित मामलों के निपटान और कम्पनी के कर्मचारियों, कर्मचारियों के आश्रितों, ठेका श्रमिकों एवं अन्य हितग्राहियों की शिकायतों के समाधान हेतु बैठक हुई। इस शिविर में कुल 25 शिकायतें दर्ज की गई। इस शिविर में प्राप्त शिकायत ज्यादातर सीएमपीएफ, पेंशन, सेवानिवृत बकाया राशि के भुगतान से संबंधित थी एवं इसके अलावा कुछ नौकरी/सेवा मामले तथा ठेका श्रमिकों से संबंधित थी। संबंधित क्षेत्र के शिकायतकर्ताओं के लंबित मामलों को जानने के बाद कुछ मामलों का समाधान किया गया एवं शिकायतों के समयबद्ध और विशिष्ट समाधान का आश्वासन दिया गया। सीसीएल प्रबंधन की यह सोच है कि अगर हम अपने कर्मचारियों एवं हितधारकों के समस्याओं का तीव्र गति से निपटारा करेंगे तो इससे कम्पनी का समावेशी विकास होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों तथा अन्य हितधारकों की शिकायतों का त्वरित समाधान था। शिविर में सीसीएल मुख्यालय कविता गुप्ता, संजय कुमार चौबे, गौतम चौधरी, शिखा अवस्थी, अनुज कुमार, मोहन कुमार, शैलेन्द्र कुमार अमला अधिकारी, सुमन कुमार सिंह, दीपक कुमार, दीपक गिरी, निखिल अखौरी, रानी चौबे, अंकिता राउत, गरिमा सिंह, तथा मजदूर संगठन के प्रतिनिधि थे।

रातू किला परिसर में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन

रांची। छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप),लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान में रथ मेले के अवसर पर रातू किला परिसर में निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन मुख्य अतिथि रातु किला की राजकुमारी माधुरी मंजरी,अनुराधा शाहदेव एवं रचना शाहदेव ने संयुक्त रूप से रीबन काटकर किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पृथ्वीनाथ शाहदेव,आचार्यश्री राजमोहन पंडा और शिव किशोर शर्मा उपस्थित थे। द्वारिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर महिलौंग रांची के निदेशक डॉ.एसके निराला,डॉ. एंटोनी किस्कू, डॉ आरके हाजरा,डॉ ललित किशोर, डॉ बीके शर्मा,डॉ अनुज कुमार पटेल ने मरीजों के सभी प्रकार की बीमारियां के साथ ब्लड प्रेशर, शुगर,थायरायड आदि की निःशुल्क जांच की और बरसात मौसम मे होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह भी दिया।

झारखंड की तरक्की के लिए राजनीतिक एकजुटता जरूरी : रालोजपा

रांची। रालोजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने शुक्रवार को कहा कि झारखंड के 25 वर्ष पूरे होने को हैं, लेकिन अपार संसाधनों के बावजूद राज्य आज भी विकास से दूर है, जिसका मुख्य कारण राजनीतिक अस्थिरता और दलों के बीच टकराव है। उन्होंने सभी दलों से अपील की, कि वे राज्यहित में एकजुट हों। शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचा, रोजगार और औद्योगिक विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि रालोजपा सत्ता नहीं, बल्कि जनता के जीवन स्तर को सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है, खासकर आदिवासी और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए।

सुब्रतो कप के खिलाड़ियों को नहीं मिला स्टीकर लगा मेडल

रांची। 25 जून को सरायकेला जिले के कुकड़ू प्रखंड में आयोजित हुए प्रखंड स्तरीय सुब्रतो कप फुटबॉल प्रतियोगिता के विजयी टीम को कोई सर्टिफिकेट नहीं दिया गया। आयोजन के दौरान न तो टेंट लगा था और न ही साउंड सिस्टम, आयोजन स्थल पर प्रतियोगिता से संबंधित कोई बैनर तक नहीं लगा था। खिलाड़ियों को मेडल और ट्रॉफी दिया गया लेकिन इसमें भी प्रतियोगिता का नाम, विजेता/उपविजेता से जुड़ा स्टीकर नदारत था।

मालागासी रक्षा बलों की स्थापना कार्यक्रम में शामिल हुए संजय सेठ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेडागास्कर में मालागासी रक्षा बलों की स्थापना के 65 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों और राजनयिकों के सम्मान में मालागासी सशस्त्र बलों के मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल साहिवेलो लाला मोंजा डेल्फिन द्वारा रात्रिभोज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में भारत के सैन्य अधिकारियों के साथ फ्रांस, अमेरिका, चीन, मिस्त्र और दक्षिण कोरिया के सैन्य अधिकारियों ने भी भाग लिया। भारत की जनता के तरफ से रक्षा बलों को बधाई और शुभकामनाएं दिया।

संजय सेठ ने दी रथयात्रा की शुभकामनाएं

रांची। भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध अद्भुत और अनूठे रथयात्रा महोत्सव की केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने शुभकामनाएं दीं। श्री सेठ ने कहा सदियों से चली आ रही यह यात्रा हमारी एकता, आस्था के साथ सांस्कृतिक पहचान है। समाजिक समरसता की बेजोड़ झलक इस यात्रा में दिखती है। भगवान जगन्नाथ सम्पूर्ण जगत का कल्याण करें।

इरफान अंसारी और बेला प्रसाद गुरुजी से मिलने दिल्ली पहुंचे

रांची। झारखंड कांग्रेस प्रभारी के राजू के निर्देशानुसार झारखंड कांग्रेस के सह प्रभारी बेला प्रसाद एवं झारखंड सरकार के स्वास्थ्य, खाद्य आपूर्ति एवं आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी शुक्रवार को देवघर एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दिल्ली पहुंचकर दोनों वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से मुलाकात करेंगे, जो वर्तमान में गंगा राम अस्पताल में उपचाराधीन हैं। गुरुजी की तबीयत कुछ समय से ठीक नहीं चल रही है और उनका इलाज जारी है। दिल्ली रवाना होने से पूर्व डॉ. इरफान अंसारी ने कहा की "गुरुजी झारखंड के निर्माता हैं, हमारे सर्वस्व हैं। ऐसे समय में जब उनकी तबीयत नाजुक है, हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनका हालचाल लेने दिल्ली जाएं।

सार्थक काम करते हुए बेहतर जीवन जी सकते हैं : बीके राजमती

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रजापिता ब्रह्मकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय कांके पिठौरिया बाडू नवा टोली के द्वारा प्रथम मुख्य प्रशाशिका मातेश्वरी जगदंबा सरस्वती की पुण्य तिथि मनाई गई। इस अवसर पर आश्रम कि संचालिका बीके राजमती बहन ने कहा कि मानव कल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए हम हर कार्य को एक सार्थक और बेहतर जीवन जीने के लिए कर सकते हैं।जीवन में सुख शांति की अनुभूति एवं अपने कर्म को श्रेष्ठ बनाने के लिए संस्था द्वारा सिखाए जा रहे आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में धारण करने पर विशेष बल दिया। क्योंकि हमारे कर्म ही सुख दुख का आधार और श्रेष्ठ व सुखद जीवन का आधार है, श्रेष्ठ कर्म मम्मा की विशेषता वो को जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए बी के राजमती बहन ने उनके बचपन पर भी प्रकाश डाला, बचपन में उनका नाम राधा था। छोटी सी उम्र में में ब्रह्माकुमारी ज्ञान में आई और सर्वस्व जीवन ईश्वरीय करी अर्थ समर्पित की।

जान में आते ही संस्था की जिम्मेदारीयों को जीवन में ऐसे डाला कि छोटी सी उम्र की कुमारी, मम्मा का टाइटल प्राप्त किया। यज्ञ रक्षक मातेश्वरी जगदंबा ने इस धरा पर युगांतकारी परिवर्तन का संवाहक बनकर हजारों आत्माओं को मानस पटल पर परमपिता शिव के ईश्वरीय ज्ञान की जो अमिट छाप लगाई है,वह वर्तमान समय में लाखों मनुष्य आत्माओं के जीवन को आलोखिक कर रहा है। इस प्रकार मातेश्वरी जगदंबा के रूप में परमात्मा ने इस संसार में ब्रह्मा वत्सो तथा लाखों मनुष्य आत्माओं को मातृत्व की सुखद आंचल की छत्र छाया की पालना करके अपने ममता छाई स्वरूप को प्रकट किया। मौके पर भक्तों ने मातेश्वरी जगदंबा जी के तस्वीर पर पुष्पांजलि कर उन्हें याद किया। इस अवसर उर्मिला देवी, कविता सेन, लीला देवी, देवंती देवी, मंजू देवी सहित कई संस्था के सदस्य उपस्थित थे ।

सीआईआई ने विश्व एमएसएमई दिवस मनाया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व एमएसएमई दिवस 2025 पर सीआईआई झारखंड ने एमएसएमई को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर एक सत्र आयोजित किया, जिसका उद्देश्य एमएसएमई को आवश्यक उपकरण, अंतर्दृष्टि और रणनीतियों के साथ सशक्त बनाना था, ताकि विकास को गति दी जा सके और गतिशील कारोबारी माहौल में उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया जा सके। इस सत्र में एमएसएमई को सब्सिडी, जेडईडी और लीन प्रमाणपत्र, वित्तीय पहुंच और कुशल जनशक्ति पर अंतर्दृष्टि के साथ सशक्त बनाया गया - जिससे आज के उभरते कारोबारी परिदृश्य में सतत विकास, परिचालन दक्षता और बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता को सक्षम बनाया जा सके। सीआईआई झारखंड राज्य परिषद के उपाध्यक्ष और वैदेही मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलू पारिख ने अधिक वित्तीय पहुंच, सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता, कौशल विकास और डिजिटल परिवर्तन के माध्यम से एमएसएमई को सशक्त बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संरचनात्मक चुनौतियों का समाधान करने और एमएसएमई को स्थायी रूप से आगे बढ़ने में सक्षम बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया। उन्होंने नवाचार को बढ़ावा देने, लचीलापन बनाने और एमएसएमई को उभरते अवसरों से जोड़ने वाले पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए सीआईआई की प्रतिबद्धता को दोहराया।

सीआईआई जमशेदपुर जोनल काउंसिल के उपाध्यक्ष और सीटीसी प्रेज़िशन टूल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विशाल कुमार अग्रवाल ने झारखंड के एमएसएमई को सशक्त बनाने में "कनेक्ट, सहयोग और विकास" विषय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने आत्मनिर्भर और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए नीति समर्थन, कौशल विकास, डिजिटल अपनाने और इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकियों में नवाचार के महत्व को स्वीकार किया।

राधा कृष्ण मंदिर में श्रद्धालुओं में बंटा खिचड़ी का महाभोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी के पुंदाग स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर में प्रणामी ट्रस्ट की ओर से जगन्नाथ रथयात्रा पर्व शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्री राधा कृष्ण का भव्य श्रृंगार, विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, महाआरती और खिचड़ी महाभोग प्रसाद का आयोजन किया गया। पुजारी अरविंद पांडे ने भगवान को फल, मेवा, चूरमा, पंचामृत व पेड़ा का भोग अर्पित किया। इस अवसर पर महिला श्रद्धालुओं ने मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी। ट्रस्ट के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल और प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि रथयात्रा का यह पर्व समरसता, सेवा और भक्ति का प्रतीक है। मौके पर संस्था के डूंगरमल अग्रवाल, निर्मल जालान, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

कार्यक्रम सरला बिरला स्कूल का मंच वीर नारियों की गाथाओं से गूंजा, बोले प्रो. (डॉ) गोपाल पाठक

छात्रों के चरित्र निर्माण में अभिभावकों की भी है भागीदारी

● रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई

नवीन मेल संवाददाता

देश की वीर बेटियों की गाथाओं को बच्चों ने दी बेहतर प्रस्तुति

प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों एवं शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा, देश की वीर बेटियों की गाथाओं को मंच पर जीवंत कर बच्चों ने जिस समर्पण व आत्मविभोरता से प्रस्तुत किया, वह प्रशंसनीय है। आज आवश्यकता है कि हम बच्चों में बचपन से ही साहस, श्रद्धा और सेवा जैसे गुणों का बीजारोपण करें। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया कि वे उन लोगों के प्रति आभारी रहें जो उनकी गलतियों को सुधारकर उनके चरित्र को आकार देते हैं। वे ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वे उनकी परवाह करते हैं और चाहते हैं कि वे खुद का एक आदर्श संस्करण बनें।

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में वात्सल्यम्-2 के अंतर्गत ग्रैण्डपैरेंन्ट्स डे का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा, प्रेम और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन "एमपावेरिया - भारतीय नारियों की गौरवगाथा" विषय पर केंद्रित था। इस अवसर पर रथ यात्रा उत्सव को भी पारंपरिक भव्यता के साथ मनाया गया। सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में रथ यात्रा की भव्य झांकी प्रस्तुत की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक समन्वय और परंपराओं की झलक को सुंदरता से मंचित किया। इसके उपरांत विद्यालय की उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन वाइस हेड बॉय द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिसमें शैक्षणिक, सह-पाठ्य और सांस्कृतिक क्षेत्रों में विद्यालय की उपलब्धियों का विस्तार से वर्णन किया गया। वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित किया गया और उनकी प्रेरक सफलता की कहानियाँ भी साझा की गईं। पहली कक्षा के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास की महान नारियों की गाथाओं को बड़ी आत्मीयता और जीवंतता से प्रस्तुत किया। मंच पर मीरा बाई की श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, नायकी देवी के साहस, रानी राशमोनी के सामाजिक योगदान, जीजा बाई के प्रेरणादायी नेतृत्व, रानी गाइडिन्ल्यू के देशभक्तिपूर्ण योगदान और माता भागो की वीरता की अत्यंत सजीव व सराहनीय प्रस्तुति अभिनय के माध्यम से दर्शाई गई।

सरला बिरला विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) गोपाल पाठक ने कहा कि छात्रों का चरित्र निर्माण केवल शिक्षकों की ही नहीं, अपितु अभिभावकों की भी समान भागीदारी का विषय है। जब परिवार और विद्यालय एकरूप होकर मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करते हैं, तभी एक सशक्त, जागरूक और संवेदनशील पीढ़ी का निर्माण संभव होता है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत की वीरांगनाओं की त्याग-तपस्या, साहस और योगदान से हम सबको प्रेरणा लेकर ऐसी संतानों का निर्माण करना चाहिए जो देश की गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं।

जगन्नाथपुर मेले में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ लोगों ने जमकर की खरीदारी

- हजारों श्रद्धालु रथ खींचने और दर्शन के लिए मुख्य मंदिर पहुंचे
- भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा को रथ पर बैठाकर मौसीबाड़ी तक ले जाया गया
- रथयात्रा ने रांची को बना दिया आस्था और परंपरा का केंद्र

मेले में पूजा-पाठ व भजन-कीर्तन होता रहा

काजल मेहता रांची। राजधानी रांची में शुक्रवार को महाप्रभु जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। इस खास मौके पर हजारों श्रद्धालु भगवान के रथ को खींचने के लिए मुख्य मंदिर पहुंचे। भगवान जगन्नाथ को रथ में बैठाकर मौसीबाड़ी तक ले जाया गया। शुक्रवार से जगन्नाथ मेले की भी शुरुआत हो गई, जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल होंगे। मेले में पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण जैसे कई धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। मेले में तरह- तरह के मिठाइयों सहित तरह तरह के वाद्ययंत्र सहित विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बिक रही है।

मेले में वाद्ययंत्र और कृषि यंत्रों की होती है अच्छी बिक्री

मेले में देखने को तो कई अजूबे हैं लेकिन इन सब में सबसे अलग है मंदार, नगाड़ा और ढोल जो भारी संख्या में बिकती है। बोकारो से किश्तोदास और विश्वनाथ दास प्रतिवर्ष मेले में मांदर, ढोल और नगाड़ा बेचने के लिए आते हैं। इनका कहना है मांदर हमारे झारखंड की संस्कृति है। इसको हर पूजा पर्व में बजाना शुभ माना जाता है। वहीं बंगाल से आए गौरीनाथ ने कहा कि मांदर बनाने की प्रक्रिया सदियों से जो चली आई है उसी प्रक्रिया से आज भी मांदर बनाया जाता है। गौरीनाथ पारंपारिक तरीके से बनाए गए मांदर झारखंड के लोगों के मन को लुभाता है।

पानी और शौचालय की व्यवस्था

मेले में नगर निगम के ओर पानी और शौचालय की व्यवस्था की गई थी ताकि दुकान लगाने वाले या आने वाले भक्तों को कोई परेशानी ना हो।

मेले में सजी मिठाइयां, स्वच्छता का नहीं रखा जा रहा ध्यान

रथ मेले के पहले दिन यानी शुक्रवार को मेले में काफी भीड़ रही। यह भीड़ अगले 10 दिनों तक रहेगी। मेले की रौनक और गाना बजाना अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा। वहीं मेले में मिठाइयां भी रंगीन और तरह-तरह की बिक रही। जिसे कई लोग खाना पसंद करते हैं। हालांकि मिठाइयां खुले में बेची जा रही और किसी तरह की स्वच्छता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

प्रशासन की सख्त निगरानी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस कर्मियों को साढ़े कपड़ों में भी तैनात किया गया था। रथ मेले में लगातार पुलिस की मॉनिटरिंग चलती रही। पुलिस आलाधिकारियों सहित कई थानों के थाना प्रभारी मौजूद रहे। आगे 10 दिनों के लिए पुलिस द्वारा पूरी तैयारी की गई है। कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं शुक्रवार को रथ यात्रा के दौरान कई वॉलेंटियर्स भी तैनात किए गए थे। मेले में 400 से अधिक पुलिसकर्मी, महिला बल, खुफिया एजेंसी के अधिकारी और वर्दीधारी कर्मी तैनात किए गए हैं। पांच वॉच टावर और 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे मेले की निगरानी कर रहे हैं। महिलाओं और बुजुर्गों के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए।

कई संगठनों ने लगाया स्वागत शिविर

रथ मेले में कई समाजिक संगठनों की ओर से स्वागत शिविर लगाया गया है। इनमें शिवयोग सेवा केंद्र पर श्रद्धालुओं में निशुल्क फल और शर्बत बांटा गया। वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वागत शिविर में खिचड़ी का वितरण किया गया। इसके अलावा दि होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की रांची इकाई की ओर से श्रद्धालुओं की तकलीफ पूछकर उनमें निशुल्क दवा का वितरण किया गया। यहां लोगों की अधिक भीड़ देखी गई। कई लोग अपनी तकलीफ बताकर दवा ले गए। साथ ही सरना विकास समिति, धुर्वा, आदिवासी सरना समिति जगन्नाथपुर की ओर से स्वागत शिविर लगाया गया।

मेले में मौत का कुआं और झूलों की दिवानगी रहे लोग

मेले में मौत का कुआं और कई तरह के झूलों पर चढ़ने के लिए लोगों की दिवानगी देखी गई। विशेषकर बच्चे, युवतियां और महिलाओं में झूले पर चढ़ने का काफी क्रेज देखने को मिला। सबसे अधिक भीड़ मौत का कुआं देखनेवालों की रही। जलपरी शो नामक मौत का कुआं के शो के लिए प्रति व्यक्ति 50 रुपए में टिकटों की बिक्री हो रही थी। वहीं कई तरह के झूलों में ब्रेक डांस, बडा झूला सहित कई तरह के झूले का लोगों ने आनंद उठाया।

पार्किंग के लिए वसूले जा रहे मनमाने रुपए

मे मेले में सबसे महत्वपूर्ण चीज पार्किंग है। मेले में पार्किंग के लिए लोगों से दो पहिया वाहन के लिए 50 रुपए और चार पहिया वाहन के लिए 100 रुपए वसूले जा रहे हैं। पार्किंग में वाहन लगाने वालों के लिए यह कीमत काफी अधिक है मजबूरन लोग पैसे देकर वाहन लगा रहे हैं।

12 सौ प्रति जोड़ा बिक रहा लव बर्ड

मेले में रंग-बिरंगी पक्षियों की भी बिक्री हो रही है। मेला में लव बर्ड की कीमत 12 सौ रुपये प्रति जोडा है। वहीं ललमुनिया नामक पक्षी के एक जोडे की कीमत चार सौ रुपए, तोते की प्रति जोड़े की कीमत 12 सौ रुपए, जावा नामक पक्षी 12 सौ रुपए में एक जोड़ा तथा बजरी पक्षी की कीमत छह सौ रुपए प्रति जोड़ा है।

आठ से 16 सौ रुपए में बिक रहा जाल

मेले में मछली मारने वाले जाल की बिक्री आठ से 12 सौ रुपए में की जा रही है। दुकानदार परशुराम ने बताया कि पहले दिन बिक्री खास नहीं है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि मेले के दौरान अच्छी बिक्री होगी। उन्होंने बताया कि जगन्नाथपुर मेले में हर वर्ष उनके जाल की अच्छी बिक्री होती है। इस बार भी उन्हें उम्मीरद है कि मेले में अच्छी बिक्री होगी।

जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को दी प्राथमिकता

नवीन मेल संवाददाता। रांची। धुर्वा से ऐतिहासिक जगन्नाथपुर रथ यात्रा पूरे विधि-विधान और भव्यता के साथ मुख्य मंदिर से मौसीबाड़ी पहुंची। इस दौरान जिला प्रशासन और पुलिस की पूरी टीम ने चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की, जिससे यह आयोजन सुचारु और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ।

रथ मेला को लेकर प्रशासन की है व्यापक तैयारी

जिला प्रशासन ने रथ यात्रा और इसके साथ आयोजित होने वाले रथ यात्रा के लिए व्यापक तैयारियां की थीं। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने भी श्रद्धा पूर्वक भगवान के रथ को खींचा। इस दौरान उन्होंने पुरे विधि व्यवस्था पर नजर बनाए रखा था और मेला में प्रतिनियुक्त पदाधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहें थे।

सुरक्षा के व्यापक इंतजाम

रथ यात्रा मार्ग और मेला परिसर में सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन, और वॉच टावर स्थापित किए गए। पुलिसकर्मी, पुरुष और महिला, के साथ-साथ मजिस्ट्रेट तैनात किए गए। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भीड़ पर नजर रखने के लिए मौजूद रहे। नीलाद्री भवन में एक कमांड सेंटर स्थापित किया गया, जहां ड्रोन और सीसीटीवी फुटेज से निगरानी की जा रही हैं।

भगवान जगन्नाथ की पारंपरिक ढंग से होती है पूजा : मुक्ति शाहदेव

रांची। जगन्नाथपुर मंदिर के संस्थापक, कोषाध्यक्ष सह सचिव की बेटी मुक्ति शाहदेव ने बताया कि पिछले तीन सौ वर्षों से चले आ रहे नियमों पर ही आज भी भगवान जगन्नाथ की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा रथ यात्रा के एक दिन पहले यानी गुरुवार को भगवान जगन्नाथ के नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की गई। जिसके बाद शुक्रवार को सुबह सुबह भगवान की आरती हुई। जिसके बाद शाम में निर्धारित समय पर रथ यात्रा निकली गई। भगवान जगन्नाथ को शुक्रवार को सुबह सूजी का हलवा का भाग चढ़ाया गया वहीं दोपहर में दाल, भात सब्जी चढ़ाई गई। रात्रि भोजन में चावल का छिलका और चीनी का भोग लगाया गया। मुक्ति शाहदेव ने बताया पूजा के वक्त हजारों लोग रथ के पास जमीन पर बैठ कर एक लाख विष्णु लक्ष्य अर्चना यानी सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान किया गया। जिसके बाद भगवान जगन्नाथ के जनदर्शन किया गया। आने वाले दस दिनों तक भगवान जगन्नाथ की विधि के अनुसार पूजा अर्चना कर बात जन आशीर्वाद लेंगे।

श्रद्धा और भक्ति के साथ चनकोपी और ईटाचिल्दरी में **रथ यात्रा का आयोजन**

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के ईटाचिल्दरी और चनकोपी रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का जन समुद्र उमड़ पड़ा। हजारों लोगों ने ईटाचिल्दरी तथा चनकोपी के जगन्नाथ स्वामी मंदिर से भगवान जगन्नाथ स्वामी सहित बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को रथ में बैठाकर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ आस्था के डोर को पकड़कर भगवान के तीनों विग्रहों को मौसीबाड़ी पहुंचाया। इस दौरान जगन्नाथ स्वामी के जयकारे से पूरा मेला परिसर गुंजायमान हो उठा। चनकोपी में जहां भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बेड़ो थाना के एएसआई अशीष रंजन दलबल मेला परिसर में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रथयात्रा मेले के आयोजन में जगन्नाथ मंदिर के पुजारी कालिंद्र मिश्रा, पुरोहित बालमुकुंद मिश्रा, रामवृक्ष मिश्रा, पहान सुकरा पहान, पुजार अंगनू उरांव, रोजा उरांव, आयोजक लाल संजय नाथ शाहदेव, सतीश शाहदेव, शशिकांत शाहदेव, सुजीत शाहदेव, सच्चिदानंद शाहदेव, संदीप शाहदेव, अरविंद शाहदेव, प्रिंस शाहदेव, नवीन शाहदेव, प्रभात शाहदेव, प्रशांत शाहदेव, बाल मोहन महतो, मनमोहन महतो, रामवृक्ष महतो, कांशी महतो, जुगल गोप, ध्रुव सिंह, मुस्तकीम अंसारी सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वहीं ईटाचिल्दरी रथयात्रा के दौरान मुख्य पुजारी सत्यनारायण पाठक, ईटाचिल्दरी रथयात्रा आयोजन समिति के संरक्षक पूर्व मुखिया बुधराम बाड़ा, अध्यक्ष लाल नवल किशोर नाथ शाहदेव, उपाध्यक्ष मणी साहु, सचिव सह कोषाध्यक्ष लाल सेवक नाथ शाहदेव के साथ साथ लाल सुमन नाथ शाहदेव, लाल कमलेश नाथ शाहदेव, लाल शिवनाथ शाहदेव, लाल प्रमोद शाहदेव, कलेश्वर सिंह, कलिन्द्र सिंह, रमेश गोप, सतीश गोप, लाल अखिलेश, लाल राजेन्द्र कुमार, लाल मिथिलेश शाहदेव लाल विक्रम शाहदेव, सिकंदर सिंह, लाल संजय नाथ शाहदेव, लाल सत्यप्रकाश नाथ शाहदेव सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बच्चों ने निकाली **रथ यात्रा**

सिल्ली । रिटायरमेंन्ट कालोनी में रथयात्रा को लेकर सुबह से ही गहमागहमी का माहौल था। कॉलोनी के नन्हे बच्चों ने छोटे स्तर पर ही लेकिन बड़े ही सुन्दर ढंग से फूलों और छतरी से सुसज्जित रथयात्रा निकाली। बच्चों ने रथ को खींचते हुए छोटा मुरी स्थित दुर्गा बाड़ी और राधा कृष्ण मंदिर तक ले गए। जहां उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया। तत्पश्चात रथ को खींचते हुए पुरा रिटायरमेंट कोलोनी का भ्रमण कराया गया। इस दौरान साथ चल रहे कालोनी के महिला पुरुष द्वारा जय जगन्नाथ के खूब नारे लगाए। महिलाओं ने लागातार शंख एवं घंटा बजा कर बच्चों का हौसला बढ़ाया। अंत में प्रभु को कॉलोनी स्थित शिवशक्ति मन्दिर (मौसी बाड़ी) पहुंचाया गया। जहां महिलाओं द्वारा विधिवत पूजा अर्चना किया गया। तत्पश्चात प्रसाद का वितरण भी किया गया। भगवान् जगन्नाथ मौसी बाड़ी में नौ दिन विश्राम करेंगे। इन बच्चों के इस भक्ति पूर्ण रथयात्रा आयोजन में अपना सहयोग देकर सफल बनाने में अनिमा विश्वास, पम्पा राय, तापसी नाथ, बानी सेन,दिया घोष, पूजा प्रसाद, रूपा दास, आशा, सुभाष विश्वास, रतन लाल गुप्ता, शान्तनु, अमृत लाल आदि का सराहनीय योगदान रहा।

मुरी व सिल्ली में निकाली **गई रथ यात्रा**

सिल्ली । सिल्ली राजाबाड़ी, मुरी टुंगरी पार्क एवं पहली बार हिंडालको परिसर से ऐतिहासिक रथ यात्रा निकाली गई। वहीं राजा बाड़ी में पुजारी भास्कर मुखर्जी के द्वारा भगवान जगन्नाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। रथ यात्रा राजाबाड़ी परिसर से थाना चौक होते हुए मौसीबाड़ी तक गई। रथ यात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान स्वयं अपने भक्तों के बीच आते हैं,अपने रथ पर सवार होकर सड़कों पर चलकर हजारों लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन देते हैं। रथ यात्रा सिर्फ एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि यह भावनात्मक जुड़ाव,सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक एकता का अद्भुत उदाहरण है।इस अवसर पर रथ यात्रा के संरक्षक राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ,संजीत सिंह देव, बिल्टू दत्ता,सुशील दे, विष्णु दत्ता,सुभाष लाहा,सरोज सिंह,अमित लाहा,गणेश चौधरी समेत सैंकड़ों लोग उपस्थित रहे। साथ ही साथ मुरी टुगरी पार्क में पुजारी के द्वारा पूजा कर ग्रामीणों के द्वारा रथ को खींचते हुए मुरी टुंगरी पार्क घुमाया गया और जगन्नाथ बाबा के नारे लगाते हुए रथ को रखा गया।

इटकी में निकाली गई **रथ यात्रा**

इटकी। इटकी के मुख्य जगन्नाथ मंदिर से शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। मंदिर से मौसीबाड़ी तक निकाली गई इस यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मंदिर का पट सुबह ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया था, जिसके बाद दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अपराहन करीब पांच बजे भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की प्रतिमाओं को पारंपरिक रीति-रिवाज से रथ पर आरूढ़ किया गया। महाआरती के बाद लगभग साढ़े पांच बजे रथयात्रा का शुभारंभ हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा के साथ रथ को रस्सियों से खींचते हुए मौसीबाड़ी मंदिर तक पहुंचाया। रथ के सारथी सचिन महतो बने थे। रथ पर पुजारी सुंदर श्याम तिवारी, लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, लाल गौरव नाथ शाहदेव, लाल अश्विनी नाथ शाहदेव, लाल आशीष नाथ शाहदेव, कल्पना नाथ शाहदेव, प्रतिभा नाथ शाहदेव सवार थे। रथ यात्रा में कमेश बर्मन, अजीत केसरी, बिनोद सिन्हा, राजकुमार तिर्की, शिशु गोप, विजय साही, सूरज गोसाईं, अंकित, नितिन कुमार, अर्पण ठाकुर, अजय, श्याम कुमार, तपेश्वर, अनिल तिवारी, अनुपम, देवेंद्र महतो, पंचम महतो सहित सैकड़ो लोग शामिल थे। मौके पर लगे मेला में झूला के अलावा मिठाई, खिलौना, महिला सौंदर्य प्रसाधन, चाट- फुचका सहित अन्य की दुकानो की भरमार थी। जहां लोगों ने खरीदारी की व मेला का आनंद उठाया।

मंत्री ने भगवान जगन्नाथ का खींचा रथ

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग । लापुंग के लेटे गांव स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक जगन्नाथ स्वामी मंदिर प्रांगण से मंत्री बनने के बाद पहली बार झारखंड की कृषि पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने भगवान के रथ को श्रद्धा की डोर से खींचा और मौसीबाड़ी पहुंचाया। साथ-साथ उन्होंने रथ की विधिवत परिक्रमा किया और मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने प्राचीन मंदिर में सबसे पहले पूजा अर्चना की। लापुंग के प्रसिद्ध लेटे स्थित जगन्नाथ स्वामी मंदिर परिसर में विशाल एवं भव्य रथयात्रा का आयोजन किया गया। राज्य की कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की इस रथ यात्रा में शामिल हुई और लोगों को रथयात्रा की शुभकामनाएं दी। प्रभु जगन्नाथ के जयकारा के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथयात्रा में हिस्सा लिया। इस मौके पर प्रभु के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था देखने लायक रही। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने प्राचीन मंदिर में सबसे पहले पूजा अर्चना की फिर पवित्र रस्सी खींच कर रथ यात्रा का शुभारंभ किया। उन्होंने प्रभु जगन्नाथ स्वामी बहन सुभद्रा एवं भगवान बलभद्र की शरण में समाज की समृद्धि , खुशहाली और सफलता की कामना की ।उन्होंने कहा कि हर साल आज के दिन ये वृहद आयोजन होता है ।श्रद्धालु प्रभु जगन्नाथ का रथ खींचने के लिए दूर _ दूर से यहां आते है। हर किसी की इच्छा रस्सी खींचने की होती है। ये उनका प्रभु जगन्नाथ के प्रति असीम आस्था का प्रतीक है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि रथयात्रा पथ को दुरुस्त करने के लिए सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है ।आधी दूरी तक सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है,जबकि बचे हुए कार्य को भी बहुत जल्द पूरा कर लिया जाएगा। इसके पूर्व मुख्य पुजारी सीताराम पाठक की देखरेख में हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा अर्चना की और पूर्व जमींदार के वंशज विजय कुमार लाल,दुर्जय कुमार लाल, धनंजय कुमार लाल सहित अजय कुमार लाल क्या नेतृत्व में रथ यात्रा अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व जमींदार के वंशज विजय कुमार लाल,, दुर्जय कुमार लाल, दुर्जय कुमार लाल, धनंजय कुमार लाल, अजय कुमार लाल, राजेश्वरी देवी, अनिता देवी, रोहित लाल, मोनू लाल, सोनू लाल, सृष्टि चित्रा, अभिषेक कुमार लाल, कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बरला, विधायक प्रतिनिधि सुदामा महली, युवा कांग्रेस के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक सहित दर्जनों विशिष्ट लोगों ने रथयात्रा में हिस्सा लिया।

कबड्डी प्रतियोगिता में दून वारियर्स बने चैंपियन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस के उपलक्ष में धनबाद जिला ओलम्पिक संघ द्वारा आयोजित सप्ताह -व्यापी खेल कार्यक्रम के तहत आज कबड्डी की प्रतियोगिता कुसुम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल में संपन्न हुई. इस प्रतियोगिता के फाइनल स्पर्धा में दून वारियर्स की टीम ने 32 - 26 अंक से धनबाद कैपिटल की टीम को पराजित करते हुए ओलम्पिक दिवस ट्रॉफी पर अपना कब्ज़ा जमाया. आदित्य झा तथा दिव्यांशु किशोर ने रेड में अगुवाई करते हुए मध्यांतर तक दून वारियर्स को 20 - 19 से बढ़त दिलाया. डिफेंडर सूरज साव और आदित्य पांडे ने मैच के दौरान बेहतर प्रदर्शन किया।

कराटेकरों के लिए बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन

रांची। थड़पखना स्थित यूनियन क्लब में शोतोकान कराटे डो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में यूनियन क्लब के कराटेकरों के लिए बेल्ट ग्रेडेशन का आयोजन किया गया। बेल्ट ग्रेडेशन शोकफ के मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर हंसी मानस सिन्हा द्वारा किया गया। साथ ही साथ हंसी मानस सिन्हा द्वारा जीवन में कराटे के महत्व के बारे में बताया गया। इस ग्रेडेशन में अच्छे प्रदर्शन करने वालो को यूनियन क्लब के पदाधिकारियों भास्कर गुप्ता, राम चटर्जी, सुष्मित बोस, तरुण कुण्डू द्वारा मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर वॉलीबॉल मैच का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर झारखंड वॉलीबॉल संघ के द्वारा रांची के ऑक्सीजन पार्क, मोराबादी में एक भव्य वॉलीबॉल प्रदर्शनी मैच का आयोजन किया गया। इस मैच में बंदगाड़ी वॉलीबॉल क्लब और ऑक्सीजन पार्क टीम के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसे बड़ी संख्या में खेल प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक देखा। कार्यक्रम

का शुभारंभ झारखंड वॉलीबॉल संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा प्रमुख अतिथियों के कर-कमलों से किया गया। श्री शिवेंद्र कुमार सिंह जिला खेल पदाधिकारी डॉ रितुराज , प्रोजेक्ट पदाधिकारी , झारखंड ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष, शिवेंद्र दुबे, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में श्री उत्तम राज, श्री संजय कुमार , श्री संजय ठाकुर, विकास वर्मा, उपेंद्र कुमार सिंह, विश्वनाथ सिंह, विश्वजीत नंदी, अजय किस्पोट्टा सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सर्पदंश से छठी कक्षा के छात्र की मौत

- **मृत पोता को देख दादी का हुआ हार्ट अटैक से निधन**

नवीन मेल संवाददाता

फाइल फोटो

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के महुगांव पंचायत के अन्तर्गत जमाकेल गांव में विगत रात्रि लगभग 9 बजे एक जहरीले सांप ने छठी कक्षा में पढ़ने वाले छात्र को काट लिया । सांप काटने के बाद 12 वर्षीय बच्चा अनिकेत होरो उर्फ अंथोनी होरो (पिता अमित होरो) को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लापुंग लाया गया। जहां 8 अलग-अलग प्रकार के एंटी वेनम इन्जेकशन दी गई। लेकिन इसके बावजूद बच्चे का हालत में सुधार नहीं होने के कारण चिकित्सक द्वारा रिम्स रेफर किया गया, इसी बीच बच्चे की मौत हो गई ।मृत बच्चा को देखकर बच्चे की दादी का भी हार्टअटैक हो गया ।एक घर में दो लोगों का मृत्यु होने पर पुरे गांव में शोक का माहौल है। बच्चे का मां और पिता दोनों बाहर मजदूरी करने गए हैं ।घर में इनका आर्थिक स्थिति बहुत खराब है,ये लोग जमीन में ही रात को सो रहे थे। इधर घटना की जानकारी मिलने पर मुखिया मेरी होरो, विधायक प्रतिनिधि सह युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक व कांग्रेस पार्टी अध्यक्ष जयंत बारला सहित कई लोगों ने घटना पर दुःख जाहिर किया है। बाद में दोनों के शवों का रिम्स भेजकर पोस्टमार्टम किया गया। पोस्टमार्टम के बाद देर शाम जमाकेल गांव में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक व बालिका कबड्डी प्रतियोगिता

32 सदस्यीय झारखंड की टीम पहुंची हरिद्वार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। हरिद्वार में 28 जून से 01 जुलाई 2025 तक आयोजित प्रथम राष्ट्रीय अंडर 18 बालक एवं बालिका कबड्डी प्रतियोगिता के लिए 32 सदस्यीय झारखण्ड बालक एवं बालिका कबड्डी टीम हावड़ा - देहरदून एक्सप्रेस से शुक्रवार को अहले सुबह हरिद्वार पहुंच चुकी है । उक्त आशय की जानकारी कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने दी।

अध्यक्ष श्री ठाकुर ने बताया कि इस राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए बालक वर्ग में देवघर के

रितिक कुमार सिंह एवं बालिका वर्ग में धनबाद की नमिता कुमारी को कप्तान बनाकर टीम का नेतृत्व करने की जिम्मेवारी दी गई है।

इससे पूर्व कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड की ओर से चेयरमेन बिपिन कुमार सिंह के द्वारा धनबाद स्टेशन पर बुधवार को टीम को पूरी किट (जर्सी, शॉर्ट्स, टी - शर्ट्स, मैट शू एवं ट्रैक सूट) देकर शुभकामनाएं दी गई । शुभकामना एवं बधाई देने वालों में महासचिव मुकेश कुमार सिंह, अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक तेज नारायण प्रसाद माधव, आलोक कुमार, आशा कुमारी, हैदर हुसैन, राखी कुमारी, सुनीता कुमारी, प्रद्युम्न पांडेय, राहुल कुमार, रितेश सिंह, सीता राम आदि शामिल है।

न्यूज बॉक्स

ग्रामीणों के बीच करंज व जामुन के पौधे बांटे गए

ठाकुरगांव। रामकृष्ण मिशन व दिव्यायन कृषि विज्ञान केंद्र मोरहाबादी के सौजन्य से शुक्रवार को बुढ़मू प्रखंड के खखरा व खरकुटोली गांव में करंज व जामुन के पौधों का वितरण किया गया। वितरण प्रखंड प्रमुख सत्यनारायण मुंडा,स्वामी सुखमयानंद जी महाराज व मुखिया कुशेन्द्र पाहन ने किया। इस अवसर पर 50 ग्रामीणों के बीच करंज पौधा, 10 किसानों के बीच जामुन पौधा व 60 किसानों के बीच आम पौधा का वितरण किया गया। मौके पर कामेश्वर महतो,बाबुलाल महतो,सोनालाल महतो समेत अन्य मौजूद थे।

नगड़ी टोल प्लाजा पर कड़ी सुरक्षा के बीच वाहनों से टैक्स वसूली शुरू

इटकी। नगड़ी के चौली पतरा स्थित टोल प्लाजा पर शुक्रवार को कंपनी ने कड़ी सुरक्षा के बीच वाहनों से टैक्स वसूली शुरू कर दी है। पिछले 23 जून से मुआवजा की मांग को लेकर ग्रामीणों ने टोल प्लाजा को बंद कर रखा था। इन चार दिनों टोल प्लाजा बंद रहने से कंपनी को लगभग 10 लाख रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। ज्ञात हो कि 23 जून को सैकड़ों ग्रामीणों ने टोल प्लाजा के पास प्रदर्शन कर रांची-गुमला मुख्य मार्ग को साढ़े 10 घंटे तक जाम कर रखा था। आंदोलनकारी चार फरवरी को टोल प्लाजा हाई मास्ट लाइट के टावर से दबकर मारे गए तीन मृतकों और चार घायलों को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। कंपनी के अधिकारियों ने बताया कि टोल वसूली एनएचएआई के अधिकारियों के निर्देश पर शुरू किया गया है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से नगड़ी थाना के एसआई, महिला-पुरुष पुलिस बल और इटकी प्रखंड के बीपीआरओ नियुक्त किए गए थे।

मानव जीवन यात्रा को दिखाएगा चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति

रांची। आषाढ़ शुक्ल द्वितीया रथ यात्रा के अवसर पर शुक्रवार को रांची के मेन रोड स्थित चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति ने पंडाल निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के संस्थापक सदस्य अध्यक्ष रमेश सिंह सहित कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार फिर से नयी थीम पर आधारित होगा। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन नवरात्र के दौरान किया जायेगा। साथ ही पूजा के दौरान सुरक्षा के खास इंतजाम किए जाएंगे। थीम आधारित लाइटिंग भी मां भवानी के भक्तों को खास तौर पर आकर्षित करेगी। भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद चंद्रशेखर आजाद दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष ने बताया कि मानव जीवन भ्रूण से लेकर अस्थि विसर्जन तक का प्रारूप चित्रण पूजा पंडाल में प्रदर्शित की जाएगी। समिति की ओर से विगत कई वर्षों से सनातन संस्कृति को वर्तमान

तोरपा के रथ मेला में डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

खूंटी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली झालसा रांची के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रथ यात्रा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान में मेला में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क अधिवक्ता, बच्चों से जुड़े अधिकार, पुलिस से जुड़े महिलाओं के अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई।

रथयात्रा में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग। लोकसभा क्षेत्र के बरही विधानसभा क्षेत्रांतर्गत चौपारण प्रखंड स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर बैजनाथ नगर, सियरकोनी में लगातार तीसरे साल तीसरी पहली बार श्री रथयात्रा महामहोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस श्री रथयात्रा महामहोत्सव के भव्य आगाज़ के अवसर पर हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल बतौर मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधायक मनोज कुमार यादव, बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव, चतरा जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल हुए । रथ की रस्सी खींचते हुए भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा की चौपारण में जीटी रोड़ पर प्रचंड गर्मी में भी आस्था का जो जनसैलाब उमड़ा वह अभूतपूर्व, ऐतिहासिक और अद्भुत है। उन्होंने कहा की भारत के प्राचीन संस्कृति की जीवंत झलक यहां दिखी। उन्होंने यह भी कहा की वाकई हमारा देश और समाज बदल रहा है। इस महामहोत्सव के आगाज़ में धार्मिक आस्था का जनसैलाब ईश्वर भक्ति से सराबोर दिखा। हरे कृष्णा हरे राम, जय श्री राम के साथ जय जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र पूरा क्षेत्र गुंजायमान दिखा ।

हजारीबाग सांसद ने टेका माथा, क्षेत्र की खुशहाली की कामना की

शुक्रवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत सदर प्रखंड के सिलवार पंचायत स्थित सिलवार जगन्नाथ धाम में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रथ द्वितीय के अवसर पर भव्य रथ- यात्रा मेला का आयोजन हुआ। यहाँ वर्ष 1952 में एक खपरैल मंदिर से भगवान जगन्नाथ की पूजा- अर्चना कुछ स्थानीय लोगों ने मिलकर शुरू की थी जो आज वृहत रूप ले चुका है। यहाँ स्थापित भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की प्रतिमा ओडिशा के पुरी से लायी गयी है। हरे- भरे पहाड़ियों की श्रृंखलाओं के बीच अवस्थित इस स्थल में वर्तमान समय में एक भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। मंदिर परिसर की खुबसुरती से आकर्षित होकर और यहाँ आयोजित धार्मिक रथ मेला में सम्मिलित होने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से श्रधालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। धार्मिक मान्यता के अनुरूप विधिवत पूजा- अर्चना के उपरांत सिलवार मंदिर से भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर केशुरा पहाडी स्थित मौसीबाडी पंहुचेंगे। इस दौरान श्रधालुओं के साथ दोपहर में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने भी यहां पंहुचकर ईश्वर की पूजा- अर्चना की और रथ को प्रणाम कर क्षेत्र की सुख, समृद्धि और खुशहाली की मंगलकामना की । मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता, संघ के तारकांत शुक्ल, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष कृष्णा मेहता, आनेश्वर प्रसाद, अभय सिंह, राजेश साव, बीपी प्रसाद, भगीरथ प्रसाद, नुनुलाल भुइयां, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

धार्मिक मान्यता के अनुरूप भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र संग रथ पर सवार होकर **पंहुचेंगे मौसीबाडी**

सांसद- विधायक सहित कई गणमान्य हुए शामिल, रथ खींचकर भगवान से क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की

॥ जय जगन्नाथ ॥

इस्कॉन संस्था एवं ग्रामीणों के सहयोग निकल गई भव्य रथयात्रा

● हजारों की संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गैड़ा में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई। इस्कॉन संस्था एवम ग्रामीणों के सहयोग से रथ यात्रा चुगलामो मिडिल स्कूल से प्रारम्भ हो कर तुर्कबाद चौक, गैड़ा काली मंडा चौक , झारखंडी चौक होते हुए गैड़ा इस्कॉन सेंटर में समाप्त हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव एवम विशिष्ठ अतिथि जिला परिषद सदस्या कुमकुम देवी ने भगवान जगन्नाथ की आरती कर रथ यात्रा का प्रारंभ किया। मौके पर विधायक अमित कुमार यादव ने कहा कि रथ यात्रा इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। कई सालों से गैड़ा के ग्रामीणों द्वारा रथयात्रा निकाली जा रही हैं जो पुरे सनातन धर्म के लिए गर्व का विषय है। आने वाले समय में इस रथयात्रा का और विस्तार होगा। इससे पूरा बरकट्ठा प्रखंड लाभान्वित होगा।रथ यात्रा में बच्चे, बूढ़े, महिला एवं युवाओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। सभी ने जय जगन्नाथ और हरे कृष्णा और हरे रामा का जमकर नारा लगाया।विदित हो कि गैड़ा गांव में प्रत्येक वर्ष भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भैया बलराम की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं आज रात्रि इस्कॉन सेंटर गैड़ा में प्रकाश प्रभु द्वारा भागवत कथा किया जाएगा तत्पश्चात इस्कॉन संस्था की ओर से श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है। इस अवसर पर जिला परिषद प्रतिनिधि यमुना साव, सुरेंद्र मोदी, मुकेश कुमार राय, सहायक प्राध्यापक विवेक कुमार राय, सुमंत पांडेय, गैड़ा मुखिया प्रतिनिधि श्याम साव, चुगलामों मुखिया प्रतिनिधि मनोज यादव, प्रकाश चौधरी, तुलसी चौधरी समेत हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

40 टन अवैध कोयला लदा ट्रक को पुलिस ने किया जब्त

रामगढ़। 26 जून को समय 10:00 बजे पुलिस अधीक्षक अजय कुमार को गुप्त सूचना मिली कि एक अवैध कच्चा कोयला लदा ट्रक एनएच 33 होते हुए हजारीबाग की ओर जा रहा है। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कारवाई के लिए मांडू थाना प्रभारी को चेकिंग का निर्देश दिया गया । मिले निर्देश पर मांडू थाना प्रभारी द्वारा मांडू थाना अंतर्गत एनएच 33 खैरा जारा के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान एक 14 चक्का ट्रक संख्या डब्लूबी37ई 2903 के चालक ने पुलिस को वाहन चेकिंग करता देख अपने ट्रक को सड़क पर खड़ा कर भाग गया। ट्रक की तलाशी लेने पर ट्रक में करीब 40 टन अवैध कोयला लोड मिला । काफी देर इंतजार करने के बाद भी ट्रक में लोड कोयला से संबंधित कोई भी व्यक्ति उपस्थित नहीं हुआ । किसी व्यक्ति द्वारा कोई वैद्य दस्तावेज भी प्रस्तुत नहीं किया गया। जिसके बाद ट्रक एवं ट्रक पर लोड अवैध 40 टन कोयला को विधिवत तरीके से जब्त कर थाना लाया गया। इस संबंध में मांडू थाना कांड संख्या 152/025 दर्ज किया गया है।

बोट से गिरकर युवक की मौत, सेल्फी लेने के दौरान हुआ हादसा

बरही। तिलैया डैम में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय युवक की डूबकर मौत हो गई। मृतक की पहचान सन्नी यादव, पिता केशव यादव, निवासी डोमचांच थाना क्षेत्र के सपही गांव के रूप में की गई है। वह इन दिनों अपनी नानी के घर डुमरडीहा गांव में रहकर पढ़ाई कर रहा था। मिली जानकारी के अनुसार सन्नी अपने दो अन्य दोस्तों के साथ तिलैया डैम की सैर पर गया हुआ था। डैम पर पहुंचने के बाद तीनों ने वहां किनारे खड़ी एक खाली नाव देखी और उसमें सवार होकर करीब 50 फीट अंदर डैम के बीच में चले गए। वहां पहुंचकर तीनों दोस्त सेल्फी लेने लगे। इसी दौरान नाव अनियंत्रित हो गई और संतुलन बिगड़ने के कारण सन्नी बोट से नीचे पानी में जा गिरा। पानी की गहराई अधिक होने के कारण वह डूब गया।

ज्ञान ज्योति कॉलेज ने सिलवार पहाड़ी पर लगाया मेडिकल कैंप

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। ज्ञान ज्योति कॉलेज ऑफ फार्मेसी, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग के विद्यार्थियों ने आज जगन्नाथ मंदिर, सिलवार में एक मेडिकल कैंप का आयोजन किया। यह कैंप रथ द्वितीया के अवसर पर आयोजित मेले में भाग लेने आए श्रद्धालुओं को प्राथमिक चिकित्सा और स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य भीड़-भाड़ वाले माहौल में किसी भी आकस्मिक स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना था। साथ ही, लोगों को संभावित आगामी बीमारियों से जागरूक करना और समय पर स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) के महत्व को समझाना भी इस कार्यक्रम का अहम हिस्सा रहा।

कॉलेज के सचिव बिनय कुमार ने कहा

"हम इस प्रकार के सेवाभावी कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखेंगे। हमारा उद्देश्य केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और लोगों की सेवा करना भी हमारी प्राथमिकता है।"हर वर्ष की तरह इस बार भी कॉलेज के छात्रों ने इस सेवा कार्य में पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। विशेष रूप से पैरामेडिकल विभाग के विद्यार्थियों ने अपने प्रशिक्षण और सेवा भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस कैंप की सफलता में असलम जावेद, अनिता कुमारी, रंजीत कुमार, साहिल कुमार एवं एम.डी. अरसद अंसारी।

किसानों के बीच किया गया बीज का वितरण

बरकट्ठा। प्रखंड मुख्यालय स्थित कृषि तकनीकी सूचना भवन में किसानो के बीच 140 किग्रा मक्का, 270 किग्रा धान और 544 किग्रा मडुवा बीज का वितरण किया गया। उक्त जानकारी बीटीएम चिंताहरण पाठक ने दी। उन्होंने बताया कि आत्मा हजारीबाग द्वारा प्रदत्त बीज वितरण कार्यक्रम बीडीओ रोश्मा डूंगडूँग कि अध्यक्षता में हुई। जिसमें मुख्य रूप से प्रखंड प्रमुख रेणु देवी, उप प्रमुख सुरजी देवी, सहित बीएओ अशोक ठाकुर शामिल हुए. कार्यक्रम का संचालन बीटीएम ने किया। इस कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न पंचायत के दर्जनों किसान मौजूद थे। जिन्हे किसान मित्र उत्तीम महतो, बैजनाथ प्रसाद, बिनोद कुमार, रूबी कुमारी, किशोर कुमार, रिंकू कुमारी के नेतृत्व मे क्लस्टर चयन प्रक्रिया के तहत वरीयता के आधार पर किसानों को बीज उपलब्ध करवाए गए। साथ हीं किसानों को उत्तम पैदावार के लिए श्री विधि से धान, लाइन सौइंग विधि से मक्का और मडुवा लगाने की बात कही गई।

विधिक जागरूकता अभियान के तहत निकाली गई जागरूकता रैली

बरही। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की ओर से प्राथमिक विद्यालय गौ में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सड़क दुर्घटना, मानव तस्करी, बाल संरक्षण अधिनियम व साईबर क्राइम के बारे में जागरूक किया गया। लोगों को इसके बचाव और दुर्घटना के शिकार व्यक्ति को कानूनी सहायता लेने के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के दौरान लोगों को अपनी समस्याओं को पंचायत स्तर पर नियुक्त पारा लीगल वालंटियर को देने की बात कही गई। जो जनता की समस्या को सिविल कोर्ट के न्याय सदन भवन में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय तक पहुंचाने का काम करेगे. जहां छोटे मोटे मुकदमों को आपसी सलाह के बाद पूर्ण रूपेण निपटारा कराया जा सकता है. इसके फैसले को किसी भी अपील नहीं किया जाता हैं। अंत में जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को विधिक जागरूकता संबंधित जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम के संचालन में गौरिया करमा पंचायत के पीएलवी सुनील कुमार वर्मा, राजदेव कुमार यादव आदि ने महती सहित स्कूली बच्चों ने सार्थक भूमिका निभाई। इस जागरूकता शिविर में कई महिलाएं भी शामिल होकर कानूनी जानकारी प्राप्त किया. कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौरव खुराना के निर्देश पर आयोजित की गई थी।

शिशु विद्या मंदिर : बच्चों को पिलाया गया सुवर्ण प्रासन की पहली खुराक

● यह सुवर्ण प्राशन हमारे देश का एक भारतीय टीकाकरण है

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। विद्या भारती के तत्वाधान में रथ यात्रा के पावन अवसर पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, कुम्हारटोली, में आयोजित सुवर्णप्राशन अभियान के तहत 3 वर्ष से लेकर 11 वर्ष के भैया- बहनों को प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष डॉ अमिता कुमारी, सचिव डॉ जयप्रकाश आनंद, विभाग निरीक्षक ओमप्रकाश सिन्हा ,सह विभाग निरीक्षक ब्रजेश कुमार सिंह एवं विद्यालय के प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू के निर्देशन में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच वाटिका खंड के दीदी सुनीता देवी एवं रूबी वाला ने लगभग 100 नन्हें - मुन्ने भैया/ बहनों को विद्यालय के वाटिका खंड में शिविर लगाकर बच्चों के स्मरण शक्ति, पाचन शक्ति, शारीरिक शक्ति, व्याधि क्षमत्व और प्रतिरोधक क्षमता विकास के लिए बच्चों को सुवर्णप्राशन की प्रथम खुराक दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, भारत माता पूजन एवं माता सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्पार्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्राचार्य शर्मेंद्र कुमार साहू ने करवाया । कार्यक्रम में प्रस्तावना रखते हुए विभाग प्रमुख ओमप्रकाश सिन्हा ने कहा कि शिशु के समग्र विकास और स्वस्थ रखने के लिए उसको सुवर्णप्राशन पिलाने की योजना है। आगे उन्होंने कहा कि यह सुवर्ण प्राशन हमारे देश का एक भारतीय टीकाकरण है, आज से हजारों वर्ष पूर्व हमारे पूर्वज इसका सेवन अपने बच्चों के विकास के लिए करते थे इसलिए ये एक कल्याणकारी एवं मंगलमय कार्य है । स्वर्णप्राशन खुराक से बच्चे का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास संभव है मौके पर उपाध्यक्ष डॉ अमिता कुमारी ने कहा इससे शिशु का समग्र विकास होता है। सचिव ने कहा स्वर्णप्राशन खुराक के प्रयोग से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास संभव है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के वाटिका खंड के आचार्य बंधु - भगिनी अंजली मेहता, राहुल पासवान, रवि रंजन, नरेंद्र कुमार सिन्हा आदि ने अपनी सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।

भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र का 11वां स्थापना दिवस आज

बरही। भारतीय कृषि अनुसंधान केंद्र का 11वां स्थापना दिवस आज गौरिया करमा स्थित संस्थान परिसर में मनाया जाएगा. कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों द्वारा पूर्वाह्न 11:00 बजे दीप प्रज्वलित कर किया जाएगा. जो अपराह्न 1 बजे तक चलेगा. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि आईएआरआई के पूर्व डीएआरई एंड डीजी डॉ राजेंद्र सिंह परोड़ा व विशिष्ट अतिथि झारखंड के कृषि, पशुपालन व सहकारिता विभाग के सचिव अबूबकर सिद्दीकी पी., स्थानीय सांसद मनीष जायसवाल और संस्थान के उपकुलपति व निदेशक डॉ श्रीनिवास रॉय शिरकत करेंगे. स्वागत भाषण संस्थान के ओएसडी डॉ विशाल नाथ पांडेय और 10 वर्षो की यात्रा का विवरण वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दीपक कुमार गुप्ता के द्वारा किया जायेगा।

उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

● अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पादन से ली गई

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की गुरुवार को उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज ने अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा की।

इस दौरान सर्वप्रथम सहायक आयुक्त उत्पाद विमला लकड़ा के द्वारा उपायुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य को उत्पाद कार्यालय रामगढ़ में कार्यरत बल आदि की जानकारी दी गई जिसके उपरांत उपायुक्त ने उत्पाद विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सहायक आयुक्त उत्पाद को रामगढ़ जिला अंतर्गत किसी भी शराब दुकान में एमआरपी से अधिक शराब पर बिक्री न होने देने का निर्देश दिया। इसके लिए उन्होंने नियमित रूप से जांच अभियान चलाने एवं आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा अवैध शराब के विरुद्ध चलाए गए जांच अभियान आदि की जानकारी सहायक आयुक्त उत्पादन से ली गई एवं नियमित रूप से अवैध शराब के विरुद्ध जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त के द्वारा नई उत्पाद नीति के तहत किए जा रहे कार्यों एवं आगे किए जाने वाले कार्यों की जानकारी लेते हुए इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल, पुलिस उपाध्यक्ष मुख्यालय चंदन कुमार, अवर निरीक्षक उत्पाद अमित मड़की सहित अन्य उपस्थित थे।

डॉ अग्रवाल गली की नाली व बदबू से राहगीर सहित विद्यार्थी परेशान

नवीन मेल संवाददाता

बरही। ओल्ड जीटी रोड बाजार स्थित मस्जित से एनएच 33 तक जाने वाला बरही का व्यस्ततम डॉ अग्रवाल गली पूरी तरह बीमार है. गली से गुजरने वाला हर एक राहगीर जनप्रतिनिधि और प्रशासन को कोसता नजर आता है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस मार्ग में लगभग 12 महीने नाली का पानी बहता है। नाली पूरी तरह से भरे हुए है. बरसात के दिनों में तो इस मार्ग से गुजरना दुर्लभ हो जाता है. सबसे बदतर स्थिति प्रखंड परिसर स्थित प्राथमिक विद्यालय के समीप की है. जहां बाजार की ओर से आने वाली गली की नाली पूरी तरह जाम है. नाली का पानी गली मार्ग से होते हुए मैदान परिसर स्थित स्कूल के समीप तक आ जाता है।

मुखिया प्रतिनिधि ने कहा : इस संबंध में पंचायत के पूर्व मुखिया और वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि छोटन ठाकुर ने बताया कि गली का शीघ्र ही आरईओ द्वारा जीर्णोद्धार किया जाएगा।

पुलिस की मिलीभगत से धड़ल्ले से गुजर रही मछली लदी गाड़ियां

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। कोलकाता से बिहार की ओर जाने वाली मछली लदी गाड़ियां इन दिनों जीटी रोड पर बेधड़क चल रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन वाहनों को पुलिस की मिलीभगत से बेरोक-टोक पास कराया जा रहा है।लोगों के अनुसार जीटी रोड पर नियमित रूप से पुलिस की गश्ती टीम तैनात रहती है, लेकिन इनका मकसद सुरक्षा नहीं, बल्कि अवैध वसूली है। एक सप्ताह पूर्व एक बस पलट गई थी, जिसमें यात्रियों से अधिक मछली लदी थी। इस दुर्घटना की प्राथमिकी तो दर्ज की गई, लेकिन उसमें मछली की कोई चर्चा तक नहीं की गई। लोगों के अनुसार इससे यह साफ झलकता है कि पुलिस और मछली व्यापारियों के बीच गहरी सेटिंग है। इतना ही नहीं, पुलिस की पीसीआर वैन और संदिग्ध मछली वाहन एक साथ देखा जाना, यह वीडियो अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस संबंध में थाना प्रभारी सोनू कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह आरोप बेबुनियाद है ।इस प्रकार की कोई भी बात नहीं हुई है। इस तस्वीर की पुष्टि राष्ट्रीय नवीन मेल दैनिक अखबार नहीं करता है।

थाना प्रभारी ने कहा:- आरोप बेबुनियाद

सिमडेगा के तामड़ा गांव में धूमधाम से निकाली गई भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा

भगवान का रथ खींचने उमड़े श्रद्धालु मेला बना आकर्षण

- 1835 से चली आ रही यह परंपरा आज भी गांव की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक बनी हुई है

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सदर प्रखंड अंतर्गत तामड़ा गांव में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा पूरे धूमधाम और श्रद्धा के साथ निकाली गई। गांव में "हरि बोल" और "जय जगन्नाथ" के जय घोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जहां पर पुजारी जितेंद्र पुरी उनके पुत्र निरंजन पूरी एवं नीतीश पुरी उपस्थित रहे ।वही शंखनाद के साथ पूरे क्षेत्र का माहौल भक्ति में बना दिया ।इस अवसर पर पारंपरिक तरीके से रथ को सजाया गया था और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रथ को खींचा। बताया गया कि तामड़ा गांव में यह रथ यात्रा वर्ष 1835 से लगातार आयोजित होती आ रही है।रथ यात्रा के साथ-साथ गांव में एक भव्य मेले का आयोजन भी किया गया, जिसमें दूर-दराज से दुकानदार पहुंचे थे। मेले में मिठाई, खिलौने और मनोरंजन के कई साधनों ने बच्चों और युवाओं को आकर्षित किया।व्यवस्था को लेकर प्रशासन सतर्क दिखा। पुलिस बल मौके पर तैनात रही और विधि व्यवस्था को सफलतापूर्वक संभाला गया। आसपास के कई गांवों से श्रद्धालु और ग्रामीण इस धार्मिक उत्सव में शामिल हुए। पूरे आयोजन में श्रद्धा, उत्साह और परंपरा की अनूठी झलक देखने को मिली। मौके पर अशोक गुप्ता ,विजय केसरी ,संजय केसरी,कृष्णा केशरी, मनोज केसरी ,रघुवंश केसरी ,राहुल मिश्रा ,विकास साहू ,अमन मिश्रा ,मनीष ठाकुर ,नीतीश केसरी ,कन्हैया केसरी ,बिहार केसरी ,सहित गांव के सैकड़ो लोगों के महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में दिखी छत्तीसगढ़-झारखंड की एकता

नवीन मेल संवाददाता

कुरडेग। प्रखंड अंतर्गत कुटमाकच्छार ग्राम में शुक्रवार को श्री जगन्नाथ महाप्रभु की ऐतिहासिक गुंडीचा रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और परंपरा के साथ सम्पन्न हुई। नेत्रोत्सव के अगले दिन निकाली गई इस रथ यात्रा में भगवान श्री जगन्नाथ अपने भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर मंदिर से मौसीबाड़ी तक गए।भक्तों ने पारंपरिक गाजे-बाजे और जय जगन्नाथ के गगनभेदी नारों के बीच भगवान के रथ को खींचा। अगले नौ दिनों तक भगवान मौसीबाड़ी में भक्तों को दर्शन देंगे, इस दौरान मुख्य मंदिर का कपाट बंद रहेगा।कुटमाकच्छार का यह मंदिर बिरुगढ़ राजाओं के शौर्य और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। झारखंड और छत्तीसगढ़ की सीमा पर बसे इस गांव में केवल कुरडेग ही नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथ यात्रा में शामिल हुए।प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बिरुगढ़ के युवराज कौशलराज सिंहदेव यजमान के रूप में उपस्थित रहे। उनकी देखरेख में और समस्त ग्रामीणों के सहयोग से रथ यात्रा उत्साहपूर्वक और भव्यता के साथ सम्पन्न हुई।पुरोहित दिनेश तिवारी द्वारा पूरे विधि-विधान से पूजा-अनुष्ठान संपन्न कराया गया। मौसीबाड़ी में मेले का आयोजन भी किया गया, जहां श्रद्धालुओं ने पूजन, आरती और दर्शन के साथ मेले का आनंद लिया।रथ यात्रा की सफलता में प्रशासन की भूमिका सराहनीय रही। युवराज कौशलराज सिंहदेव ने प्रशासन और सभी ग्रामीणों को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए भगवान से सभी के सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

भगवान जगन्नाथ की ऐतिहासिक रथ यात्रा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड की भंवर पहाड़गढ़ स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर परिसर से भव्य आषाढ़ रथ यात्रा निकाली गई। रथ यात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया रथ यात्रा की अगुवाई ओहदार रण बहादुर सिंह के वंशजों के द्वारा किया गया विदित हो कि कोलेबिरा प्रखंड के भंवर पहाड़गढ़ में आज से सैकड़ों वर्ष पूर्व से भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा निकाली जा रही है रथयात्रा का शुभारंभ ओहदार रण बहादुर सिंह के वंशजों के द्वारा किया गया था जिसको आज भी उनके वंशजों एवं स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा निभाई जा रही है।रथयात्रा का शुभारंभ भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर भंवर पहाड़गढ़ से प्रारंभ होकर थाना मोड़, कोलेबिरा मुख्य पथ, मार्केट कंपलेक्स होते हुए कोलेबिरा पुराना बाजार स्थित मौसी बारी परिसर पर आकर संपन्न हुई. श्रद्धालुओं के द्वारा हरि बोल जय जगन्नाथ स्वामी आदि नारे लगा कर रात खींचा जा रहा था हजारों की संख्या में लोगों ने खींचकर मौसी बारी परिसर पर लाया. मौसी बारी में भगवान जगन्नाथ स्वामी, भगवान बलभद्र एवं माता सुभद्रा के व विग्रह को पुरोहित पुरोहित चिंतामणि पत्ती पुरोहित मनोज पति के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ 9 दिनों तक के लिए स्थापित किया गया. 9 दिनों तक मौसी भारी परिसर में प्रतिदिन संध्या को भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा।रथ यात्रा को लेकर कोलेबिरा में 9 दिनों तक मेला का आयोजन किया जाता है. मेला में तरह-तरह की मिठाइयां खिलौने के साथ-साथ खेल तमाशा आए हुए हैं. रथ यात्रा के सफल संचालन करने में अमरनाथ सिंह तपेश्वर सिंह, दिलेश्वर सिंह, सुरेश सिंह, गौरी प्रसाद सिंह, अभिमन्यु सिंह, गोपाल सिंह, वंशीधर सिंह, जनेश्वर बिल्हौर आदि लोगों के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई।वही रथ यात्रा के दौरान किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना ना घटे लोगों के बीच शांति बहाल बनी रहे इसे देखते हुए कोलेबिरा थाना प्रभारी शशि शंकर सिंह, अंचला अधिकारी अनूप कछप एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो के अलावे पुलिस बल के जवान पूरी तरह मुस्ताते देखे गए. कोलेबिरा पुलिस के द्वारा रथ यात्रा एवं मेला स्थल में सुरक्षा के चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी।

बरसलोया गांव में धूमधाम के साथ निकाली गई भगवान जग्गनाथ रथयात्रा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रखण्ड क्षेत्र के बरसलोया में शुक्रवार को रथयात्रा श्रद्धापूर्वक धूमधाम से निकली गई।रथयात्रा को लेकर बरसलोया स्थित जगन्नाथ मंदिर में शुक्रवार को विधिवत पूजा अर्चना के साथ भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र व बहन सुभद्रा की पुरोहित व यजमान के द्वारा भगवान जगन्नाथ का जयकारा लगाते हुए रथ का परिक्रमा कराने के बाद रथ पर तीनों विग्रहों को स्थापित कर रथयात्रा 3-30, बजे मंदिर परिसर से निकाली गई। इस मौके पर मंदिर परिसर में भण्डारा का आयोजन कर महाप्रसाद वितरण किया गया जिसमें सैकड़ों की संख्या में उपस्थित होकर श्रधालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया. रथयात्रा को लेकर पुलिस प्रशासन पुरी तरह से मुस्तैद थे. रथयात्रा को सफल बनाने में बरसलोया रथयात्रा समिति के सभी सदस्य उपस्थित होकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

जोकबहार पंचायत में मनरेगा के योजनाओं का डीसी ने किया निरीक्षण

- मनरेगा योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया गया, क्रियान्वयन की प्रगति की ली जानकारी।
- समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के दिए निर्देश।
- बिरसा हरित ग्राम योजना की गतिविधियों (गड्ढा खुदाई, पौधारोपण, जलकुंड, इंटरक्रॉपिंग आदि) की विशेष समीक्षा।
- ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को कार्यों में तेजी लाने और पारदर्शिता बरतने के निर्देश।
- अबुआ आवास योजना के निर्माणाधीन आवासों की गुणवत्ता की जांच की गई।

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा कंचन सिंह ने शुक्रवार को सिमडेगा प्रखंड अंतर्गत जोकबहार पंचायत में मनरेगा के तहत संचालित योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित पदाधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत चल रही गतिविधियों की विशेष समीक्षा की। उन्होंने ग्राम रोजगार सेवक एवं पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि गड्ढा खुदाई, पौधारोपण, इंटरक्रॉपिंग, जलकुंड निर्माण, मानक अनुरूप योजना बोर्ड एवं H-टेका से संबंधित सभी कार्यों में तीव्र गति लाएं ताकि योजना का लाभ समय पर ग्रामीणों को मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप एवं पारदर्शी ढंग से हों। उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि कोई भी व्यक्ति बेघर न रहे और सभी को उनका पक्का मकान मिले। इसलिए इस योजना का सतत मॉनिटरिंग कर समय पर निर्माण कार्य पूर्ण करायें। उपायुक्त ने कहा कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित योजनाएं मुख्यमंत्री की बहुत ही महात्वाकांक्षी योजना है जो ग्रामीणों के लिए रोजगार का प्रमुख साधन हैं, अतः इनके प्रभावी क्रियान्वयन से गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर रेनियर खलखो, पंचायत मुखिया, पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक समेत अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने किया मनरेगा योजनाओं का निरीक्षण

पाकरटांड़। उप विकास आयुक्त दीपांकर चौधरी के द्वारा प्रखंड पाकरटाड़ के सुदूरवर्ती गांव केशलपुर और पाकरटाड़ पंचायत में मनरेगा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं बिरसा हरित ग्राम योजना एवं बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना) का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में बिरसा हरित ग्राम योजना में सभी क्रियाकलाप यथा पौधों में समयानुसार खाद, पौधों के चारों ओर साफ- सफाई, इंटरक्रोपिंग आदि करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उप विकास आयुक्त द्वारा ग्रामीणों के साथ योजना से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी ली गई। उक्त भ्रमण कार्यक्रम में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, परियोजना पदाधिकारी, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियन्ता, कनोय अभियंता, पंचायत सचिव, मुखिया एवं रोजगार सेवक उपस्थित थे।

सिमडेगा में अलग-अलग घटनाओं में डूबने से चार लोगों की मौत

सिमडेगा। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में अलग-अलग डूबने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई है, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। ये घटनाएं रेंगारिह, ठेठईटांगर, सदर थाना और चारमुंडा गांव में घटित हुई हैं।पहली घटना रेंगारिह थाना क्षेत्र के बुदाधार नदी में सामने आई, जहां से एक युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान ठेठईटांगर के आसनबेड़ा गांव निवासी सुजीत कुल्लू के रूप में की गई है। बताया गया कि सुजीत एक सप्ताह पूर्व मेहमान के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन वह वापस नहीं लौटा। रविवार को नदी में शव दिखने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।दूसरी घटना सदर थाना क्षेत्र के गरजा जट्टाटोली गांव की है। यहां के निवासी राम प्रधान तालाब में नहाने गए थे, जहां नहाते समय उन्हें अचानक दिल का दौरा पड़ा। गहरे पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा सदर अस्पताल भेज दिया।तीसरी घटना चारमुंडा गांव में घटित हुई, जहां नौशाद अंसारी नामक व्यक्ति की मौत पुलिया के नीचे गिरने से हो गई। जानकारी के अनुसार, नौशाद रात के समय टहलने निकले थे, इसी दौरान वे फिसलकर पुलिया से नीचे गिर गए और पानी में डूबने से उनकी मौत हो गई।

चैंबर ऑफ कॉमर्स चुनाव को लेकर सिमडेगा में सरगर्मी तेज, 29 जून को होगा मतदान

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। जिले में पहली बार चैंबर ऑफ कॉमर्स का चुनाव बेहद हाईप्रोफाइल तरीके से संपन्न होने जा रहा है। 29 जून को होने वाले इस चुनाव को लेकर व्यापारिक जगत में उत्साह और सरगर्मी चरम पर है।इस बार कुल 21 पदों के लिए 43 उम्मीदवार मैदान में हैं। सभी प्रत्याशी चुनाव जीतने के लिए दिन-रात प्रचार में जुटे हुए हैं। बाजार से लेकर गलियों तक व्यापारिक चर्चा का केंद्र इस बार चैंबर चुनाव बन गया है। प्रत्याशी व्यापारियों से संपर्क कर समर्थन मांग रहे हैं। वहीं चुनाव प्रचार के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी तेज हो गया है।इसी क्रम में उम्मीदवार राजेश कुमार शर्मा ने प्रेस वार्ता कर वर्तमान चैंबर की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में चैंबर पूरी तरह निष्क्रिय रहा। व्यापारी वर्ग अतिक्रमण, सड़क, कर आदि कई समस्याओं से जूझते रहा, लेकिन चैंबर की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नौ वर्षों में चैंबर में कोई नया सदस्य नहीं जोड़ा गया, जिससे संगठन में नई ऊर्जा का संचार नहीं हो सका।शर्मा ने कहा कि अब समय आ गया है कि चैंबर में बदलाव हो। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वे इस चुनाव में जागरूक होकर भाग लें और बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाएं। उन्होंने यह भी वादा किया कि अगर वे विजयी होते हैं तो सिमडेगा में व्यापारियों के हित में सक्रिय रूप से कार्य करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर करेंगे।अब देखना है कि सिमडेगा में व्यापारी वर्ग इस चुनाव में किसे अपना प्रतिनिधि चुनता है।

बींजामर्चाजरा टोली में हाथियों ने महिला का घर किया तहस-नहस, अनाज और सामान बर्बाद

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के महाबुआंग थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिंजामार्चा जरा टोली में गुरुवार रात्रि जंगली हाथियों ने तांडव मचाया। घटना में लिली कोंगाड़ी नामक महिला का घर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हाथियों ने घर में रखे अनाज को खा लिया और बर्तन, कपड़ा समेत अन्य घरेलू सामानों को भी नुकसान पहुंचाया। बरसात के मौसम में घर उजड़ने से महिला खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर है।स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार रात लगभग 2:00 बजे तीन हाथियों का झुंड गांव में पहुंचा और लिली कोंगाड़ी के घर को चारों ओर से घेरकर तोड़फोड़ शुरू कर दी। घटना की सूचना झामुमो सोय पंचायत अध्यक्ष संदीप समद को मिली, जिन्होंने तत्परता दिखाते हुए प्रखंड उपाध्यक्ष तनवीर हुसैन, सचिव अमित बडिंग तथा विधायक सुदीप गुड़िया को सूचित किया।विधायक के निर्देश पर वन विभाग से तत्काल संपर्क कर पीड़िता को 5,000 की सहायता राशि प्रदान की गई। वन क्षेत्र पदाधिकारी ने आगे की मुआवजा प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने का आश्वासन दिया।इधर, घटना की जानकारी मिलते ही प्रमुख सुधीर डांग, बेड़ाइरगी मुखिया हेलेना कड़ुंलना, वार्ड सदस्य संदीप समद, ग्राम प्रधान, झामुमो के पदाधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़िता को राशन सामग्री उपलब्ध कराई।ग्रामीणों ने वन विभाग की निष्क्रियता पर नाराजगी जताई और हाथियों के बढ़ते आतंक से सुरक्षा की मांग की है।

न्यूज बॉक्स

जुबली वर्ष के उपलक्ष्य में महिला संघ का फरसबेरा तीर्थ स्थल भ्रमण

सिमडेगा। जुबली वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में कलीसिया द्वारा आयोजित आशा के तीर्थयात्री कार्यक्रम के तहत आज तुमड़ेगी पल्ली अंतर्गत महिला संघ की माताओं ने फरसबेरा तीर्थ स्थल का आध्यात्मिक भ्रमण किया। इस धार्मिक यात्रा का नेतृत्व पल्ली पुरोहित सह डीन फा. थोमस सोरेंग कर रहे थे।तीर्थ स्थल पहुंचने के बाद बिनती और प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके पश्चात फा. थोमस सोरेंग की अगुवाई में मिस्सा बलिदान अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर फा. ईमानुल, फा. निकोदिम, फा. मार्क्स सिंदुरिया, फा. सुमन, अनीना केरकेट्टा, निरु कांति बड़ा, ऑडील कुजूर, जोशीमा कुलु, सरिता कुल्लू तथा महिला संघ की सभानेत्री और पदाधिकारीगण उपस्थित थे।इस अवसर पर फा. थोमस सोरेंग ने कहा कि "यह जुबली वर्ष कलीसिया के लिए ऐतिहासिक अवसर है, जो आत्मिक नवीनीकरण और एकता का संदेश देता है। यह समय है जब हम सभी को आशा, विश्वास और सेवा के भाव से आगे बढ़ना है।लगभग 500 की संख्या में माताएं और बहनें इस कार्यक्रम में भाग लेने हेतु पल्ली स्तर से एकत्रित हुईं। पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ, जिसमें सहभागियों ने आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

झिरकामुंडा हाट में चला नशा मुक्ति व जनजागरूकता अभियान

कुरडेग। प्रखंड के झिरकामुंडा साप्ताहिक हाट में शुक्रवार को सूचना एवं जन संपर्क विभाग, सिमडेगा के सौजन्य से नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में आदिकला मंच कोलेबिरा के कलाकारों ने गीत-संगीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव, बज्रपात व सर्पदंश से बचाव तथा मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की जानकारी दी।नुक्कड़ नाटक में बनफूल नायक, परमानंद दास, रतनू नायक, अनूपमा विलूंग और सोनामणी केरकेट्टा समेत अन्य कलाकारों ने सराहनीय भूमिका निभाई।इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीणों की अच्छी भागीदारी रही। जन-जागरूकता सह प्रचार-प्रसार कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सामाजिक कुरीतियों से संबंधित जानकारी देना था।

झारखंड में युवा कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव की घोषणा

सिमडेगा। भारतीय युवा कांग्रेस द्वारा झारखंड प्रदेश में ब्लॉक, विधानसभा, जिला एवं राज्य स्तर पर संगठनात्मक चुनाव की घोषणा की गई है। इस मौके पर जिला कोऑर्डिनेटर सीमांचल कुमार द्वारा प्रेस वार्ता की उन्होंने बताया यह चुनाव 28 जून से 04 जुलाई 2025 तक नामांकन अभियान के साथ प्रारंभ होंगे। इस ऐतिहासिक प्रक्रिया का उद्देश्य युवाओं को लोकतांत्रिक माध्यम से नेतृत्व के अवसर देना है। उन्होंने बताया यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने इसे राजनीति में पारदर्शिता और लोकतंत्र की दिशा में क्रांतिकारी कदम बताया। वहीं, जोनल प्रभारी सिमांचल कोंडाई ने कहा कि राहुल गांधी की सोच से प्रेरित यह प्रक्रिया मध्यम वर्गीय युवाओं को नेतृत्व का अवसर देगी।उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण और ओरिएंटेशन सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए वेबसाइट www.ycea.in पर जाएं।भारतीय युवा कांग्रेस सभी जागरूक युवाओं से अपील करती है कि वे इस ऐतिहासिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा बनें और देश निर्माण में भागीदारी निभाएं।

तिलाईजारा में ग्राम सभा का विरोध, रियल एस्टेट कंपनी को जमीन देने से इंकार

जलडेगा। प्रखंड जलडेगा अंतर्गत लोम्बाई पंचायत के तिलाईजारा गंझू टोली में ग्राम प्रधान जुनास टोपनो की अध्यक्षता में ग्राम सभा आयोजित की गई। बैठक में ग्रामवासियों ने एक स्वर में अंसराज कृषु रियल्टर्स प्राइवेट लिमिटेड"कंपनी को जमीन देने का विरोध किया।ग्राम सभा ने निर्णय लिया कि किसी भी बाहरी व्यक्ति या कंपनी को गांव की जमीन नहीं दी जाएगी। यह भी आरोप लगाया गया कि ओडिशा निवासी कुछ रैयत और भू-माफिया फर्जी ग्राम सभा के माध्यम से कंपनी को जमीन बेचने की कोशिश कर रहे थे, जिसमें आदिवासी जमीनें भी चिन्हित थीं।ग्राम सभा ने सभी दस्तावेजों की गहन जांच के बाद आपत्ति जताई और चेतावनी दी कि यदि इस प्रयास को नहीं रोका गया, तो कंपनी, दलालों और संबंधित थानों के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ा जाएगा।बैठक में ग्राम सचिव मुकुट बागे, मुखिया शिशिर डांग, प्रदीप कंडुलना समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और एकजुटता के साथ भूमि सुरक्षा का संकल्प लिया।

जर्जर अस्पताल पर अजीत कंडुलना ने जताई चिंता, सुधार की मांग

बानो। प्रखंड अंतर्गत ग्राम सोय स्थित जनजातीय कल्याण ग्रामीण अस्पताल की जर्जर हालत पर कांग्रेस बानो प्रखंड अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि अजीत कंडुलना ने गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मंगलवार को अस्पताल का निरीक्षण किया और वहां व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग पर सवाल खड़े किए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पाया कि अस्पताल भवन की छत व दीवारों से पानी का रिसाव हो रहा है, शौचालय अत्यंत गंदे और अनुपयोगी हैं। अस्पताल में डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। वहीं जीवन रक्षक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, बिजली और पेयजल की नियमित आपूर्ति भी बाधित है।अजीत कंडुलना ने कहा कि यह अस्पताल बानो और आसपास के आदिवासी गांवों की एकमात्र स्वास्थ्य सुविधा है, जिसकी ऐसी दुर्दशा बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इसे आदिवासी समुदाय के साथ अन्याय करार देते हुए तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की मांग की।उन्होंने जिला प्रशासन से जल्द से जल्द अस्पताल भवन की मरम्मत, स्वास्थ्यकर्मियों की नियुक्ति, दवाओं की नियमित आपूर्ति एवं मूलभूत सुविधाओं की बहाली सुनिश्चित करने की मांग की।निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और अस्पताल कर्मियों की उपस्थिति में एक मांग पत्र भी तैयार किया गया, जिसे शीघ्र ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

सड़क हादसों में घायल हुए लोग, प्रशासन और जनप्रतिनिधि पहुंचे अस्पताल

बानो। प्रखंड क्षेत्र में शुक्रवार को दो अलग-अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में कुल आठ लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया।बानो थाना प्रभारी सोनू कुमार एवं स्वास्थ्य चिकित्सा प्रभारी डॉ. मनोरंजन कुमार के निर्देश पर तत्काल एंबुलेंस और वाहन मौके पर भेजे गए। सभी घायलों को बानो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. शाहबाज अली द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है।घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य एवं झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य बिरजो कंडुलना, प्रखंड सांसद प्रतिनिधि अजित कंडुलना, कांग्रेस नेता अभिषेक बागे, हर्षित सांगा और समाजसेवी विकास मघैया अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना।प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने डॉक्टरों से घायलों का समुचित इलाज सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। फिलहाल सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बानो में चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

स्वच्छता पखवाड़ा में सरस्वती विद्या मंदिर में निबंध व चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

● **स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि यह एक संस्कार है: आशीष झा**

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा प्रोजेक्ट में गुरुवार को निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन तक पहुँचाना था। प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न वर्गों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में बच्चों ने "स्वच्छता सबकी जिम्मेदारी" विषय पर अपनी सशक्त अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। वहीं, चित्रकला प्रतियोगिता में 'माइन्स सेफ्टी' विषय पर बच्चों ने रंगों के माध्यम से सुरक्षा के महत्व को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। इस अवसर पर सीएसआर नोडल अधिकारी आशिष झा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि यह एक संस्कार है जिसे हमें अपने जीवन में आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम आराध्या सेंगर,द्वितीय आयुष कुमार एवं तृतीय साधना कुमारी तथा चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम रागिनी कुमारी,द्वितीय अन्नपूर्णा कश्यप एवं तृतीय राज आर्यन रहे। इस प्रतियोगिता में मुख्य रूप से विद्यालय के प्राचार्य उमेश प्रसाद सुबोध कुमार चौधरी, क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी, चंद्रशेखर आजाद,सुरक्षा अधिकारी,सुमन कुमार महतो, माइनिंग सरदार, एवं विद्यालय आचार्या डॉ गायत्री पाठक, शम्मी राज,दिलीप सिंह,शशिकान्त आदि उपस्थित रहे ।

शिक्षा मंत्री ने 10वीं बोर्ड की टॉपर शांभवी को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने शुक्रवार को जमशेदपुर की होनहार छात्रा शांभवी जायसवाल को सम्मानित किया। लोयोला स्कूल की इस प्रतिभावान छात्रा ने आईसीएसई-2025 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में सभी विषयों में 100 में से 100 अंक प्राप्त कर पूरे देश में टॉप किया है। इस उपलब्धि पर मंत्री ने उसे एक लाख रुपये की प्रतिभा प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया।

समारोह में मंत्री रामदास सोरेन ने कहा कि शांभवी की सफलता पूरे झारखंड के लिए गर्व की बात है। ऐसी प्रतिभाएं राज्य की असली पहचान होती हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार होनहार विद्यार्थियों को हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन देती रही है और आगे भी देती रहेगी। शांभवी की मेहनत, लगन और अनुशासन हर छात्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

सम्मान मिलने के बाद शांभवी जायसवाल ने अपने माता-पिता, शिक्षकों और स्कूल प्रशासन का आभार व्यक्त किया। उसने कहा कि उसकी सफलता का राज नियमित अध्ययन, आत्मविश्वास और लक्ष्य के प्रति समर्पण है। शांभवी ने कहा कि वह भविष्य में भी अपने राज्य और देश का नाम रोशन करना चाहती है। इस अवसर पर पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, झामुमो के वरिष्ठ नेता मोहन कार्माकर, शिक्षा विभाग के अधिकारी और शांभवी के परिजन उपस्थित थे। मंत्री रामदास सोरेन ने समाज के सभी लोगों से अपील की कि वे शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करें।

मानव तस्करी से बची नाबालिग किया गया रेस्क्यू

पश्चिम सिंहभूम। पश्चिम सिंहभूम जिला में 24 घंटे की बेचैनी के बाद नुईया गांव की एक मां ने जब गुवा थाना परिसर में अपनी 16 वर्षीय बेटी को सकुशल देखा तो उसकी आंखों से आंसू रुकने का नाम नहीं ले रहे थे। नोवामुंडी की एक महिला उसे नौकरी का झांसा देकर चेन्नई ले जा रही थी। गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, डालसा पीएलवी दिल बहादुर, जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी गीता देवी, बाल अधिकार मंच की पदमा केसरी, टाटानगर रेल पुलिस और नोवामुंडी पुलिस की तत्परता से लड़की को टाटानगर स्टेशन से रेस्क्यू कर शुक्रवार को परिजनों को सौंपा गया। गांव की दो सहेलियों ने महिला पर शक कर समय रहते सतर्कता दिखाई और परिजनों को सूचना दी, जिससे पुलिस को कार्रवाई का मौका मिला। पूछताछ में सामने आया कि लड़की को चेन्नई ले जाकर घरेलू नौकरानी या होटल में काम दिलाने का झांसा दिया गया था। सूत्रों के अनुसार, 26 जून को टाटानगर स्टेशन से 16 अन्य युवतियों को भी रेस्क्यू किया गया। घटना के बाद नुईया, नोवामुंडी और आसपास के गांवों में आक्रोश है। थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी बाहरी व्यक्ति पर आंख मूंदकर विश्वास न करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

तोरपा के रथ मेला में डालसा ने लगाया जागरूकता शिविर

खूंटी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली झालसा रांची के निर्देश पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डीएलएसए अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में रथ यात्रा के उपलक्ष्य में शुक्रवार को तोरपा प्रखंड के जगन्नाथपुर मंदिर प्रांगण में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता अभियान में मेला में उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, वरिष्ठ नागरिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं, निःशुल्क अधिवक्ता, प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, लेबर कार्ड, जॉब कार्ड, बच्चों से जुड़े अधिकार, महिलाओं से जुड़े अधिकार, वृद्धा पेंशन योजना, प्रोजेक्ट शिशु योजना, पुलिस से जुड़े महिलाओं के अधिकार और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित लोगों को कानूनी अधिकार से जुड़े पर्चे भी बांटे गए। कार्यक्रम में डालसा के पीएलवी, अंजू कच्छप,, नरेश कुमार महतो के अलावा काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। यह जानकारी डालसा सचिव राजश्री अपर्णा कुजूर ने दी।

गिनीज बुक में नाम दर्ज कर चुके पेंटर वैभव लोगों को सिखाएंगे चित्रकारी

रामगढ़। पेंटिंग के क्षेत्र में अपना लोहा मनवा चुके वैभव शर्मा अब इस कलाकारी को आगे बढ़ना चाहते हैं। गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज करने के बाद वे चाहते हैं कि रामगढ़ जिले से और भी पेंटर इस क्षेत्र में अपनी किस्मत आजमाएं। इसी उद्देश्य से उन्होंने रामगढ़ शहर में पेंटिंग केंद्र खोला है। शुक्रवार को सांसद प्रतिनिधि सह छावनी परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सरदार अनमोल सिंह ने इस पेंटिंग सेंटर का उद्घाटन किया। सरदार अनमोल सिंह ने कहा कि गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज कर वैभव ने इस जिले का ही नहीं, बल्कि झारखंड का भी नाम रोशन किया है। उनके अनुभवों का लाभ नए कलाकारों को मिलेगा तो वे और भी आगे बढ़कर कलाकारी दिखा पाएंगे। कलाकारी का क्षेत्र ऐसा है कि इंसान पूरी जिंदगी सीखाता रहता है। नई पीढ़ी को एक सफल व्यक्ति के अनुभव से सीखना भी चाहिए। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के जिला अध्यक्ष मनमोहन सिंह लांबा, संतोष कुमार, मो रियाज, अरुण शर्मा, मो कलाम सहित काफी लोग उपस्थित थे।

बर्तन लेकर नगर निगम के खिलाफ उतरे लोग

पूर्वी सिंहभूम। हांडी, तशला और बर्तन लेकर शुक्रवार को मानगो डिमना बस्ती के सैकड़ों लोग नगर निगम कार्यालय के सामने पहुंच गए। 100 से अधिक परिवार पिछले छह महीने से कचरा नहीं उठने और पानी की किल्लत से त्रस्त हैं। कचरे का पहाड़ खड़ा हो चुका है, जिससे पूरे इलाके में बदबू और बीमारी फैल रही है। बस्तीवासियों ने नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और साफ-सफाई तथा नियमित पानी की आपूर्ति की मांग की। स्थानीय लोगों ने बताया कि दिन में कुछ मिनट ही पानी आता है, जिसके कारण उन्हें दो किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि इलाके में लगातार मकान और बिल्डिंग बन रहे हैं, लेकिन सुविधा के नाम पर नगर निगम कुछ नहीं कर रही। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। इलोगों ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर कचरे का उठाव नहीं हुआ तो वे नगर निगम के अन्य प्रोजेक्ट को बंद कराकर कर्मचारियों को खदेड़ देंगे।

बीमारी से परेशान युवक ने की खुदकुशी

पूर्वी सिंहभूम। बीमारी से परेशान होकर एक युवक ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली है। घटना शुक्रवार सुबह की है। मामला जमशेदपुर के सितारामडेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भुइयांडीह बाबरी बस्ती का है, जहां 38 वर्षीय जोशी बाउरी ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजनों ने उसे आनन-फानन में एमजीएम अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, घटना के वक्त जोशी घर पर अकेला था। उसकी मां और पत्नी घर पर नहीं थीं। जब वे लौटे तो घर का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी खटखटाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला, जिसके बाद पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर देखने पर जोशी पंखे के सहारे लटका हुआ था। बताया जा रहा है कि वह भुइयांडीह में लकड़ी टाल में काम करता था और पिछले एक हफ्ते से बीमारी को लेकर मानसिक रूप से परेशान था। मृतक के परिवार में उसका एक बेटा है और पत्नी गर्भवती हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़, पांच आरोपित गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम। धालभूमगढ से पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने ब्राउन शुगर की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 26 जून की रात ग्राम दुधचुआ बांस टाल मैदान में की गई। गुप्त सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी घाटशिला के निर्देश पर थाना प्रभारी मो. अमीर हमजा के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने टाटा कंपनी के एक ट्रक से पांचों आरोपितों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।आरोपितों के पास से कुल 4.17 ग्राम ब्राउन शुगर, 3500 रुपये नकद और पांच एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। ट्रक को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।ण्गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान शमशेर अहमद उर्फ भुटान (35), चिंटु राय (26), गौतम महतो (33), राहुल दुबे (31) और कामाख्या मुखर्जी उर्फ फेकु (30) के रूप में हुई है। सभी आरोपी पूर्वी सिंहभूम जिले के विभिन्न गांवों के निवासी हैं।

सेवटा हनुमान मंदिर में 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का आयोजन

ऐसे आयोजनों से लोगों के बीच भक्ति की भावना का प्रसार होता है: मनोज

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। नगर परिषद के वार्ड नंबर 8 अंतर्गत सेवटा हनुमान मंदिर के वर्षगांठ पर गुरूवार को 2:00 बजे 24 घंटे के अखंड हरिकीर्तन का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि आजसू के केंद्रीय सचिव मनोज कुमार महतो ने विधिवत रूप से फीता काटकर किया। हरिकीर्तन का शुभारम्भ करते हुए उन्होंने कहा कि क्षेत्र की खुशहाली और सुख समृद्धि के लिए अखंड हरिकीर्तन का आयोजन किया गया है।

कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से लोगों के बीच भक्ति की भावना का प्रसार होता है। साथ ही ऐसे कार्यक्रमों में काफी संख्या में लोग शामिल होते हैं जिससे उनके बीच भाईचारे की भावना का प्रसार होता है। कहा कि इस भावना से समाज एकजुट रहता है और जरूरत की समय लोग एक दूसरे की मदद को तत्पर रहते हैं। कहा की इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से लोगों में देवी देवताओं के प्रति आस्था की भावना बढ़ती है। अखंड हरिकीर्तन की समाप्ति पर शुक्रवार को भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इससे पूर्व यगाचार्य विकास पांडे, अयोध्या पांडे एवं सुबोध पांडे ने यजमान पार्षद नरेश प्रसाद साहू सप्तानीक कौशल्या देवी के हाथो पूजा अर्चना संपन्न करवाया । कार्यक्रम को सफल बनाने में भीम प्रसाद, परमेश्वर साहु, लखन प्रसाद, दामोदर यादव, कामेश्वर वर्मा, राजेश प्रसाद, त्रिलोकी प्रसाद, दिनेश्वर प्रसाद, जयराम साहु, अंकुश प्रसाद, अशोक प्रसाद, संदीप प्रसाद, विशेश्वर प्रसाद, यमुना प्रसाद, रमेश प्रसाद आदि ने योगदान दिया ।

डाक चौपाल मेला की तैयारी को लेकर डाक-कर्मियों की बैठक संपन्न

नवीन मेल संवाददाता

बरकट्ठा। प्रखंड के कपका डाक शाखा में डाक चौपाल मेला के तैयारी को लेकर शुक्रवार को शाखा डाकपाल रेवालाल राणा के अध्यक्षता में जन जागरूकता अभियान के तहत बैठक का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मेल पर्यवेक्षक बरही रंजन कुमार गुप्ता और विशिष्ट अतिथि शाखा डाकपाल कलहाबाद छोटेलाल प्रसाद मेहता उपस्थित थे। बैठक में लोगों को पर्यवेक्षक रंजन कुमार द्वारा डाकघर के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। साथ ही अधीक से अधीक संख्या में लोगों को डाकघर में डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा करवाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही बचत खाता, आवर्ती जमा, सुकन्या खाता के बारे में जानकारी देते हुए अधिक संख्या में लोगों को इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा की 9 जुलाई को पुरे भारत के सभी डाकघर में केंद्रीय संचार मंत्रालय (भारत सरकार) डाक विभाग द्वारा डाक चौपाल मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अधीक से अधिक लोगों को ग्रामीण डाक जीवन बीमा करवाने और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में मुकेश सोरेन, विशाल तिवारी, मुकेश कुमार, विकास नायक, ललित मेहता,श्याम सुन्दर यादव, सविता यादव, अब्बास अंसारी समेत आदि ग्रामीण और डाक कर्मी उपस्थित थे।

करौंदी रथ बगीचा में नागपुरी संस्कृति का भव्य उत्सव

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। करौंदी रथ बगीचा में शुक्रवार को आयोजित मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम ने नागपुरी संस्कृति के रंग में हजारों लोगों को सराबोर कर दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का उद्घाटन करौंदी जगन्नाथ मंदिर के मुख्य संरक्षक कृष्ण देव सिंह और भाजपा किसान मोर्चा के नेता मंगल सिंह भोगता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस अवसर पर श्री सिंह ने नागपुरी कलाकारों का उत्साहवर्धन करते हुए नागपुरी भाषा को संपर्क भाषा बनाने की अपील की, साथ ही बच्चों को नागपुरी सीखने व पढ़ने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

मंगल सिंह भोगता ने अपने संबोधन में कहा कि "मेला सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समरसता का प्रतीक है। यह हमारी विरासत को जीवंत रखने का माध्यम है।" सांस्कृतिक मंच पर नागपुरी लोकगीतों और नृत्य ने बिखेरे रंग एशियन हेरिटेज फाउंडेशन, साहित्य संस्कृति मंच और नागपुरी लोक अखरा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रंगारंग कार्यक्रम में प्रशिक्षु गायक रजनी रानी, शंकर सिंह, रोहित सिंह, जितेंद्र गोप, रूपा कुमारी आदि ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों का दिल जीत लिया।

रथारुढ़ होकर भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथ

नवीन मेल संवाददाता

खूंटी। जिला मुख्यालय खूंटी सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र की रथयात्रा पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गयी। रथ यात्रा के पूर्व भगवान के तीनों विग्रहों का महास्नान, श्रृंगार सहित कई धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। जिला मुख्यालय में सीआरपीएफ 94 बटालियन के कैंप में भगवान के तीनों विग्रहों की वैदिक मंत्रों के बीच पूजा-अर्चना की गई। बाद में भंडारे का आयोजन किया गया, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया गया। शाम को कैंप परिसर से मिश्रा टोली स्थित दुर्गा मंदिर तक भव्य रथयात्रा निकाली गयी। सीआरपीएफ 94 बटालियन द्वारा आयोजित रथ यात्रा में सीआरपीएफ 94 बटालियन के उप कमांडेंट जयप्रकाश सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ विनय कुमार यादव, खूंटी एसडीपीओ वरुण रजक, सूबेदार मेजर, जीडी संजीव कुमार, निरीक्षक, जीडी अजीत कुमार ठाकुर सहित सीआरपीएफ 94 बटालियन के अन्य अधिकारी और जवानों के अलावा क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु महिला-पुरुष शामिल हुए। दूसरी ओर जिले के जरियागढ़ में दो रथ यात्रा निकाली गई। एक कंसारी मुहल्ले से यात्रा निकाली गई, तो दूसरी राज परिवार की ओर से मदनमोहन गुड़ी में तीनों विग्रहों को रथारूढ़ किया और वहां से पुराने किले तक रथयात्रा निकाली गयी। जैसे ही रथयात्रा निकली, रथ का रस्सा खींचने के लिए लोगों में होड़ मच गयी। हर कोई रथ के रस्से या रथ को छूने के लिए आतुर दिखा। मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ के रथ का रस्सा को छू लेने मात्र से सभी तरह के पापों का नाश हो जाता है।

भगवान के रथ के आगे भक्त मृदंग और ढोल-मंजीरे के ताल पर नाचते-गाते और भजन करते चल रहे थे। पूरा वातावरण जय जगन्नाथ के जयघोष से गुंजायमान रहा। इसके अलावा कर्रा प्रखंड के झपरा, तोरपा प्रखंड मुख्यालय और तपकरा में भी पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ रथयात्रा निकाली गई। नौ दिनों तक अपनी मौसी के घर(मौसी बाड़ी या गुंडिचा मंदिर) में रहने बाद आषढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी अर्थात छह जुलाई को घुरती रथ के दिन तीनों विग्रह मुख्य मंदिर में लौट आयेंगे।

न्यूज बॉक्स

लगातार हो रही वर्षा ने पदमा-घियाही मार्ग की पुलिया को बहाया

बरही। वर्षों पूर्व बने पदमा घियाही पुलिया लगातार हो रहे वर्षा से पूरी तरह बह गया है. जिससे ग्रामीणों का पदमा प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट गया है. यह यह एकमात्र मार्ग था जिससे होकर ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय सहित जिला तक जाते थे। मार्ग के बहने से ग्रामीणों को मेडिकल या आवश्यक कार्य के लिए आने जाने में परेशानी हो रही है. वर्तमान मुखिया के पति विशेश्वर यादव ने बताया कि केदारुत का कुछ हिस्सा पदमा प्रखंड अंतर्गत आता है। यह मार्ग एक मात्र विकल्प था, जिसे ग्रामीणों के सहयोग से कई वर्ष पूर्व बनाया गया था। रास्ता कट जाने के कारण बच्चों को विद्यालय जाने में परेशानी हो रही है. बीमार या वृद्धों को आने जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि डीएमएफटी कोष से पुलिया निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजे गए हैं।

सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल

गांडेय(गिरिडीह)। गांडेय गिरिडीह मुख्य मार्ग के गांडेय बाजार स्थित टेंपो स्टेंड के पास सड़क दुर्घटना में तीन युवक घायल हो गए । घायलों में 21 वर्षीय प्रकाश राय 21 वर्षीय अरुण राय दोनों जामताड़ा जिला के नारायण पुर थाना क्षेत्र के बकतरा गांव निवासी हैं जबकि तीसरा घायल अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के 24 वर्षीय भोला राय है । घटना को देखकर आस पास के लोगों ने घटना की सूचना गांडेय पुलिस को दिया । सूचना पा कर गांडेय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और तीनों घायलों को गश्ती वाहन से इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां पर तीनों घायल युवक का इलाज चल रहा है। बता दे कि तीनों युवक प्लसर बाईक (जेएच21एन2003) में सवार होकर अपना घर जा रहे थे । इसी क्रम में गांडेय बाजार स्थित टेंपो स्टेंड के पास तीनों युवकों ने अपनी गाड़ी को अचानक से मोड़ दिया इसी क्रम में पीछे से आ रही एक कार उक्त बाईक में सट गई जिससे तीनों बाईक सवार घायल होकर सड़क पर गिर गए । पुलिस दोनो वाहनों को जब्त करके थाना ले आई है ।

चोरों ने दो घरों का ताला तोड़ नगदी समेत अन्य सामान उड़ाए

गांडेय(गिरिडीह)। गांडेय थाना क्षेत्र के पुराना बाजार स्थित एक राशन दुकान और एक घर में गुरुवार की मध्य रात्रि में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है । दोनों भुक्त भोगी दुकान संचालक छोटे स्वर्णकार और गृह स्वामी गुड्डू पाठक को घटना की अहले सुबह होने पर दोनों व्यक्तियों ने गांडेय पुलिस को सूचना दिया । सूचन मिलने पर गांडेय पुलिस दोनो भुक्त भोगी व्यक्तियों के घर पहुंची और घर का निरीक्षण किया । दोनो भुक्त भोगियों ने गांडेय थाना में आवेदन देकर पुलिस से चोरों की गिरफ्तारी और चोरी हुई समान की बरामदगी की गुहार लगाई है । गृह स्वामी गुड्डू पाठक ने आवेदन के माध्यम से कहा कि अज्ञात चोरों ने उसके घर के पिछले भाग में स्थित ईंट की दीवार में सेंध मारकर घर में प्रवेश किया और घर में रखे 18 हजार रुपये नगद , बर्तन , कपड़ा , और बक्सा चोरी करके ले चोरों ने घर में प्रवेश करने के बाद सभी रुम को बाहर से बंद कर दिया । गृह स्वामी सहित अन्य परिजन सुबह को उठे तब हो हल्ला करने लगे । परिजनों के हो हल्ला सुनकर अन्य ग्रामीण पहुंचे और सभी लोगों को घर से बाहर निकाला ।

झामुमो ने संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने का किया विरोध

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने की मांग का विरोध किया है। षाड़ंगी शुक्रवार को साकची स्थित झामुमो कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंनें कहा कि झामुमो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संविधान की प्रस्तावना से सेक्युलर और सोशलिस्ट शब्द हटाने की मांग की कड़ी निंदा करता है। उन्होंने कहा कि ये शब्द संविधान की आत्मा हैं। उन्होंने कहा कि इसका सीधा अर्थ है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ संविधान की इन मूल अवधारणाओं को नहीं मानता है।

Affidavit

Yash Atulya Minz, Son of Oli George Lucas Minz, H.N.425, Bandhu Nagar, Birsa Chowk, Hinoo, P.O. Hinoo, P.S. Doranda, Ranchi (Jharkhand) My actual name is Yash Atulya Minz, which is mentioned in my Aadhaar Card (8270 8654 6307) but my name has been wrongly mentioned in my ISC board result, in which my name has been written as Yash Ayulya Minz in place of Yash Atulya Minz, that Yash Atulya Minz and Yash Ayulya Minz both names are same and one person. Vide affidavit 103, dated -26.06.2025.

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने समाज और देश के प्रति जागरूक रहे। उसे अपने समाज और देश की समस्याओं के बारे में सोचना चाहिए और उनका समाधान खोजने का प्रयास करना चाहिए।" - हजारी प्रसाद द्विवेदी

संपादकीय

जड़ों से हिंदी विरोधी राजनीति

हिंदी को प्रतिष्ठित करने में महाराष्ट्र की बड़ी भूमिका रही थी। राजभाषा हिंदी को प्रतिष्ठापित करने के लिए गठित भारत सरकार का राजभाषा विभाग जिस समय अपनी पचासवीं सालगिरह मना रहा है, ठीक उसी समय महाराष्ट्र और कर्नाटक समेत कई राज्यों में राजभाषा को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। सवाल तो उस महाराष्ट्र में भी उठ रहा है, जहां के लोकमान्य तिलक, काका कालेलकर और विनोबा भावे जैसी विभूतियों ने हिंदी में राष्ट्रीय एकता के सूत्र देखे थे। सदा की तरह तमिलनाडु ने हिंदी विरोध में राजनीतिक मोर्चा खोल ही रखा है। संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई। राजभाषा विभाग की स्थापना आजादी के 28 वर्ष बाद 26 जून, 1975 को हुई थी। इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस दिन स्वाधीन भारत के इतिहास के काले अध्याय यानी आपातकाल की घोषणा हुई, ठीक उसके अगले दिन राजभाषा विभाग अस्तित्व में आया।वैसे यह भी ध्यान देने की बात है कि संभवतः भारत अकेला देश है, जहां राजभाषा के लिए अलग से विभाग है। राजभाषा के कार्यान्वयन के लिए अधिकारी हैं। दुनिया में ऐसा उदाहरण किसी दूसरे देश में नहीं मिलता। पचास साल की यात्रा पूरी कर चुके राजभाषा विभाग की स्थापना का बुनियादी उद्देश्य राजभाषा संबंधी सांविधानिक और कानूनी नियमों का पालन सुनिश्चित कराना और संघ के सरकारी कामकाज में हिंदी का प्रयोग बढ़ाना रहा है। किसी विभाग की पचास साल की यात्रा कोई कम नहीं होती। यह ठीक है कि इस दौरान हिंदी ने लंबा सफर तय किया है। संचार के माध्यमों, बाजार व सिनेमा ने हिंदी को दुनिया के उस कोने तक पहुंचा दिया है, जहां सरकारी सहयोग से उसके पहुंचने की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसके बावजूद हाल के दिनों में देखा जा रहा है कि नए सिरे से हिंदी के विरोध में आवाजें उठ रही हैं। हिंदी विरोधी सुर उन राज्यों में भी सुनाई दे रहे हैं, जहां कभी हिंदी के समर्थन में आंदोलन हुए, हिंदी ने जहां रचनात्मक उपलब्धियां हासिल कीं। महाराष्ट्र ऐसा ही राज्य है। लेकिन नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फॉर्मूले के तहत हिंदी को रखने के चलते इस राज्य में विरोध तेज हो गया। इस विरोध की आंच बैंकों व केंद्र सरकार के दूसरे दफ्तरों तक पहुंची, जहां हिंदीभाषी कर्मचारी व अधिकारी कार्यरत हैं। स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन पर मराठी बोलने का दबाव बढ़ाया। सोशल मीडिया के माध्यम से दुनिया ने देखा कि मराठी नहीं बोल पाने के कारण बैंकों और दूसरे संस्थानों के कर्मचारियों से वहां किस तरह की बदसलूकी हुई। महाराष्ट्र से सटे कर्नाटक राज्य में भी ऐसा ही नजर आया। कन्नड़ न बोल पाने के कारण एक बैंक अधिकारी के साथ स्थानीय समूह बदतमीजी करता नजर आया। सॉफ्टवेयर क्रांति के केंद्र बंगलूरू में हिंदी बोलने के कारण उत्तर भारतीयों को ऑटो और बाइक चालकों की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा है। आजादी के 77 साल बीतने और राजभाषा विभाग के गठन के पचास साल होने के बावजूद किसी गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदीभाषियों के साथ दुर्व्यवहार होने के पीछे कहीं न कहीं राजभाषा विभाग की नाकामी भी है। राजभाषा विभाग ने बेशक सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज को बढ़ावा देने के लिए प्रयास किया है, लेकिन हिंदी के प्रति सकारात्मक माहौल बनाने में उसकी भूमिका कम ही दिखती है।

संविधान सभा ने हिंदी को राजभाषा के तौर पर भले ही स्वीकार कर लिया था, लेकिन राजभाषा के प्रतिष्ठापन और कार्यान्वयन को लेकर अलग से विभाग की स्थापना आजादी के फौरन बाद नहीं हो पाई।

रेयर अर्थ मिनरल्स व ईंधन-तेल में आत्म-निर्भरता की दिशा में उठाए गए कदम

कभी केवल तेल था, अब इसके साथ रेयर अर्थ मिनरल्स भी आ जुड़ा है किसी देश की आर्थिक संप्रभुता को प्रबल बनाए रखने के लिए। क्योंकि जहां कोई भी उत्पादन होता है, वहाँ मैगनेट की जरूरत पड़ती है, जैसे विंड टर्बाइन, विधुत जेनेरेटर्स; इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स, एयरक्राफ्ट इंजन, कार आदि। मैगनेट चाहिए तो जरूरी है आपके पास रेयर अर्थ मिनरल्स हों, जिससे ये बनकर तैयार होती है। रेयर अर्थ मिनरलस् आज चीन के पास सर्वाधिक 42 मिलियन टन हैं, जबकि इसके शौधित प्रारूप की दृष्टि से दुनिया की 90% आपूर्ति ये करता है। भारत के पास भी 7 मिलियन टन का वर्तमान रिजर्व है, और दुनिया में रूस के बाद पांचवें नंबर पर है; जबकि अमेरिका के पास दुनिया का केवल 2% ही है। वैसे भारत में अभी एक्स्प्लॉरैशन चल रहा है, और संभावना है ये क्षमता 15 मिलियन टन के ऊपर पहुँच सकती है। लेकिन अभी स्थिति ये है, भारत को इसे चीन से आयात करना पड़ रहा है। क्यूँ ? क्यूंकी अब से पहले इसका नियंत्रण देश के पब्लिक सेक्टर 'इंडियन रेयर अर्थ मिनरल्स लिमिटेड' के अधीन था। और कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन सरकार नियंत्रित सेक्टर्स की सुस्त कार्य प्रणाली से सब सुपरिचित हैं। लेकिन अमेरिका के टेरिफ़-वार के चलते अब चीन ने इसको शस्त्र के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। साथ ही उद्धोगिक विस्तार के साथ भारत की भी आवश्यकता बढ़ गई है। पिछले वर्ष हमें जरूरत थी 4.5 हजार टन की, जबकि देश में उत्पादन हुआ कुछ सौ टन। इसलिए भारत ने अब एक 1000 करोड़ की प्रोडकसन लिंक्ड इंसेन्टीव -स्कीम भी शुरू कर दी है, साथ ही पब्लिक सेक्टर का एकाधिकार खत्म कर प्राइवेट सेक्टर को आमंत्रित किया जा रहा है। कहते हैं राजस्थान के रेगिस्तान में इसका अथाह भंडार पड़ा है, जहां अभी तक गहरी खुदाई हुई ही नहीं। क्यूंकी जिसे करना था वो था पब्लिक सेक्टर का उपक्रम। उसके लिए अब रास्ता खोल दिया गया है, अश्विनी वैष्णव के द्वारा। अब ये काम प्राइवेट सेक्टर सम्पन्न करेगा। इतना भर नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पास 6 टन रेयर अर्थ मिनरल्स है। और भारत और ऑस्ट्रेलिया ने समझौता कर निश्चित किया है कि इस दिशा में मिलकर काम करेंगे।

दूसरी तरफ खबर है कि देश में अंडमान के समुद्री तट के निकट तेल का 4.5 बिलियन बेरल्स का बड़ा भंडार मिला है। इतना बड़ा कि जब यहाँ से तेल निकलना शुरू हो जाएगा, तो इसकी मात्रा कम से कम 2.50 लाख बेरल्स प्रति दिन होगी। जबकि वर्तमान में बॉम्बे हाई से सर्वाधिक 1.35 लाख बेरल्स प्रतिदिन प्राप्त होता है। यहाँ 1970 से हमें तेल मिल रहा है जो कि वर्तमान में प्राप्त कुल मात्रा का 35% है। कुछ समय पहले ही हमें बॉम्बे-हाई के पास ही दो जगह तेल के भंडार मिले हैं - सूर्यमणि और वज्रमणि। साथ ही त्रिपुरा में कुछ दिन पूर्व 200 तेल के कुएं में से कुछ में ऑईल एक्स्प्लॉरैशन (अन्वेषण) चल रहा है, तो कुछ में से तेल निकालना भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 5 कुँओं में से 45 हजार बेरल्स प्रतिदिन तेल मिलने का अनुमान है। फिर बिहार के समस्तीपुर और यूपी के बलिया जिले में भी तेल पाया गया है। क्या कारण है कि पिछले कुछ समय से लगातार नित्य नए तेल भंडार का पता चल रहा है? ऑईल-फील्ड से सामान्यता जहाँ तेल मिलता है, वहाँ गैस भी पायी जाती है . आज की स्थिति में सोनार और राडार तकनीकी, और साथ ही रिसोर्स-सेटेलाइट से तेल को खोज निकलने का काम भी शुरू हो चुका है. जबकि इसके पहले पता नहीं क्यूँ इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। इसी प्रकार इस व्यवसाय से जुड़े अन्दर की खबर रखने वालों की माने तो आयातकों से मिलने वाले भारी कमीशन के चलते कभी निजी कंपनियों को इस क्षेत्र से दूर रखा गया जिससे यथास्थिति बनी रहे। लेकिन अब जब से मोदी सरकार केंद्र की सत्ता में आयी 'ओपन लाइसेंसिंग पालिसी' के तहत जो अब तक अप्राप्त रहा उसे पाने के लिए इन निजी क्षेत्र की कंपनियों को भी मौका दिया जाना शुरू हो चुका है। 2016 में सिंगल हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एण्ड लाईसेंसिंग पालिसी लागू कर पहले से स्थिति को आसान किया गया है। आज सुनने में विचित्र लग सकता है, लेकिन पहले तेल के कुएं से अगर कोई कंपनी को तेल निकालने का ठेका मिलता था, तो तेल के साथ निकलने वाली गैस भले हवा में उड़कर व्यर्थ नष्ट हो जाये पर ठेके की शर्त से बंधी कंपनी उसको स्टोर नहीं कर सकती थी. लेकिन अब नई नीति के अंतर्गत कुएं से प्राप्त होने वाली हर उपयोगी चीज़ देश हित में कंपनी स्टोर कर सकती है . इतना भर नहीं , अब ओपन एरिया लाइसेंसिंग पालिसी (OALP)के अंतर्गत कोई कंपनी तेल को खोज निकालने के काम के प्रस्ताव को भी लेकर आ सकती है. जबकि पहले सरकार के पास ही ये अधिकार सुरक्षित थे, और जो कि अपनी सुस्त गति से चलने के लिए अभिशिप्त थे।

पहले डीआरडीओ, कोस्ट गार्ड और इसरो जैसे संगठनों ने बहुत बड़े क्षेत्र को सामरिक दृष्टि से प्रतिबंधित कर रखा था। लेकिन अब सरकार ने इन क्षेत्रों को ऑइल एक्स्प्लॉरैशन के लिए खोल दिया है; साथ ही एक्स्ट्रैक्शन(निकालने) के लिए भी खबर है, शेवेरॉन, एक्सोन मोबिल, फ्रांस की टोटल एनेरजीस जैसी ऑइल एक्स्प्लॉरैशन कॉम्पनियों ने भारत से संपर्क करना शुरू भी कर दिया है। बताया जाता है, अंडमान में जिस तेल भंडार का पता चला है अगर उसकी पूरी क्षमता का उपयोग किया जाए तो उससे हमारी अगले 70 साल की कुल जरूरत संभव हो सकेगी ।

दूसरी और, पहले कभी तेल के लिए हम खाड़ी देशों पर ही निर्भर थे। लेकिन मोदीजी ने इसके साथ ही दायरा बढ़ाते हुए वेनेजुएला, गुयाना और- यूक्रेन-रशियन युद्ध के बाद- हमने रूस से तेल लेना शुरू किया, और वो भी रुपए में साथ ही 30% डिस्काउंट रेट पर। फिर क़तर से भी हमारी डील रुपए में है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार अभी हम 30 से भी अधिक देशों से तेल आयात कर रहे हैं। इतना ही नहीं अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा था, डॉलर में तेल ले नहीं सकते था। तो हमने चावल के बदले ईरान से तेल खरीदना शुरू कर दिया। साथ ही हमने कतर -गुयाना जैसे देशों के साथ लॉन्ग टर्म ट्रैड-डील साइन कर ली, जिसमें तेल की कीमत शर्तों के अधीन ही तय होंगी, बदलते हालातों से नहीं।। आर्कटिक नॉर्थ पोल पर तेल के बड़े भंडार का पता चला और रूस वहाँ पहुँच गया। तो भारत ने कहा हम भी आ रहे हैं आप के साथ। सऊदी अरब में कुछ समय पूर्व मोदी जी का दौरा हुआ। इसमें सहमति बनी कि सऊदी अरब अपने तेल को भारत में रिफाइन्ड करवाएगा।

अंडमान में सालों से एक गैस-ज्वालामुखी स्थल है। और जो वहाँ घूमने जाता है , वो यहाँ भी आता है। लेकिन हम तेल आयात करते रहे, इस ओर ध्यान ही नहीं दिया गया। कृष्ण-गोदावरी बेसिन में 20 साल पहले तेल मिल चुका था, अब उसको निकालने की दिशा में आगे बढ़ा जा रहा । बॉम्बे हाई पर रिलायंस रिग 40-50 % की क्षमता पर काम कर रही थी। अब उसको कहा गया है, ये अधिकतम स्तर तक ले जाया जाए।

चीन अभी लगभग 1 करोड़ बेरल तेल प्रतिदिन आयात करता है; तो भारत , लगभग 50 लाख बेरल प्रतिदिन।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात

इंजी. राजेश पाठक

कोचिंग उद्योग पर आँखें खोलने वाला आलेख

आलेख 'आंकड़ेबाजी करते सरकारी गुरूजी और बढ़ता कोचिंग उद्योग 'के माध्यम से वरिष्ठ पत्रकार सुनील बादल जी ने जायज चिंता ही व्यक्त की है। आज के परिप्रेक्ष्य में अगर बात की जाए तो यह सही ही है कि सरकारी विद्यालयों में पठन - पाठन का गिरता स्तर निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों के फलने -फूलने का एक प्रमुख कारण है। सरकारी विद्यालय भवनो की कमी, शिक्षकों की कमी, संसाधनों की कमी और शिक्षकों को अतिरिक्त कार्यों की जवाबदेही के कारण निश्चित ही सरकारी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर गिरा है जिसका फायदा निजी विद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों को मिल रहा है और उनकी दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो रही है। सामान्य आदमी भी अपनी औकात से ज्यादा खर्च कर अपनों बच्चों को निजी शिक्षण संस्थानों में भेज रहा है। निजी संस्थानों में अपने बच्चों को पढ़ाना 'स्टेटस सिम्बल 'बनता जा रहा है। और यही कारण है कि निजी संस्थान इसका फायदा उठाते हुए मोटी कमाई कर रहे हैं। सरकारी विद्यालयों के छात्रों की बात करें, तो यहाँ प्रतिभाशाली बच्चों की कमी नहीं है। बस उन्हें सही शिक्षण का माहौल एवं उचित शिक्षा एवं मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। और इसके लिए केवल शिक्षक जिम्मेदार नहीं हैं। शिक्षकों की भारी कमी एवं अन्य दायित्वों जैसे जनगणना, पशु गणना, अनावश्यक रिपोर्ट आदि से जुड़े कार्य भी इसके लिए जिम्मेवार है। शिक्षक पर्याप्त समय नहीं दे पाते जिससे कि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है। निश्चित ही इस विषय पर सम्पूर्ण समाज को मंथन करने की जरूरत है ताकि हर बच्चे को उचित शिक्षा मिल सके और वह अपने बेहतर भविष्य का निर्माण कर सके। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आज भी लाखों परिवार ऐसे हैं जो महज दो जून की रोटी जुटाने के लिए अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेज पाते। भला उनके बच्चे कैसे पढ़ेंगे।सरकार को चाहिए कि वह शिक्षकों के रिक्त पदों पर भर्ती करे और शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर करने का प्रयत्न करे। आशा है कि बादल जी आगे भी सामाजिक मुद्दों पर ऐसे आलेख पेश करते रहेंगे।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

दिलीप कुमार
सहायक लेखा अधिकारी, पोटमा, लगमा, गढ़वा (झारखंड)

अंगूर खट्टे, मंत्री जी सच्चे

पुराने बक्से में बंद धूल फांकती वो डायरी, आज भी उतनी ही चुभन पैदा करती है, जितनी बरसों पहले किया करती थी। उस पर लिखा नाम 'मास्टर चमचा लाल', एक ऐसा नाम जो किसी ज़माने में हर दफ्तर के गलियारों में गूँजता था। लेकिन आज? आज तो चमचे ही चमचे हैं, कोई 'लाल' नहीं। हाँ, 'लाल' तो अब बस सत्ता की सीढ़ियाँ चढ़ने वाले नेताओं के चेहरों पर दिखती है, उस 'लाल' रंग के लिए जो वोटों की फसल से पैदा होता है, और फिर खाया जाता है, जनता के सपनों को रौंदकर। मैं, यानी मास्टर चमचा लाल, एक ऐसा अदना सा प्राणी था जिसने ईमानदारी की डिग्रियों को जलाकर सत्ता की लौ में अपनी रोटियाँ सेंकी थीं। मेरी कहानी किसी देवदूत के स्वर्ग से गिरने की नहीं, बल्कि एक आम इंसान के नैतिकता के दलदल में धँसने की गाथा है। ये कहानी सिर्फ़ मेरी नहीं, बल्कि उन लाखों-करोड़ों 'चमचों' की है जो हर रोज़ सिस्टम के सामने घुटने टेकते हैं, और फिर खुद को समझाते हैं कि "आज का दिन भी कट गया।" जैसे दीमक लकड़ी को चाट जाती है, वैसे ही ये सिस्टम हम जैसे लोगों की आत्मा को चाट जाता है, और जब तक हमें एहसास होता है, तब तक बचा ही क्या रहता है? बस एक खाली लिफाफा, जिस पर लिखा होता है: "जीवन सफल"। सफल? या सिर्फ़ एक सफल समझौता? अरे, क्या बताएं! जीवन ऐसा चक्रव्यूह है, जिसमें आदमी अभिमन्यु बन के घुसता तो है, पर बाहर निकलने का रास्ता कहीं मिलता ही नहीं। मेरी भी यही कहानी है। जब मैं नया-नया इस 'सेवा' के क्षेत्र में आया था, तो सोचा था, "वाह, अब तो देश की सेवा करेंगे!" पर देश की सेवा करने से पहले अपनी सेवा करनी पड़ती है, और वो भी ऐसी कि आप भूल जाते हो कि देश है भी या सिर्फ़ आपके पेट का गड्ढा। उन दिनों बड़े-बड़े दावे हुआ करते थे, "हम भ्रष्टाचार मिटा देंगे!" और हम जैसे भोले लोग तालियाँ पीटते थे, "हाँ-हाँ, मिटा दो!" पर वो मिटाते क्या थे? सिर्फ़ अपनी पुरानी पार्टियों का नाम, ताकि नई बोतलों में पुरानी शराब भरकर बेची जा सके। मैंने अपनी आँखों से देखा है, ईमानदारी को कैसे फाइल दर फाइल कुचला जाता है। मेरा गाँव, 'भोलापुर', नाम से ही भोला था, पर वहाँ के लोग, अरे क्या कहने! मक्खन से भी ज़्यादा चिकने। जैसे ही मैं शहर से लौटता, तो सब ऐसे घेर लेते जैसे भेड़िये किसी शिकार को। "अरे, चमचा लाल आ गया! अब तो हमारा काम होगा!" कौन सा काम? काम तो वो खुद कर सकते थे, पर उन्हें आदत थी, दूसरों के कंधों पर बंदूक रखकर चलाने की। और मैं, मैं भी कम नहीं था। जैसे कुत्ता हड्डी पाकर खुश होता है, मैं भी वैसे ही अपने छोटे-मोटे 'रसूख' पर इतराता था। अरे, क्या बताएं, उस रसूख की कहानी! एक बार एक मंत्री जी हमारे गाँव आए थे। पूरा गाँव ऐसे उमड़ पड़ा जैसे किसी मेले में। मंत्री जी ने हाथ हिलाया, मैंने भी हिलाया। उन्होंने नमस्ते की, मैंने भी की। बस! इतने में ही मेरी 'प्रतिष्ठा' आसमान छूने लगी। लोग कहने लगे, "मास्टर चमचा लाल तो मंत्री जी के सीधे हाथ हैं!" और मैं भी अपने मन में लड्डू फोड़ता, "हाँ भाई, मैं ही तो हूँ, सीधा हाथ!" पर सच्चाई तो ये थी कि मंत्री जी के सैकड़ों 'सीधे हाथ' थे, और मैं उनमें से बस एक नाखून था, जो कभी भी टूट सकता था। और जब टूटता था, तो दर्द सिर्फ़ मुझे नहीं होता था, पूरे परिवार को होता था, क्योंकि उस नाखून के सहारे ही तो हमारा पेट भरता था। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब मेरे बेटे ने इंजीनियरिंग करने की जिद पकड़ ली। मैंने कहा, "बेटा, ईमानदारी से इंजीनियर बनेगा तो भूखा मरेगा। चमचागिरी सीख ले, कम से कम पेट तो भरेगा!" पर वो न माना। "पापा, मुझे देश का निर्माण करना है!" अरे, निर्माण? यहाँ तो सिर्फ़ विनाश होता है, सपनों का, उम्मीदों का। मैंने उसे समझाया, "बेटा, ये सिस्टम ऐसा है कि तुम अगर गांधी जी बनोगे, तो तुम्हें जूते पड़ेंगे, और अगर गोडसे बनोगे, तो तुम्हें मालाएँ मिलेंगी। अब तुम सोच लो, जूते खाने हैं या माला पहननी है।" वो हँसा, "पापा, आप मज़ाक कर रहे हैं।" मुझे रोना आ गया, "बेटा, ये मज़ाक नहीं है, ये कड़वा सच है।" और वो कड़वा सच उसे तब समझ आया, जब वो अपनी डिग्री लेकर नौकरी खोजने निकला। हर जगह 'रिश्ता' चाहिए था, 'सिफारिश' चाहिए थी। उसकी ईमानदारी की डिग्री कचरे के ढेर में फेंक दी गई, और उसकी जगह किसी और 'चमचे' के बेटे को नौकरी मिल गई, जिसके पापा की पहुँच ऊपर तक थी। उस दिन मेरे बेटे की आँखों में वो दर्द मैंने देखा, जो मैंने खुद कभी महसूस नहीं किया था, क्योंकि मैंने तो अपनी आँखें बहुत पहले ही बंद कर ली थीं, ताकि ये सब देखना न पड़े।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

प्रेम बगीचा सा नहीं, जब तब टहला जाय।
वह लम्बा एक रास्ता, पैदल मापा जाय।।

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

आँखों का सूरज, भीतर का उजाला

आँखें मानव चेतना की सबसे पारदर्शी अभिव्यक्ति है। वे केवल दृष्टि का माध्यम नहीं, आत्मा की अन्तर्ध्वनि हैं। वे देखती हैं, पर उससे अधिक प्रकट करती हैं; वे रोती नहीं, पर भीतर बहते सागर की गवाही देती हैं। ये जीवन की उस सूक्ष्मतम ज्योति का संकेत है, जहाँ दृष्टि अनुभव में रूपांतरित हो जाती है और उजास को संवेदना का पर्याय बना देती हैं।

माँ की आँखों में वह सूरज हर दिन उगता है, जो बच्चे की क्षणिक पीड़ा भी पढ़ लेता है। उसकी किरणें अन्न की थाली पर ठहरी नहीं रहती, मन की परछाइयों तक चली जाती है। उसमें आत्मीयता भर देती है - यह मौन, जो शब्दों से अधिक कह जाता है। वह ऐसा प्रकाश होती है जिसमें शिशु का संसार प्रकाशित होता है,सुरक्षित होता है। वयस्क हो चली संतान भी अपनी समस्त थकान वहीं उतारती है। माँ की आँखें वह दीप हैं, जो आँधी में भी नहीं बुझते, और जिनकी लौ में संसार का सारा अंधकार भस्म हो जाता है। प्रेम की दृष्टि में सूरज का ताप कुछ और होता है - कोमल, आत्मविलीन, धड़कनों से संवाद करता हुआ। वहाँ संसार धुंधला हो जाता है, और केवल प्रिय का प्रतिबिंब रह जाता है। वह आँखें थामती नहीं, बाँधती नहीं, पर एक ऐसा उजास बिखेर देती हैं कि आत्मा उस आलोक में नहाकर लौट आती है। उस एक दृष्टि से मन के अनगिनत संशय गल जाते हैं, और भीतर कोई चुपचाप मुस्कराने लगता है। यह दृष्टि प्रेम का असली राग है - मौन और सम्पूर्ण।

वृद्ध की आँखों में समय थका हुआ नहीं होता, परिपक्व होता है। वहाँ नयनों की कोर पर बैठा एक उदास सूरज नहीं, अपितु एक संतुष्ट आलोक होता है जो संसार को देख चुका है, जी चुका है, और अब केवल अनुभव की शांत दीप्ति में निहार रहा है। वे आँखें भविष्य को लेकर अधीर नहीं होतीं, अतीत को लेकर क्लांत नहीं होतीं। वे बस देखती हैं - गहराई से, एक स्वीकार के साथ। यही वह दृष्टि होती है, जिससे जीवन की अंतिम सीख मिलती है—धैर्य, समर्पण और मौन आस्था की। और फिर कुछ दृष्टियाँ ऐसी होती हैं जो आत्मा से निकलती हैं, जिनमें देखने का अर्थ जानना होता है, और जानने का अर्थ प्रेम करना। कभी कोई ग़रीब बच्चा सड़क किनारे बैठा दिखता है धूल- धूसरित, पर आँखों में चमक लिए और आप रुक जाते हैं। वह दृष्टि आपके भीतर उतरती है। आप कुछ नहीं कह पाते, पर भीतर कोई चीज़ हल्की हो जाती है। वहाँ उजाला किसी आँख से नहीं, आपकी अंतरात्मा से फूटता है। यही वह अन्तर्दृष्टि है, जो दर्शन और करुणा के मध्य से जन्म लेती है। कभी-कभी कोई ऐसा अनजान चेहरा दिखता है, जो हमारे भीतर कुछ जाग्रत कर देता है। वह व्यक्ति चला जाता है, पर उसकी आँखों का आलोक हमारे भीतर देर तक टिका रहता है। मानो किसी ने भीतर कोई दिया रख दिया हो - बिना कुछ कहे, बिना कोई प्रत्यक्ष दिए। यह रोशनी किसी किताब में नहीं मिलती, किसी उपदेश से नहीं आती - यह बस एक दृष्टि से उतरती है, और जीवन को सार्थक कर जाती है। भीतर के उजाले का माप किसी प्रकाशशक्ति से नहीं हो सकता। यह उजाला आत्मा की ऊष्मा है। यह वह सूरज से मिलता है,जो न किसी आकाश में उगता है, न किसी क्षितिज पर ढलता है। यह आँखों उगता है - कभी किसी करुणा में, कभी किसी प्रार्थना में, कभी प्रेम की मौन स्वीकृति में। और जब यह एक बार जल उठता है, तो बाहरी तम कितना भी हो - मनुष्य भीतर से प्रकाशित रहता है। जीवन के उत्तरार्ध में जब दृष्टि धुंधलाने लगती है, तब भी यदि यह उजाला जीवित रह जाए, तो वही व्यक्ति की अंतिम गरिमा बन जाता है। आँखें बंद होती हैं, पर भीतर का सूरज अब भी कहीं चमकता रहता है - मौन, स्थिर, शाश्वत। क्योंकि अंततः, आँखें वही नहीं जो केवल देखती हैं। वे वही हैं, जो भीतर दीप जलाती हैं और वही उजाला मनुष्यता की सबसे सुंदर, सबसे शुद्ध पहचान है - एक स्पंदनशील, करुणामय, प्रकाशवान अस्तित्व। यही उजास मनुष्य की सबसे कोमल, सबसे ऊर्ध्व सत्ता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग बात

डॉ स्नेहलता श्रीवास्तव

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाइं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल'*, समाचार संपादक : त्रिभुवन कुमार सिन्हा, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-3553943, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा

पुरी में उमड़ा भक्तों का जन सैलाब

ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की वार्षिक रथ यात्रा के लिए व्यापक बंदोबस्त किए हैं और शुक्रवार को इसमें भाग लेने के लिए लाखों श्रद्धालु पुरी पहुंचे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम तक करीब एक लाख लोग पुरी पहुंच चुके थे और आज सुबह यह संख्या कई गुना बढ़ गयी। उन्होंने बताया कि देशभर और विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के इस रथ यात्रा में भाग लेने की उम्मीद है। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रमुख प्रशासक अरबिंद पाधी ने कहा, ''महाप्रभु (भगवान जगन्नाथ) की कृपा से हम शुक्रवार को रथ यात्रा के सुचारू संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमें सेवादारों से पूरा समर्थन और सहयोग मिल रहा है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शहर में करीब 10,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गयी है, जिनमें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की आठ टुकड़ियां भी शामिल हैं। ओडिशा के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) वाई बी खुरानिया ने कहा कि पहली बार पूरे महोत्सव पर करीबी नजर रखने के लिए पुरी में एक एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र खोला गया है। निगरानी के लिए पुरी में तथा उससे 35 किलोमीटर दूर व 13वीं शताब्दी के सूर्य मंदिर के लिए प्रसिद्ध कोणार्क की सड़कों पर 275 से अधिक कृत्रिम मेधा (एआई) से लैस सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। डीजीपी ने बताया कि इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के स्नाइपर्स मंदिर के सामने ग्रैंड रोड पर छतों पर तैनात रहेंगे।

10000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है

श्रद्धा, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना : पीएम मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरू होने पर बधाई दी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए उन्होंने देशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि की मंगलकामना की। पीएम मोदी ने कहा, "भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के पवित्र अवसर पर सभी देशवासियों को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। श्रद्धा और भक्ति का यह पावन उत्सव हर किसी के जीवन में सुख, समृद्धि, सौभाग्य और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए, यही कामना है। जय जगन्नाथ!

साथ ही, प्रधानमंत्री ने अपने एक अन्य पोस्ट में आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर दुनियाभर के कच्छी समुदाय के लोगों को भी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, "आषाढ़ी बीज के विशेष अवसर पर, विशेष रूप से दुनिया भर के कच्छी समुदाय को शुभकामनाएं। आने वाला वर्ष सभी के लिए शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य लेकर आए। बता दें कि देशभर में प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। वहीं, ओडिशा के पुरी की यात्रा सबसे बड़ी होती है। ओडिशा के पुरी से शुरू हुई यह जगन्नाथ यात्रा गुंडिचा मंदिर तक जाएगी। यह यात्रा 12 दिनों तक चलेगी।

भगवान जगन्नाथ हमारे लिए अराध्य और प्रेरणा

प्रधानमंत्री ने बधाई संदेश के अलावा अपने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है, जिसमें वो भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के बारे में बता रहे हैं। वीडियो संदेश में कहा गया, "महाप्रभु हमारे लिए अराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं। जगन्नाथ हैं, तो जीवन है। भगवान जगन्नाथ जनता जनार्दन को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण के लिए जा रहे हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आगे वीडियो में रथयात्रा की खूबियों के बारे में भी बताते हैं। कहते हैं कि रथयात्रा की पूरी दुनिया में एक विशिष्ट पहचान है। देश के अलग-अलग राज्यों में बहुत-बहुत धूमधाम से रथयात्रा निकाली जा रही है। ओडिशा के पुरी में निकाली जा रही रथयात्रा अपने आप में अद्भुत है।

इसका समापन 15 जुलाई को नीलाद्रि विजय के साथ होगा, जब भगवान अपने मूल मंदिर लौटेंगे। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान जगन्नाथ साल में एक बार अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ अपनी मौसी के घर गुंडिचा मंदिर जाते हैं।

कथावाचक विवाद पर बोले देवकीनंदन ठाकुर

किसी सनातनी की चोटी काटना निंदनीय और शर्मनाक

मथुरा (आईएएनएस)

इटावा की हालिया घटना पर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। इटावा में 21 जून को कथावाचकों मुकुट मणि यादव और संत कुमार यादव के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार हुआ था। घटना के बाद हो रही राजनीति पर देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि किसी के साथ भी दुर्व्यवहार करना गलत है। हम खुद प्रचार करते हैं कि कलावा पहनो, चोटी रखो, तिलक लगाओ।

उन्होंने कहा कि किसी भी सनातनी की चोटी काटना, उसका अपमान करना, अत्यंत निंदनीय कृत्य है और ये धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उन्होंने ये भी अपील की कि हमें जातियों में नहीं बंटना चाहिए। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि मैं जातिगत बातों और जातियों में नहीं बंधना चाहता हूं। मैं सभी सनातियों को जोड़ना चाहता हूं। देवकीनंदन ठाकुर ने कहा, "मैं देख रहा हूं कि एक गांव में एक घटना घटी और इसको लेकर देश के कुछ बड़े नेता बयान दे रहे हैं। कई बड़े नेता हैं जो सिर्फ जाति के नाम पर कूद पड़े। वो लोग जातियों के विरोध में बयान दे रहे हैं। ये लोग वही काम कर रहे हैं जो अंग्रेजों ने किया। कथावाचक देवकीनंद ने आगे कहा, "सनातन में, पुराणों में जितने भी अवतार हुए, वो धर्म की स्थापना के लिए हुए। धर्म की स्थापना करना ही हम सबका दायित्व है।

एमएसएमई देश के आर्थिक विकास के लिए आवश्यक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली (हि.स.)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को कहा कि एक मजबूत सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) पारिस्थितिकी तंत्र न केवल देश के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके सतत आर्थिक विकास के लिए आवश्यक भी है। वह नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'एमएसएमई दिवस 2025 - उद्यमी भारत' कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। राष्ट्रपति ने कहा कि एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ हैं। वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं। ये उद्यम अपेक्षाकृत कम पूंजी निवेश में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करते हैं, विशेषकर ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में, जिससे समावेशी और विकेन्द्रीकृत विकास को बल मिलता है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि एमएसएमई क्षेत्र देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र को कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिनमें वित्त की समस्या, बड़ी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा, नवीनतम तकनीक का अभाव, कच्चे माल और कुशल कार्यबल की कमी, सीमित बाजार और भुगतान में देरी प्रमुख हैं।

एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ हैं, वे सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं और जमीनी स्तर पर नवाचार को बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने बताया कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार ने कई नीतिगत पहलें की हैं। इनमें एमएसएमई वर्गीकरण मानदंडों में संशोधन, ऋण सुलभता में सुधार, 'पीएम विश्वकर्मा योजना' के तहत कारीगरों का कौशल विकास और केंद्रीय मंत्रालयों द्वारा एमएसई से कम से कम 35 प्रतिशत खरीदारी जैसे कदम शामिल हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि इन प्रयासों से पंजीकृत एमएसएमई की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि एमएसएमई के लिए ऑनलाइन विवाद समाधान पोर्टल विलंबित भुगतान के मामलों में महत्वपूर्ण साबित होगा। राष्ट्रपति ने महिला उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त की और युवा महिलाओं से उद्यमिता की ओर कदम बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने हरित प्रौद्योगिकी अपनाने पर भी ज़ोर देते हुए कहा कि यह न केवल एमएसएमई की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा, बल्कि देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी मदद करेगा। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने 'क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट फॉर माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज' (सीजीटीएमएसई) की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विशेष डाक टिकट जारी किया। उन्होंने एमएसएमई के लिए बनाए गए नए ऑनलाइन विवाद समाधान (ओडीआर) पोर्टल का भी उद्घाटन किया, जिससे विलंबित भुगतान की समस्या के समाधान में मदद मिलेगी। इसके साथ ही उन्होंने एमएसएमई पत्रिका का विमोचन और एमएसएमई हैकाथॉन 5.0 का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतनराम मांझी, राज्यमंत्री शोभा करंदलाजे, खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे से जुड़े सवाल पर बोलीं आशा भोसले

'मैं किसी राजनेता को नहीं जानती'

मुंबई (आईएएनएस)

महाराष्ट्र में हिंदी भाषा को स्कूलों में अनिवार्य किए जाने का प्रस्ताव सुर्खियों में है। वर्षों से मराठी और क्षेत्रीय भाषाओं की प्राथमिकता पर जोर देने वाले नेता अब हिंदी के समर्थन या विरोध में खुलकर सामने आ रहे हैं। 'हिंदी विरोध' के मुद्दे पर ठाकरे बंधु फिर एक मंच पर आने को तैयार हैं। प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले से जब प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने बड़ी सहजता से कहा, 'मैं केवल आशीष शेलार को जानती हूं... बाकी किसी भी राजनेता को नहीं जानती। आशा भोसले ने जिस आशीष शेलार की बात की, वह महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मामलों के मंत्री हैं और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) में कोषाध्यक्ष भी रह चुके हैं। वहीं जब हिंदी भाषा अनिवार्य करने के मुद्दे पर आशा भोसले से सवाल किया गया, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, 'मैं राजनीति पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगी। बता दें कि राज्य सरकार ने हाल ही में एक संशोधित आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया कि मराठी और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी को आमतौर पर तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने 'देवी बसों' को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को नरेला के सेक्टर ए-9 में बने नए डीटीसी बस डिपो का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने 100 से ज्यादा नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये बसें "दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी)" योजना के तहत चलाई जाएंगी। यह पहल दिल्ली में स्वच्छ और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए की गई है। उद्घाटन समारोह में बीजेपी सांसद योगेंद्र चंदोलिया, मंत्री पंकज कुमार सिंह और रविंदर इंद्राज सिंह समेत कई प्रमुख नेता भी मौजूद थे। इन इलेक्ट्रिक बसों का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना, यात्रा को आरामदायक बनाना और आखिरी मील तक कनेक्टिविटी को बेहतर करना है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री पंकज कुमार मंत्री ने विकास और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर ज़ोर दिया।

हिंदी विरोध में साथ आए ठाकरे बंधु

उद्धव और राज मुंबई में करेंगे संयुक्त विरोध प्रदर्शन

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) 'त्रिभाषा नीति' के तहत कक्षा 4 तक हिंदी को अनिवार्य बनाने के राज्य सरकार के कथित कदम के खिलाफ 5 जुलाई को संयुक्त रूप से विरोध मार्च का आयोजन करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह घोषणा की। राउत ने कहा, "हम किसी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। हमने हमेशा हिंदी का सम्मान किया है। हम जैसे लोगों ने हमेशा इसका महत्व समझा है। हमारी पार्टी कई तरह से हिंदी का इस्तेमाल करती है। लेकिन हाल ही में 'त्रिभाषा नीति' के तहत कक्षा 4 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने का फैसला बच्चों पर अनावश्यक बोझ डालता है। यह एक शैक्षणिक और भाषाई मुद्दा है। राउत ने खुलासा किया कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के साथ चर्चा के बाद इसी मुद्दे पर क्रमशः 6 जुलाई और 7 जुलाई को अलग-अलग विरोध प्रदर्शन की पहले की योजना को हल कर लिया गया।

दो लोगों से 16.35 लाख ठगने वाला इनामी साइबर अपराधी बिहार से गिरफ्तार

देहरादून । उत्तराखंड में पौड़ी पुलिस ने दो लोगों से कथित तौर पर 16.35 लाख रुपये ठगने वाले इनामी साइबर अपराधी को बिहार से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधी की पहचान पश्चिमी चंपारण निवासी साजिद खान (20) के रूप में हुई है जिस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उसने बताया कि कोटद्वार में दो पीड़ित आरती बेलवाल और गणेश चौधरी द्वारा ठगी की शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने अज्ञातों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की प्रासंगिक धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था और तभी से उनकी तलाश की जा रही थी।

कॉलेज परिसर में गैंगरेप का आरोप पूर्व छात्र समेत तीन हिरासत में

एजेंसी। कोलकाता

दक्षिण कोलकाता के कस्बा में एक लॉ कॉलेज के अंदर एक छात्रा के साथ कथित सामूहिक बलात्कार के सिलसिले में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। कस्बा पुलिस स्टेशन ने घटना के संबंध में एक शिकायत के बाद प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की और गिरफ्तारियाँ कीं, जो कथित तौर पर 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच दक्षिण कलकत्ता लॉ कॉलेज के परिसर में हुई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि नामजद आरोपियों में एक पूर्व छात्र और स्टाफ सदस्य के साथ-साथ कॉलेज के नामांकित छात्र भी शामिल हैं। शिकायत मिलने के बाद, पुलिस ने पीड़िता की प्रारंभिक चिकित्सा जांच की, गवाहों के बयान दर्ज किए और घटनास्थल का दौरा किया। कथित घटना के स्थान के रूप में पहचाने गए कॉलेज परिसर को फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित कर लिया गया है। कोलकाता में तलबगान क्रॉसिंग के पास सिद्धार्थ शंकर शिशु रॉय उद्यान के सामने से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि तीसरे को उसके घर से हिरासत में लिया गया। जांच के तहत तीनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की है कि आरोपी हिरासत में हैं और उन्हें आज अलीपुर कोर्ट में पेश किया जाएगा, जहां जांचकर्ता मामले की आगे की जांच के लिए उन्हें पुलिस हिरासत में भेजने की मांग करेंगे।

आर्थिक प्रगति आत्मनिर्भर भारत में उत्तर प्रदेश का एमएसएमई क्षेत्र निभा रहा अहम भूमिका

एमएसएमई में 2 करोड़ से अधिक लोग कार्यरत : सीएम

- ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं (18 करोड़ रु.) का उद्घाटन

लखनऊ (आईएएनएस)

'विश्व एमएसएमई दिवस' के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित एक भव्य समारोह में उद्यमिता को प्रोत्साहन देने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने यूथ अड्डा का लोकार्पण, सीएम युवा मोबाइल ऐप का शुभारंभ और बरेली-मुरादाबाद में 18 करोड़ रुपए की ओडीओपी सीएफसी परियोजनाओं का उद्घाटन किया। सीएम योगी ने अपने संबोधन में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर सभी समुदायों के युवाओं को समान अवसर प्रदान करने की डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को जाहिर किया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों को जातिगत संघर्ष कराने से ही फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पिछली सरकारों ने न सिर्फ उद्यमियों की उपेक्षा की, बल्कि जातीय संघर्षों को बढ़ावा देने का कार्य भी किया। 2017 से पहले का यूपी दंगों के रूप में, माफिया गिरोह के रूप में, बेटी और व्यापारी के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों की उपलब्धि जातीय संघर्ष कराकर परिवारवाद के नाम पर 'एक जनपद, एक माफिया' देने की रही है। इसके चलते जनता के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था।

उन्होंने कहा कि यूपी ने 24 जनवरी 2018 में पहली बार अपने स्थापना दिवस का आयोजन किया। 1950 में यूपी की स्थापना होने के बाद से लेकर 2018 तक कभी प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजन नहीं हुआ, क्योंकि पिछली सरकारों को जातीय संघर्ष कराने और इसके आधार पर प्रदेश को पहचान का संकट खड़ा करने से फुर्सत ही नहीं थी। वे सब अपने परिवार के लिए कार्य कर रहे थे, प्रदेश से उनका कोई मतलब नहीं था।

युवाओं के लिए सीएम युवा ऐप

सीएम योगी ने कहा कि हमारी सरकार जाति, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं करती। हर युवा की प्रतिभा को मंच देने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। सीएम युवा मोबाइल ऐप के शुभारंभ के साथ, सरकार ने युवाओं को उद्यमिता से जोड़ने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह ऐप सभी समुदायों के युवाओं को बिना किसी जातिगत भेदभाव के प्रशिक्षण, ऋण और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करेगा।

बाउंड्री कैच से लेकर कन्कशन प्रोटोकॉल तक

आईसीसी ने सभी प्रारूपों में खेल की परिस्थितियों में बदलाव की घोषणा की

दुबई (आईएएनएस)

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट और व्हाइट-बॉल दोनों प्रारूपों के लिए वनडे में गेंदों के उपयोग, बाउंड्री कैच और कन्कशन रिप्लेसमेंट के संबंध में कई बदलावों की घोषणा की है। इनमें से सबसे महत्वपूर्ण है खेल की गति और ओवर रेट को तेज करने के प्रयासों में, सबसे लंबे प्रारूप को तेज करने के लिए स्टॉप क्लॉक। स्टॉप क्लॉक, जिसे व्हाइट-बॉल क्रिकेट में पहले ही सफलतापूर्वक आजमाया जा चुका है, अब टेस्ट में एक स्थायी विशेषता बन गई है। फील्डिंग करने वाली टीमों को पिछले ओवर को पूरा करने के 60 सेकंड के भीतर एक नया ओवर शुरू करना होगा। इसका पालन न करने पर पेनल्टी लगाई जाएगी, प्रति पारी दो चेतावनियां, उसके बाद हर उल्लंघन के लिए पांच रन का जुर्माना। ये चेतावनियां हर 80 ओवर के बाद नई गेंद की उपलब्धता के अनुसार रीसेट हो जाएंगी। यह बदलाव देरी को कम करने और तेज ओवर रेट को प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है, जो टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से चली आ रही चिंता है।

एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में, दो गेंदों का उपयोग पहले 34 ओवरों तक सीमित रहेगा। फिर फील्डिंग टीम अंतिम 16 ओवरों के लिए उनमें से एक गेंद का चयन करेगी। नए नियमों के अनुसार, बाउंड्री के पार गेंद के साथ हवा में संपर्क बनाने वाले किसी भी क्षेत्ररक्षक को कैच पूरा करने के लिए पूरी तरह से खेल के मैदान में उतरना होगा। यदि वे बाहर निकलते हैं और फिर से छलांग लगाते हैं, तो वे मैदान के अंदर उतरने से पहले केवल एक बार और गेंद के साथ संपर्क कर सकते हैं। टीमों को अब कन्कशन सब्स्टीट्यूट को पहले से ही नामांकित करना होगा। इसके अतिरिक्त, कन्कशन से पीड़ित खिलाड़ी को खेलने के लिए वापस लौटने से पहले कम से कम सात दिन तक स्टैंड-डाउन रहना होगा। गेंदबाज को डिलीवरी से पहले या डिलीवरी के दौरान इधर-उधर घूमते हुए देखने वाले गेंदबाज को रियायत देने के प्रयास में, व्हाइट-बॉल प्रारूपों में एक नया वाइड बॉल नियम लागू किया जाएगा। परिवर्तनों के हिस्से के रूप में, डिलीवरी के बिंदु पर बल्लेबाज के पैरों की स्थिति को अब वाइड के लिए संदर्भ बिंदु के रूप में उपयोग किया जाएगा, भले ही बल्लेबाज बाद में ऑफ साइड में चला जाए। ट्रायल में देखा जाएगा कि लेग स्टंप और प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर के बीच पॉपिंग क्रीज से गुजरने वाली गेंद को वाइड नहीं कहा जाएगा। इसमें मदद करने के लिए, प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर लाइन को पॉपिंग क्रीज तक बढ़ाया जाएगा और यह अंपायरों के लिए एक गाइड के रूप में काम करेगा।

1. टेस्ट क्रिकेट में स्टॉप क्लॉक लागू : फील्डिंग टीम को 60 सेकंड के भीतर नया ओवर शुरू करना होगा।
हर पारी में दो चेतावनी के बाद प्रति उल्लंघन पांच रन की पेनल्टी लगेगी।
चेतावनियां हर 80 ओवर के बाद नई गेंद के साथ रीसेट होंगी।

2. वनडे में गेंदों के उपयोग का नया नियम : दो गेंदों का उपयोग पहले 34 ओवरों तक सीमित रहेगा।
अंतिम 16 ओवरों के लिए फील्डिंग टीम एक गेंद का चयन करेगी।

3. बाउंड्री कैच के नियम में बदलाव : बाउंड्री के बाहर गेंद से हवा में संपर्क करने वाला खिलाड़ी मैदान के अंदर उतरना जरूरी होगा।
दोबारा छलांग लगाने की स्थिति में केवल एक बार गेंद से संपर्क की अनुमति होगी।

4. कन्कशन रिप्लेसमेंट के नए निर्देश : कन्कशन सब्स्टीट्यूट को अब पहले से नामांकित करना अनिवार्य।
कन्कशन से पीड़ित खिलाड़ी कम से कम सात दिन तक नहीं खेल सकेगा।

5. व्हाइट-बॉल क्रिकेट में वाइड बॉल का नया नियम : बल्लेबाज के डिलीवरी के समय पैर की स्थिति वाइड के लिए मानी जाएगी।
लेग स्टंप से बाहर जाती गेंद, पॉपिंग क्रीज के संदर्भ में वाइड मानी जाएगी या नहीं, इसका ट्रायल होगा।

6. प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर का विस्तार : प्रोटेक्टेड एरिया मार्कर अब पॉपिंग क्रीज तक बढ़ाया जाएगा।
यह अंपायरों के लिए वाइड बॉल निर्धारण में मार्गदर्शक होगा।

जसपाल राणा: भारत का मशहूर निशानेबाज जिसने मनु भाकर को बनाया ओलंपिक मेडलिस्ट

नई दिल्ली । जसपाल राणा भारत के मशहूर निशानेबाज हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स में यादगार प्रदर्शन करते हुए राणा ने देश में निशानेबाजी को लोकप्रिय बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस खेल को अलविदा कहने के बाद वे बतौर कोच सक्रिय हैं। 28 जून 1976 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे जसपाल राणा ने 12 साल की उम्र में सिल्वर मेडल जीत राष्ट्रीय स्तर पर अपनी शानदार शुरुआत की थी। राणा ने 1988 में 31वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिता में सिल्वर जीता था। 1994 में इटली के मिलान में आयोजित विश्व निशानेबाजी प्रतियोगिता में जूनियर स्तर पर उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बनाते अपना नाम अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाया। जसपाल राणा ने 1996 में अटलांटा ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। राणा 1994 एशियन गेम्स में 1 जबकि 2006 एशियन गेम्स में 3 गोल्ड जीते थे। 2006 में उन्होंने एक सिल्वर भी जीता था। 1998 एशियन गेम्स में सिल्वर, 1994 और 1998 एशियन गेम्स में उन्होंने ब्रांज मेडल जीता था। राष्ट्रमंडल खेलों भी जसपाल राणा का शानदार प्रदर्शन रहा है। 1994 से लेकर 2006 के बीच चार राष्ट्रमंडल खेलों में 9 गोल्ड जीते। 2002 में मेलबर्न में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल में उन्होंने 4 गोल्ड मेडल जीते थे।

जूनियर मुक्केबाजी नेशनल चैंपियनशिप

सर्विसेज के लड़के और लड़कियों का 'गोल्डन' प्रदर्शन

रोहतक (आईएएनएस)

- पिछली विजेता हरियाणा को हराकर पहला स्थान पाया

सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने जूनियर (अंडर-17) लड़कों और लड़कियों की राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम रखा और लड़कों और लड़कियों दोनों श्रेणियों में ओवरऑल चैंपियन बनकर उभरे। सर्विसेज ने लड़कों के वर्ग में टीम खिताब फिर से हासिल किया और लड़कियों की श्रेणी में निर्णायक जीत हासिल की। उन्होंने पिछली विजेता हरियाणा को हराकर पहला स्थान पाया। हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा। सर्विसेज की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए रोहतक स्थित नेशनल बॉक्सिंग एकेडमी में हुए हफ्ते भर के टूर्नामेंट में लड़कों और लड़कियों में 9-9 पदक जीते। लड़कों की टीम ने 6 स्वर्ण, 2 रजत और 1 कांस्य पदक जीते, जबकि लड़कियों ने 4 स्वर्ण, 4 रजत और 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। लड़कों की चैंपियनशिप में महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर रहा, वहीं लड़कियों में मणिपुर ने तीसरा स्थान हासिल किया। लड़कियों के मुकाबले में कई जानी-पहचानी खिलाड़ियों का प्रदर्शन छाया रहा, जिन्होंने हाल ही में एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप में भी अच्छा प्रदर्शन किया था। दिल्ली की अहाना शर्मा ने 50 किग्रा वर्ग में शानदार जीत हासिल की। उत्तराखंड की खुशी चंद ने 46 किग्रा में 3-2 से करीबी जीत दर्ज की, और हरियाणा की अंशिका ने 80 प्लस किग्रा वर्ग में अपनी पकड़ बरकरार रखी। सर्विसेज की दोनों टीमों की जीत में फाइनल में दमदार मुकाबलों ने अहम भूमिका निभाई। लड़कों की प्रतियोगिता में, एशियाई अंडर-17 चैंपियनशिप में हाल ही में पदक जीतने वाले उधम सिंह राघव ने 54 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि साहिल दुहान (60 किग्रा), प्रियांश सेहरावत (70 किग्रा), जयदीप सिंह हंजरा (80 किग्रा) और राहुल (80+ किग्रा) ने भी शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। लक्ष्य बल्हारा ने 4-1 से अमन सिवाच को हराया, जबकि हरियाणा के आदित्य ने 52 किग्रा में टिकम सिंह को कड़े मुकाबले में मात दी। एसएससीबी की लड़कियों की टीम को नैतिक (52 किग्रा), चंद्रिका पुजारी (54 किग्रा), हरसिका (60 किग्रा) और हमूर कौर (66 किग्रा) की शानदार जीत से मजबूती मिली, जिसमें से हरसिका ने तीसरे राउंड में स्टॉपेज स्कोर किया। 80 किग्रा वर्ग में प्राची खत्री की दमदार आरएससी जीत, साथ ही हिमांशी (70 किग्रा) और जिया (48 किग्रा) ने भी खिताब जीते, जो देश में उभरती महिला मुक्केबाजों की ताकत दिखाता है।

हम चीन के खिलाफ अपनी ताकत के अनुसार खेलेंगे: कप्तान सलीमा

बर्लिन । करो या मरो वाले डबल-हेडर में, भारतीय महिला हॉकी टीम एशियाई प्रतिद्वंद्वी चीन का सामना करेगी और 28 तथा 29 जून को बर्लिन में एफआईएच हॉकी प्रो लीग (महिला) 2024-25 में अपनी हार का सिलसिला खत्म करने की उम्मीद करेगी। सलीमा टेटे की अगुवाई वाली टीम अपने पुरुष हमवतन से प्रेरणा लेगी, जिन्होंने पिछले हफ्ते प्रो लीग में बेल्जियम के खिलाफ शानदार जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया। इससे उन्हें अंक तालिका में आयरलैंड से आगे आठवें स्थान पर रहने में मदद मिली। चीन वर्तमान में प्रो लीग अंक तालिका में चौथे स्थान पर है, जबकि भारत अंतिम स्थान पर है - नौवें स्थान पर, जबकि इंग्लैंड आठवें स्थान पर एक अंक से आगे है। दोनों टीमों ने अभी लीग में दो मैच नहीं खेले हैं। कप्तान सलीमा टेटे ने कहा, "यह सप्ताहांत में हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण डबल-हेडर है। लेकिन हम भारतीय पुरुष टीम से प्रेरणा लेंगे, जिसने बेल्जियम के खिलाफ एक प्रेरणादायक जीत हासिल की।

जिम्बाब्वे के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में एडम मिल्ने की वापसी

वेलिंग्टन (आईएएनएस)

न्यूजीलैंड ने अगले महीने जिम्बाब्वे में होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए एडम मिल्ने और बेवन जैकब्स को अपनी टीम में शामिल किया है, लेकिन टीम में केन विलियमसन और लॉकी फर्ग्युसन की गैरमौजूदगी रहेगी क्योंकि नए मुख्य कोच रॉब वॉल्टर 2026 टी20 विश्व कप की तैयारियां शुरू करना चाह रहे हैं। विलियमसन फिलहाल मिडिलसेक्स के साथ हैं और बाद में लंदन स्पिरिट के लिए हंड्रेड में खेलेंगे। उन्होंने इस दौरे के लिए खुद को अनुपलब्ध बताया है, जबकि फर्ग्युसन को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। काइल जेमीसन भी टीम में नहीं हैं क्योंकि वह अपने पहले बच्चे के जन्म का इंतजार कर रहे हैं और बेन सीयर्स को साइड इंजरी हुई है। मिल्ने ने आखिरी बार फरवरी 2024 में टी20 खेला था और टखने की सर्जरी के कारण पिछले विश्व कप में जगह बनाने से चूक गए थे। वह मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में टेक्सास सुपर किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और चार मैचों में नौ विकेट ले चुके हैं। बेवन जैकब्स को पहली बार क्रिसमस के दौरान श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए बुलाया गया था, जब उन्हें आईपीएल नीलामी में मुंबई इंडियंस ने चौंकाते हुए चुना था। कई खिलाड़ी जैसे ग्लेन फिलिप्स, रचिन रविंद्र और कप्तान मिचेल सैंटनर, पाकिस्तान के खिलाफ मार्च में हुई सीरीज से चूकने के बाद वापसी कर रहे हैं, क्योंकि वे आईपीएल में व्यस्त थे। हालांकि डेवोन कॉन्वे को टीम में जगह नहीं मिली है। वॉल्टर ने कहा, "मुझे लगता है कि इस दौरे के लिए हमारे पास एक मजबूत टीम है और मैं टीम को एक साथ लाने और काम शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। टीम में अच्छा अनुभव है और यह भी अच्छा है कि हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों का स्वागत कर रहे हैं जो मार्च में आईपीएल के कारण पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेल सके। यह टी20 त्रिकोणीय सीरीज शानदार होनी चाहिए। दक्षिण अफ्रीका बहुत मजबूत टीम है और जिम्बाब्वे अपने घरेलू हालात में अच्छा खेलता है। वॉल्टर को इसे महीने की शुरुआत में सभी प्रारूपों के लिए न्यूजीलैंड का कोच नियुक्त किया गया है। उन के कोचिंग स्टाफ में ल्यूक रोंची, जेकब ओरम और जेम्स फॉस्टर शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह टी20 त्रिकोणीय सीरीज न्यूजीलैंड को "विभिन्न खिलाड़ियों और संयोजनों को आजमाने" का मौका देगी और विस्फोटक जैकब्स को डेब्यू करने का अवसर मिल सकता है। उन्होंने कहा, "बेवन घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी लीगों में भी खेलने अनुभव प्राप्त किया है। तो यह उनके लिए टीम में लौटने और संभवतः खेलने का अच्छा मौका होगा।

टी20 मैचों में ओवर कटने के बाद पावरप्ले अब गेंदों की संख्या के आधार पर

दुबई। पुरुषों के टी20 के पावरप्ले नियमों में कुछ अहम बदलाव हुए हैं। अब अगर बारिश या किसी अन्य कारण से पारी के ओवर कम किए जाते हैं, तो पावरप्ले को ओवर की बजाय गेंदों के आधार पर तय किया जाएगा। वर्तमान नियमों के अनुसार 20 ओवर की पारी में शुरुआती छह ओवर पावरप्ले के होते हैं। नए नियमों के अनुसार आठ ओवर की पारी में अब 2.2 ओवर का पावरप्ले होगा। इसी तरह नौ ओवर की पारी में 2.4 ओवर का पावरप्ले होगा। ये नियम जुलाई से प्रभावी होंगे। ऊपर दिए गए आठ ओवर के उदाहरण में, तीसरे ओवर की दो गेंदों के बाद अंपायर संकेत देंगे, जिसके बाद तीन अतिरिक्त फील्डर सर्कल के भीतर से बाहर जा सकेंगे। यह नियम इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट टूर्नामेंट में कई सालों से उपयोग किया जा रहा है।

बार्सिलोना और एथलेटिक क्लब में निको विलियम्स को लेकर संघर्ष

मैड्रिड (आईएएनएस)

एथलेटिक क्लब और एफसी बार्सिलोना के बीच जोरदार टकराव चल रहा है, क्योंकि बार्सिलोना स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी विंगर निको विलियम्स को अपनी टीम में शामिल करना चाहता है। बार्सिलोना लगातार दूसरी गर्मियों में विलियम्स को साइन करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन एथलेटिक क्लब अपने स्टार खिलाड़ी की बिक्री पर बातचीत करने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में बार्सिलोना के पास खिलाड़ी के कॉन्ट्रैक्ट में तय की गई 58 मिलियन यूरो (करीब 68 मिलियन अमेरिकी डॉलर) के रिलीज क्लॉज को एक्टिव करने का ही रास्ता बचा है। बार्सिलोना के लिए यह भी मुश्किल है, क्योंकि ला लीगा में वित्तीय नियम (फाइनेंशियल फेयर प्ले) बहुत सख्त हैं। डैनी ओल्मो को केवल तभी खेलने की छूट दी गई जब क्लब ने स्पेन की सुपीरियर स्पोर्ट्स कमेटी से अपील की, और यह स्पष्ट नहीं है कि क्या क्लब अब खिलाड़ियों को हटाए बिना नए खिलाड़ियों को साइन करने की वित्तीय स्थिति में है। इसी बीच बार्सिलोना के स्पोर्टिंग डायरेक्टर डेको ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि विलियम्स खुद एथलेटिक क्लब को बता चुके हैं कि वे बार्सिलोना आना चाहते हैं। इस बयान से एथलेटिक क्लब नाराज हो गया और उन्होंने ला लीगा और स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन से बार्सिलोना की आर्थिक स्थिति की जांच करने को कहा। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस पर बार्सिलोना के प्रेसिडेंट जोआन लापोर्ता भड़क गए।

व्यापार/लाइफ व साइंस

'अदाणी' भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाला ब्रांड बना

इंफ्रा और ग्रीन एनर्जी पर रहा फोकस

- अदाणी पावर ने 100 बिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का आंकड़ा पार किया।
- **यह उपलब्धि किसी भी निजी क्षेत्र की कंपनी द्वारा पहली बार हासिल की गई है।**
- अदाणी पावर भारत की पहली निजी कंपनी बनी जिसने यह रिकॉर्ड बनाया।

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अदाणी समूह इस साल सबसे तेजी से बढ़ने वाला भारतीय ब्रांड बन गया है। इसकी ब्रांड वैल्यू में 82 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। लंदन स्थित ब्रांड फाइनेंस की 'सबसे मूल्यवान भारतीय ब्रांड 2025' रिपोर्ट में कहा गया है कि समूह की वृद्धि का श्रेय एग्रेसिव और इंटीग्रेटेड इंफ्रास्ट्रक्चर फोकस, ग्रीन एनर्जी महत्वाकांक्षाओं में उछाल और प्रमुख हितधारकों में बढ़ी हुई ब्रांड इक्विटी को जाता है। अदाणी ब्रांड का मूल्य 2024 के 3.55 बिलियन डॉलर से बढ़कर 6.46 बिलियन डॉलर हो गया है, जो 2.91 बिलियन डॉलर की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि समूह की रणनीतिक स्पष्टता, मजबूती और सस्टेनेबिलिटी के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष अदाणी ब्रांड के मूल्य में वृद्धि 2023 में रिपोर्ट किए गए पूरे ब्रांड वैल्यूएशन से अधिक है, जिससे अदाणी समूह को पिछले वर्ष के 16वें स्थान से 13वें स्थान पर आने में मदद मिली है। कंपनी ने रिकॉर्ड तोड़ राजस्व, शानदार वृद्धि और ऐतिहासिक लाभ अर्जित किया है इस सप्ताह अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) की 33वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी ने कहा, "वित्त वर्ष 2025 में, हमारे आंकड़े मजबूत थे।

हमारे सभी क्षेत्रों में, हमने केवल विस्तार से कहीं अधिक किया। हमने प्रभाव पैदा किया, बदलाव को प्रेरित किया और सबसे महत्वपूर्ण बात, हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को गहरा किया। समूह स्तर पर कंसोलिडेटेड आंकड़ों के संदर्भ में, राजस्व में 7 प्रतिशत, ईबीआईटीडीए में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई और नेट डेट-टू-ईबीआईटीडीए रेश्यो 2.6 गुना पर स्वस्थ रहा। कुल राजस्व 2,71,664 करोड़ रुपए था और एडजस्टेड ईबीआईटीडीए 89,806 करोड़ रुपए था। गौतम अदाणी ने कहा, "हमारे सभी व्यवसायों में पूंजी निवेश सभी रिकॉर्ड को तोड़ने वाला है।

भारतीय शेयर बाजार 9 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंचा सेंसेक्स 84,000 के पार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को मजबूती के साथ बंद हुए, बेंचमार्क सूचकांक नौ महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और भारत-अमेरिका के बीच बड़े व्यापार समझौते की संभावना की खबरों के बीच निवेशकों का मूड सकारात्मक रहा, जिससे बाजार का भरोसा बढ़ा और खरीदारी को बढ़ावा मिला। सेंसेक्स कारोबार के अंत में 303.03 अंक या 0.36 प्रतिशत चढ़कर 84,058.90 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 83,645.41 से 84,089.35 के दायरे में कारोबार करता रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में लगातार चौथे सत्र में बढ़त दर्ज की गई, जो लगातार ऊपर की ओर रुझान दर्शाता है। निफ्टी में भी इसी तरह की तेजी देखी गई, जो 88.80 अंक या 0.35 प्रतिशत चढ़कर 25,637.80 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे ट्रेड में यह 25,523 और 25,654 के बीच रहा। एलकेपी सिक्योरिटीज के रूपक दे ने कहा, "निफ्टी लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है क्योंकि निवेशकों का भरोसा मजबूत बना हुआ है। 25,750-25,800 से पहले कोई बड़ा प्रतिरोध नहीं देखा गया है, इसलिए सूचकांक अपने ऊपर की ओर बढ़ने की राह पर आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में तेज उछाल के बाद मौजूदा स्तरों पर बाय-ऑन-डिप्स की रणनीति अधिक उपयुक्त प्रतीत होती है। नीचे की ओर, समर्थन 25,500 पर रखा गया है; इस स्तर से नीचे टूटने से कंसोलिडेशन हो सकता है। इससे पहले, सेंसेक्स ने अक्टूबर 2024 में 84,000 स्तर को छुआ था, जबकि निफ्टी पिछले साल 3 अक्टूबर को 25,639 पर पहुंच गया था।

नया एआई टूल कैंसर के इलाज में लाएगा क्रांतिकारी बदलाव

नई दिल्ली (आईएएनएस)

अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की टीम ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल बनाया है, जो कैंसर के इलाज में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। यह नई तकनीक कैंसर के इलाज में एक बड़ी समस्या को हल करती है, कई बार ट्यूमर में एक जैसी नहीं, बल्कि अलग-अलग तरह की कोशिकाएं होती हैं। इसे 'ट्यूमर हेटेरोजेनेटी' कहा जाता है। हर तरह की कोशिका इलाज पर अलग-अलग तरीके से प्रतिक्रिया करती है। कुछ कोशिकाएं इलाज से मर जाती हैं, लेकिन कुछ बच जाती हैं, जो आगे चलकर कैंसर की वापसी का कारण बनती हैं। 'एएनेट' नाम का एआई टूल ऑस्ट्रेलिया के गारवन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च और अमेरिका की येल स्कूल ऑफ मेडिसिन ने मिलकर बनाया है। यह टूल कैंसर की हर एक कोशिका के अंदर होने वाली जीन की गतिविधि को गहराई से अध्ययन करेगा। अंतरराष्ट्रीय रिसर्च टीम ने बताया कि इस एआई टूल की मदद से ट्यूमर के अंदर 5 अलग-अलग तरह की कोशिकाएं पाई गईं। हर एक का अपना अलग व्यवहार और फैलने के अलग-अलग खतरे थे। पुराने तरीकों से डॉक्टर सभी कैंसर कोशिकाओं को एक जैसा मानकर इलाज करते थे, लेकिन अब इस नई तकनीक से बेहतर इलाज किया जा सकेगा। गारवन इंस्टीट्यूट की एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस्टीन चैफर ने बताया, "ट्यूमर हेटेरोजेनेटी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि ट्यूमर का इलाज सभी कोशिकाओं को एक जैसी मानकर किया जाता है। इसके तहत, हम एक ऐसी थेरेपी देते हैं, जो ट्यूमर की ज्यादातर कोशिकाओं को एक खास तरीके से मारती है।

आईआईटी-बीएचयू के वैज्ञानिकों ने बनाए खून का थक्का बनने से रोकने वाले नैनो पार्टिकल्स

नई दिल्ली (आईएएनएस)

उत्तर प्रदेश के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी)-बीएचयू के बायोमेडिकल इंजीनियरों ने एक खास तरह के नैनो पार्टिकल्स विकसित किए हैं। यह नैनोपार्टिकल खून के थक्के बनने से रोक सकते है और थ्रोम्बोटिक विकारों (खून के थक्के जमने से होने वाली बीमारियां) का इलाज भी कर सकते हैं। यह कम लागत वाले नैनो पार्टिकल्स ब्लड को तरल अवस्था में रखने और चिकित्सा उपकरणों की दक्षता बढ़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों की एक टीम ने नैनो पार्टिकल्स को बनाया, जिन्हें पोटेशियम फेरिक ऑक्सलेट नैनो पार्टिकल्स कहा जाता है। ये खून को जमने से रोकने में मदद करते हैं, जिसे एंटीकोगुलेशन गुण कहते हैं। इसका मतलब है कि ये खून को पतला रखने में सहायक हो सकते हैं, ताकि वह रक्त वाहिकाओं में आसानी से बहे और रुकावट न आए।

शहर में भव्य रथ यात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा भगवान जगन्नाथ का रथ

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर में शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्राओं का आयोजन तीन प्रमुख स्थानों से हुआ, जिसमें हजारों श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। रथ खींचने की परंपरा निभाते हुए श्रद्धालुओं ने जयघोष के साथ रस्सी खींची और भगवान के दर्शन किए।

शहर के रामजानकी मंदिर, पुलिस लाइन रोड स्थित हरे कृष्ण निवास और ठाकुरबाड़ी मंदिर से निकली रथ यात्राओं में भक्त पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़ों की थाप पर थिरकते नजर आए। रथों के साथ कलाकारों द्वारा देवी-देवताओं के भेष में प्रस्तुति भी दी गई, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। इस्कॉन के नेतृत्व में निकली यात्रा में मार्गभर फूल वर्षा की गई और भव्य स्वागत किया गया।रथ यात्रा के दौरान विभिन्न संगठनों—जैसे श्री रामजानकी मंदिर ट्रस्ट, अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, श्री श्याम मित्र मंडल, अग्रवाल क्लब, परशुराम वाहिनी—द्वारा श्रद्धालुओं के बीच हलवा, लस्सी, जल आदि का वितरण किया गया। रथ यात्रा के मार्ग पर नगर निगम द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया।

श्रद्धालुओं की भीड़ के चलते यातायात पर असर पड़ा। शहर थाना प्रभारी ज्योति लाल रजवार के नेतृत्व में पुलिस बल ने सुरक्षा और विधि-व्यवस्था संभाली। प्रमुख उपस्थितजनों में पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी, पूर्व मेयर अरुणा शंकर, भाजपा प्रदेश महामंत्री मनोज कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि व सामाजिक कार्यकर्ता शामिल रहे।

रथ यात्रा को लेकर नगर निगम ने किया सफाई अभियान और ब्लीचिंग छिड़काव

मेदिनीनगर। नगर निगम मेदिनीनगर द्वारा शुक्रवार को भगवान जगन्नाथ की रथ यात्राओं को लेकर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। रथ यात्रा मार्गों पर सफाई के साथ ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो के निर्देशन में चलाए गए इस अभियान की निगरानी नोडल पदाधिकारी शाहिद हसन ने की। उन्होंने बताया कि रथ यात्रा मार्गों पर गंदगी और दुर्गंध की शिकायतें मिलती थीं, जिसे देखते हुए मुख्य चौक-चौराहों और मंदिरों के रास्तों की सफाई के साथ रसायनिक छिड़काव किया गया है। तीनों प्रमुख रथ यात्रा स्थलों—रामजानकी मंदिर, हरे कृष्ण निवास और ठाकुरबाड़ी मंदिर—के आसपास भी विशेष सफाई की गई। नगर निगम ने कर्मचारियों को अतिरिक्त कार्यबल के साथ तैनात किया और सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कीं। नगर निगम का यह प्रयास श्रद्धालुओं में सराहना का विषय बना और लोगों ने रथ यात्रा के दौरान स्वच्छ वातावरण के लिए निगम को धन्यवाद दिया।

लेस्लीगंज में सोना महल दुकान से चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश व उड़ीसा के निवासी निकले अपराधी

- 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी और बाइक समेत अन्य सामान बरामद, गिरोह के दो सदस्य अब भी फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में 21 जून को सोना महल दुकान के मालिक अरुण प्रसाद सोनी के वाहन की डिक्की से आभूषण भरा बैग चोरी कर फरार हुए अपराधियों में से दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में लेस्लीगंज पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए लगातार छापेमारी की, जिसके बाद चैनपुर थाना क्षेत्र के लाडी गांव में किराए पर रह रहे संदिग्ध लोगों की जानकारी मिली। पुलिस ने जब लाडी गांव स्थित रंजीत शर्मा के किराए के मकान में दबिश दी, तो वहां रह रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आंवला दुर्गा प्रसाद (उम्र 27, गुमड़ी कोंडा, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश) और आंवला बलराम (उम्र 25, पिता- आंवला सुरेश, ग्राम- कोरटोली, उड़ीसा) के रूप में हुई है। उनके पास से चोरी के लगभग 135 ग्राम सोना, 1150 ग्राम चांदी, दो मोबाइल फोन और एक पल्सर बाइक बरामद की गई। पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने बताया कि यह एक संगठित गिरोह है जो पहले किसी क्षेत्र में 10–15 दिन रेकी करता है और उसके बाद सुनियोजित तरीके से चोरी की घटनाओं को अंजाम देता है। दोनों गिरफ्तार अपराधी पिछले छह महीनों से चैनपुर के लाडी गांव में रह रहे थे। गिरोह के अन्य दो सदस्य अब भी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस कप्तान ने यह भी बताया कि इसी गिरोह के सदस्यों ने मनिका में भी एक घटना को अंजाम दिया है। 21 जून को ही पलामू के सदर और शहर थाना क्षेत्रों में गले से चेन छिनतई की तीन घटनाएं हुई थीं, जिनकी छानबीन जारी है। गिरफ्तार आंवला बलराम के खिलाफ पूर्व में मुजफ्फरपुर (बिहार) और नयागढ़ (उड़ीसा) थानों में आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोज कुमार झा, थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय, विक्रम शिला, सुबोध कुमार, नबी अंसारी, बबन यादव, रितेश कुमार, चैनपुर थाना पुलिस और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस का कहना है कि फरार अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर पूरे गिरोह का खुलासा किया जाएगा।

वज्रपात से तीन गायों की मौत, पीड़ित पशुपालकों ने मुआवजे की उठाई मांग

कुंदा (चतरा)। कुंदा थाना क्षेत्र अंतर्गत इचातु, मदारपुर और पिंजनी गांवों में शुक्रवार को हुई वज्रपात की घटना में तीन दुधारू गायों की मौत हो गई। इससे स्थानीय पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। घटना की जानकारी देते हुए द्वारिका यादव, चंद्रशेखर यादव और नंदू गंझू ने बताया कि उनकी गायें खेतों में घास चर रही थीं। बारिश शुरू होते ही वे पास के पेड़ के नीचे चली गईं, तभी अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिससे तीनों गायों की मौके पर ही मौत हो गई।

पीड़ितों ने बताया कि इन दुधारू गायों को उन्होंने हाल ही में शिवरात्रि मेले से खरीद कर लाए थे और उनके घर की आजीविका का मुख्य आधार यही पशु थे। गायों की असमय मृत्यु से उनका रोज़गार और दूध का उत्पादन दोनों प्रभावित हुआ है। पशुपालकों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी क्षति का आंकलन कर उन्हें यथाशीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे फिर से अपना पालन-पोषण कर सकें।

इधर, स्थानीय मुखिया और जनप्रतिनिधियों ने भी मौके पर पहुंच कर पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाया और प्रशासन से यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

चंदवा थाना में मुहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आज

चंदवा। आगामी मुहर्रम पर्व को लेकर चंदवा थाना परिसर में शनिवार को अपराह्न 3 बजे से शांति समिति की बैठक आहूत की गई है। बैठक में मुहर्रम पर्व को परस्पर और आपसी सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाना उद्देश्य है। बैठक में सभी राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों, पंचायतीराज प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि,समाजसेवी व प्रबुद्धजनों को ससमय उपस्थित होकर अपना बहुमूल्य सुझाव देने की अपील की गई है। उक्त जानकारी चंदवा पुलिस निरीक्षक रणधीर कुमार सिंह ने दी है।

झामुमो कार्यकर्ता की पहल पर चितरपुर में क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के चितरपुर गांव में बीते दिनों बारिश के चलते बह गई सड़क को झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष औरंगजेब खान की पहल पर जेसीबी और मजदूरों की मदद से मरम्मत करा दिया गया। राष्ट्रीय नवीन मेल में खबर प्रकाशित होने के बाद झामुमो जिला अध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने तुरंत कार्यवाही का निर्देश दिया। सड़क की मरम्मत से ग्रामीणों को राहत मिली है और उन्होंने पार्टी नेताओं को धन्यवाद दिया।

30 जून तक जमा करें होल्डिंग टैक्स, मिलेगी 15% की छूट

लातेहार। नगर पंचायत लातेहार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवासीय परिसर पर बकाया होल्डिंग टैक्स जमा करने वालों को 15 प्रतिशत तक की छूट देने की घोषणा की है। यह छूट आगामी 30 जून तक मान्य होगी। नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह छूट सिर्फ 30 जून 2025 तक टैक्स जमा करने पर दी जाएगी। 1 जुलाई से टैक्स भुगतान करने पर ब्याज भी लिया जाएगा।

होल्डिंग टैक्स जमा करने के लिए आदित्य कुमार (टीम लीडर, जन सुविधा केंद्र) से 9905900425 या टैक्स कलेक्टर बिरसा उरांव से 7004793011 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही रविवार और सोमवार को भी कार्यालय खुला रहेगा ताकि लोग टैक्स जमा कर सकें। नगर प्रबंधक ने लोगों से अपील की है कि वे समय रहते टैक्स जमा करें और छूट का लाभ लें।

प्रियंका का नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में चयन, झारखंड से करेंगी प्रतिनिधित्व

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले की उभरती हुई कबड्डी खिलाड़ी प्रियंका कुमारी का चयन प्रथम नेशनल अंडर-18 कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 1 जुलाई से उत्तराखंड के हरिद्वार में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रियंका झारखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। बता दें कि 14-15 जून को बोकारो में आयोजित प्रथम राज्य स्तरीय अंडर-18 बालक-बालिका कबड्डी प्रतियोगिता में प्रियंका ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया, जिसके आधार पर उनका चयन राष्ट्रीय टीम में हुआ। प्रियंका लातेहार जिले की पहली खिलाड़ी हैं जिन्हें नेशनल स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में खेलने का अवसर मिला है। उनके इस चयन पर जिला खेल पदाधिकारी संजीत कुमार सहित कई खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। जानकारी के अनुसार, प्रियंका झारखंड की टीम के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हरिद्वार रवाना हो चुकी हैं।

चमातू के व्यवसायी का रांची रेलवे ट्रैक पर मिला शव, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड क्षेत्र के चमातू गांव निवासी व्यवसायी राजेश साहू का शव रांची रेलवे ट्रैक पर संदिग्ध हालत में मिला। राजेश साहू वर्षों से रांची में कारपेंटर की दुकान चलाते थे और रांची शहर में ही अपने परिवार के साथ रहते थे। जानकारी के अनुसार, उनका शव उनके निवास स्थान से लगभग दो किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक के पास बरामद किया गया। परिजनों ने पुलिस से स्पष्ट मांग की है कि यह मामला केवल हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या हो सकती है।

घटना की सूचना मिलते ही पूरे गांव में मातम पसर गया है। राजेश के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

परिजनों ने बताया कि राजेश का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वो मेहनती और मिलनसार इंसान थे। ऐसे में उनकी अचानक संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने सभी को चौंका दिया है।

रांची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह आत्महत्या है या हत्या। इधर चमातू गांव में शोक की लहर है, और ग्रामीणों ने राजेश साहू की मौत की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

संत जेवियर्स महाविद्यालय में सिस्टर मैरी एंजेल के नेतृत्व में आयोजित हुआ संकाय सह विद्यार्थी विकास कार्यक्रम

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संत जेवियर्स महाविद्यालय, महुआडांड़ में शुक्रवार को एक विशेष संकाय सह विद्यार्थी विकास कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशाखापट्टनम से आईं वाइस प्रोविंशियल सिस्टर मैरी एंजेल मुख्य अतिथि थीं। महाविद्यालय परिसर में पारंपरिक स्वागत के साथ आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्राचार्य डॉ. फादर एम. के. जोश ने सिस्टर का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया और उनके योगदानों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सिस्टर मैरी एंजेल ने कहा कि आज के डिजिटल युग में शिक्षा की पद्धति को विद्यार्थियों की विविधता के अनुसार ढालना आवश्यक है। उन्होंने गुरु की महत्ता पर बल देते हुए छात्रों से शिक्षा और अध्यापक के प्रति समर्पण की अपेक्षा जताई।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को जीवंत बनाया गया। संचालन भूगोल विभागाध्यक्ष शेफाली प्रकाश ने किया। इस अवसर पर कॉलेज के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय में विधायक प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। विधायक प्रतिनिधि सम्मान समारोह का आयोजन भाजपा कार्यालय में पेजल एवं स्वच्छता विभाग के विधायक प्रतिनिधि अनिल प्रसाद के अध्यक्षता मे किया गया.इस आयोजन मे विधायक प्रतिनिधि योगेन्द्र गंझु को मिठाई व अंगवस्त्र देकर हर्षौल्लास के साथ सम्मानित किया गया. योगेंद्र गंझु को माननीय विधायक प्रकाश राम ने अनुसूचित जनजाती वर्ग कल्याण विभाग का दायित्व सौंपा गया है, इसके साथ उपस्थित लोगो एक दूसरे को मिठाई खिलाकर ख़ुश जाहिर किए. मौके पर स्वास्थ विभाग के विधायक प्रतिनिधि देवनन्दन प्रसाद, भाजपा युवा नेता सोनू प्रजापति, समाज सेवी भीम प्रजापति, जगदीश उरांव, महेश गझु, तेजू गंझु, आनंद प्रजापति, रिंकू यादव, जतन प्रजापति, तुलेश्वर यादव, संतोष ठाकुर, विष्णुदेव यादव, मुकेश गंझु, जीतन गझु, बिनोद गझु, धीरज राणा, सुनील सिंह, द्वारिका यादव, दिलीप साव, अशोक गंझु, रवि गंझु, प्रकाश यादव,बबलू सिंह बसंत प्रजापति, रामनाथ उरांव, सुरेंद्र गंझु, संजीत सिंह, तथा सैकड़ो संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

परेशानी पचमो मोड़ यात्री शेड की दुर्दशा

बरसात में पेड़ के नीचे खड़े होने को विवश यात्री

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड के पचमो मोड़ से करमा तक यात्री सुविधा के लिए बना यात्री शेड अब जर्जर अवस्था में पहुंच गया है। यह शेड वर्षों पहले बनाया गया था, लेकिन रखरखाव के अभाव में अब पूरी तरह से टूट चुका है और यात्रियों के उपयोग लायक नहीं रह गया है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि गर्मी, बरसात और तेज धूप से बचने के लिए यहां बैठने का कोई उचित स्थान नहीं बचा है। मानसून शुरू होने के बाद जब तेज बारिश होती है, तो यात्री और बाइक सवार लोग मजबूरी में नजदीकी पेड़ों के नीचे शरण लेते हैं।

यात्री शेड बनवाने की मांग

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है क्योंकि राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेबस हैं। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नया यात्री शेड बनवाने की मांग की, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

यह स्थिति काफी खतरनाक भी है क्योंकि राज्य सरकार वज्रपात से बचने के लिए पेड़ के नीचे रुकने से मना करती है, लेकिन यात्री बेबस हैं। स्थानीय ग्रामीणों और यात्रियों ने कई बार जनप्रतिनिधियों से नया यात्री शेड बनवाने की मांग की, लेकिन अब तक किसी ने संज्ञान नहीं लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही नया यात्री शेड नहीं बना तो आने वाले दिनों में यात्रियों को अधिक परेशानी उठानी पड़ेगी। प्रशासन और संबंधित विभाग से शीघ्र समाधान की अपेक्षा की जा रही है।

पेज एक के शेष

जनता जनार्दन के...

हर कोई रथ को छूने और भगवान को मौसीबाड़ी तक पहुंचाने की लालसा लिए अनुष्ठान में शामिल होना चाह रहा था। आचार्य और श्रद्धालुओं के जयकारों, मंत्रोच्चार और वाद्ययंत्रों की गूंज ने जगन्नाथपुर मंदिर परिसर में भक्तिभाव से लोगों को सराबोर कर दिया। जगन्नाथपुर मंदिर में रथयात्रा के दौरान शुक्रवार को दिनभर विशेष पूजा-अनुष्ठान का आयोजन हुआ। भोर में चार बजे मंगल आरती से वैधानिक कार्यक्रम शुरू होकर रात आठ बजे श्री विग्रहों के शयनम से पूरा हुआ। जगन्नाथपुर मंदिर के मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी के अनुसार, सुबह चार बजे मंगला आरती हुई। इसके बाद भगवान को पंचामृत स्नान कराया गया। पांच बजे श्री विग्रहों का दर्शन सुलभ हुआ। इसके बाद दिन में दो बजे तक भोग, हवन, कीर्तन और आरती जैसे धार्मिक अनुष्ठानों की प्रक्रिया जारी रही। मुख्य पुजारी रामेश्वर पाढ़ी के अनुसार, दिन में दो बजे श्रद्धालुओं के लिए दर्शन बंद हुआ। सभी श्री विग्रहों को मुख्य मंदिर से रथ के लिए क्रमशः श्री सुदर्शनचक्र गरुड़जी, लक्ष्मी नरसिंह, बलभद्र स्वामी, सुभद्रा माता, श्री जगन्नाथ स्वामी को रथ के लिए प्रस्थान कराया गया। दिन में 2:30 बजे तक सभी विग्रहों का रथ के ऊपर स्थापित किया गया। इसके बाद दिन में 2:30 से 3:00 बजे तक विग्रहों का श्रृंगार किया गया। दिन में 3:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक भक्तों ने रथ के पास श्री लक्षार्चना, शाम 4:30 बजे अर्चित पुष्प को जगन्नाथ स्वामी के चरणों पर समर्पित कर आरती जगन्नाथषकम गीता पाठ किया। इसके बाद विशेष उत्तरदायी व्यक्तियों ने रथ का रस्सी बंधन किया, और फिर रथ को खींचने का कार्यक्रम शुरू हुआ। धीरे-धीरे रथ चलाया गया और शाम छह बजे रथ मौसी बाड़ी पहुंचाया गया। शाम 6:46 से 7:00 बजे तक सभी श्रीविग्रहों का रथ से उतारकर मौसीबाड़ी मंदिर में प्रवेश कराया गया। रात में 8:00 बजे वैधानिक तरीके से 108 मंगल आरती के बाद भगवान की शयनम प्रक्रिया पूरी हुई। मुख्य पुजारी के अनुसार, महाभोग में 56 प्रकार के व्यंजन भगवान को अर्पित किए गए। इनमें चावल, दाल, सब्जी, खीर, लड्डू और फल सहित अन्य चीजें शामिल थीं। ज्ञात हो कि वर्ष 1691 में बड़कागढ़ रियासत के नागवंशी राजा ठाकुर एनी नाथ शाहदेव ने रथयात्रा की शुरुआत की थी। इसके बाद से रथयात्रा की यह पौराणिक परंपरा अब तक कायम है।

जेजेएमपी के उग्रवादियों...

इंसास राइफल के 2 खोखा, एके 47 का 1 खोखा, मैगजीन पाउच - 1, एंड्रॉयड मोबाइल - 5, कीपैड मोबाइल - 3, वॉकी-टॉकी - 1, पावर बैंक - 1, नकद 3100 रुपए, नक्सली पर्चा, डायरी और दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री बरामद किया गया है। पुलिस ने सभी जब्त सामग्रियों की सूची बनाकर उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत कब्जे में लिया है और पेशरार थाना कांड संख्या 04/25 दिनांक 27.06.2025 के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एसपी कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि यह अभियान राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार चलाए जा रहे व्यापक नक्सल/उग्रवादी विरोधी अभियान का हिस्सा है। नक्सलियों/उग्रवादियों की गतिविधियों पर पूरी नजर रखी जा रही है। लोहरदगा पुलिस राज्य को नक्सल/उग्रवाद मुक्त बनाने के लिए कृतसंकल्पित है और भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे।

लोहरदगा में दादी...

मृतकों की पहचान बरिया उरांव (उम्र लगभग 60 वर्ष) और उनके नाबालिग पोते के रूप में हुई है, जो विनोद उरांव का बेटा था। परिजनों के अनुसार, हत्या रात के अंधेरे में की गई, जब घर के अन्य सदस्य अपने-अपने कमरों में सो रहे थे। सुबह जब परिजन जागे और कमरों की ओर गए, तो दोनों के शव देखकर स्तब्ध रह गए। प्रथम दृष्टया जांच में पुलिस को ज्ञात हुआ है कि नाबालिग की हत्या किसी धारदार हथियार से की गई है, जबकि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। दोनों शव घर के अलग-अलग कमरों में पाए गए हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि हत्यारे सुनियोजित ढंग से अंदर घुसे थे। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक रत्नेश मोहन ठाकुर दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भिजवाया और घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र करना शुरू किया। अब तक हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद नहीं किया जा सका है। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। लोहरदगा के पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि भक्सो गांव में वृद्धा और किशोर की हत्या की सूचना मिली है। पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है। घटनास्थल से सुराग जुटाए जा रहे हैं। हत्या का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है, लेकिन अनुसंधान के बाद वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है। इस दोहरे हत्याकांड से भक्सो डूमरटोली गांव में मातम पसरा हुआ है। ग्रामीण भयभीत हैं और घटना को लेकर गुस्सा भी व्यक्त कर रहे हैं। लोगों की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाए।

सीमा विवाद पर चर्चा

दोनों पक्षों को सकारात्मक गति बनाए रखनी चाहिए

किंगदाओ (आईएएनएस)

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीन के रक्षा मंत्री डॉन की मुलाकात हुई। राजनाथ सिंह ने खुद इसकी जानकारी दी। बैठक के बारे में जानकारी साझा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हमने द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया।

रक्षा मंत्री ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने पर खुशी जताई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, "किंगदाओ में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डॉन जून के साथ बातचीत की। हमने द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर रचनात्मक और दूरदर्शी विचारों का आदान-प्रदान किया। लगभग 6 साल के अंतराल के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने पर अपनी खुशी व्यक्त की। दोनों पक्षों के लिए ये जरूरी है कि वो इस सकारात्मक गति को बनाए रखें और द्विपक्षीय संबंधों में नई जटिलताओं को जोड़ने से बचें। राजनाथ सिंह एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के लिए गुरुवार को चीन पहुंचे। उनके आगमन पर एडमिरल डॉन जून ने उनका स्वागत किया। राजनाथ सिंह, डॉन जून और अन्य नेताओं ने रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले एक ग्रुप फोटो करवाया।

नेतन्याहू को छोड़ ट्रंप ने खामनेई से हाथ मिला लिया

ईरान को कर दी 30 अरब डॉलर की डील की पेशकश

न्यूयॉर्क । एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन ईरान को असैन्य ऊर्जा उत्पादन परमाणु कार्यक्रम शुरू करने के लिए 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच बनाने में मदद करने पर विचार कर रहा है, जिससे प्रतिबंधों में ढील मिलेगी और प्रतिबंधित ईरानी फंड में अरबों डॉलर जारी होंगे। यह चर्चा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा मोड़ है, जो अमेरिका द्वारा तेहरान को शांति वार्ता के लिए मेज पर लाने का प्रयास प्रतीत होता है। सीएनएन की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और खाड़ी साझेदारों के बीच घंटों चली गुप्त बैठक में इस संदर्भ में कुछ विवरण सामने आए। इस सप्ताह इजरायल और ईरान के बीच युद्ध विराम प्रस्ताव के बाद चर्चा जारी रही है। अमेरिका के लिए एक तत्व पर बातचीत नहीं हो सकती। ईरान यूरेनियम का संवर्धन नहीं करेगा। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, प्रारंभिक मसौदा प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए अनुमानित 20-30 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश है, जिसका उपयोग नागरिक ऊर्जा उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। वाशिंगटन का गैर-परक्राम्य सौदा तेहरान के इस निरंतर रुख के विपरीत है कि उसे ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए संवर्धन की आवश्यकता है। ट्रंप के एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि अमेरिका सीधे तौर पर इस कार्यक्रम के लिए भुगतान नहीं करेगा क्योंकि वह चाहता है कि उसके अरब साझेदार इसका खर्च उठाएं। हाल के महीनों में परमाणु वार्ता के पिछले दौर में ईरान की परमाणु ऊर्जा सुविधाओं में निवेश पर भी चर्चा हुई थी। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका द्वारा ईरानियों को दिए जाने वाले अन्य प्रोत्साहनों में तेहरान पर लगे कुछ प्रतिबंधों को हटाना और पश्चिम एशियाई देश को वर्तमान में विदेशी बैंक खातों में जमा 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच की अनुमति देना शामिल है, जिसका उपयोग करने पर उस पर प्रतिबंध है।

- प्रस्ताव में गैर-संवर्धन परमाणु कार्यक्रम के लिए 20-30 अरब डॉलर का निवेश
- **निवेश का उद्देश्य केवल नागरिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है**
- अमेरिका सीधे भुगतान नहीं करेगा अरब साझेदारों से खर्च की उम्मीद

ईरानी सुप्रीम लीडर के इस दांव के आगे मोसाद की भी नहीं चल सकी

तेल अवीव । इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने कहा है कि हाल ही में 12 दिनों के संघर्ष के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई हाई टारगेट पर थे। लेकिन भूमिगत होकर उन्होंने हत्या से बचा लिया और यदि संभव होता तो वे उन्हें मार गिराते। लेकिन खामनेई ने एक सीक्रेट ठिकाने पर शरण लेकर खुद को बचाया। बताया जाता है कि युद्ध शुरू होने के बाद खामेनेई का ऐसी लोकेशन पर शिफ्ट हो गए थे, जिसे इजरायली तलाश नहीं सका। युद्धविराम के बाद खामेनेई ने टेलीविजन पर कहा कि ईरान कभी भी अमेरिका और इजरायल के सामने नहीं झुकेगा।

मोसाद भी नहीं कर पाया ट्रेस : इजरायल के ईरान पर हमले शुरू होने के बाद अली खामेनेई तेहरान के पूर्वोत्तर उपनगर में एक बंकर में छिप गए थे। इस दौरान उन्होंने अपने कमांडरों के साथ सभी इलेक्ट्रॉनिक संचार बंद कर दिए थे। सुरक्षाकर्मी, नजदीकी लोगों और परिवार को ही उनकी लोकेशन की जानकारी थी। फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट बंद होने से उनकी लोकेशन को ट्रेस करना तकरीबन नामुमकिन काम था।

युद्ध के दौरान खामनेई की तलाश की जा रही थी

कई इज़रायली चैनलों पर साक्षात्कार मेंकैट्ज़ ने दोहराया कि इज़रायल ने पूरे युद्ध के दौरान खमेनेई की सक्रिय रूप से तलाश की। चैनल 13 पर उन्होंने कहा कि हमने बहुत खोज की। उन्होंने आगे कहा कि इज़रायल का उद्देश्य शासन परिवर्तन नहीं था, बल्कि ईरान के नेतृत्व को अस्थिर करना और संघर्ष के दौरान दबाव डालना था।

हवाई हमलों में टॉप जनरलों को बनाया गया निशाना

13 जून को शुरू हुआ संघर्ष 25 जून को अमेरिका द्वारा मध्यस्थता किए गए युद्ध विराम के साथ समाप्त हुआ। इसमें व्यापक इज़रायली हवाई हमले शामिल थे। इन हमलों में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। कैट्ज़ ने उल्लेख किया कि इज़राइल ने हवाई श्रेष्ठता बनाए रखी और ईरान के खिलाफ़ प्रवर्तन कार्रवाई की नीति लागू की, जिसका उद्देश्य देश की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं के पुनर्निर्माण के प्रयासों को रोकना था।

अहमदाबाद विमान हादसे के पीड़ितों के लिए टाटा ग्रुप बना रहा ट्रस्ट

1,000 करोड़ रुपए का होगा एआई171 ट्रस्ट

ब्यूरो

नई दिल्ली। अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे के पीड़ित परिवारों के लिए टाटा ग्रुप एक ट्रस्ट बना रहा है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की एयर इंडिया में लगभग 74% हिस्सेदारी है। यह कंपनी इस ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये देगा। इस ट्रस्ट का नाम एआई 171 ट्रस्ट होगा। सूत्रों के मुताबिक टाटा संस का सबसे बड़ा शेयरहोल्डर टाटा ट्रस्ट्स भी एआई171 ट्रस्ट के लिए 500 करोड़ रुपये की राशि दान कर सकता है। इस दुर्घटना में 250 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। मारे जाने वाले लोगों में 241 यात्री थे। इसके अलावा जमीन पर भी 19 लोग मारे गए। टाटा संस व एयर इंडिया ने पहले ही मृतकों के परिवारों को 1.25 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। टाटा संस के अलावा सिंगापुर एयरलाइंस के पास एयर इंडिया की लगभग 25% हिस्सेदारी है , जबकि कर्मचारियों के ट्रस्ट के पास बाकी 1% है। टाटा संस के बोर्ड ने बीते गुरुवार को इस ट्रस्ट के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

अब इस पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन कराने व ट्रस्टियों का बोर्ड बनाने का काम होगा। संघ है टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन एआई 171 ट्रस्ट को लीड करें। इस ट्रस्ट में टाटा ग्रुप के बाहर के लोग भी शामिल होंगे।टाटा ग्रुप की होटल कंपनी इंडियन होटल्स (ताज होटल) ने भी 2008 में मुंबई आतंकी हमलों के बाद ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट की स्थापना की थी।

जिसका उद्देश्य पीड़ितों, उनके परिवार वालों, सुरक्षा बलों और प्रभावित कर्मचारियों की मदद करना था। ताज महल पैलेस होटल ने इन हमलों में अपने 36 लोगों को खो दिया था जिनमें कर्मचारी भी शामिल थे। बाद में ताज पब्लिक सर्विस वेलफेयर ट्रस्ट ने अपना दायरा बढ़ाया और 26/11 के पीड़ितों के अलावा, घायल , विकलांग सैनिकों, प्रवासी मजदूरों, फ्रंटलाइन कर्मचारियों और महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को भी मदद दी। मालूम हो कि बीते गुरुवार को टाटा संस की बोर्ड मीटिंग अचानक बुलाई गई थी। यह मीटिंग टाटा संस के डायरेक्टर और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा के अहमदाबाद में दुर्घटना स्थल और घायल मरीजों से मिलने के दो दिन बाद हुई। चंद्रशेखरन ने इस घटना के बाद एयरलाइन के कामकाज में अपनी भागीदारी बढ़ा दी है। चंद्रशेखरन एयर इंडिया के चेयरमैन भी हैं। एयर इंडिया की दुर्घटना से जुड़े कुल मुआवजे के दावे 475 मिलियन डॉलर तक पहुंच सकते हैं। इसमें 350 मिलियन डॉलर की देनदारी भी शामिल है, क्योंकि मरने वालों में 50 से ज्यादा विदेशी नागरिक थे। चंद्रशेखरन ने कहा कि हम इस मुश्किल घड़ी में पीड़ितों के परिवारों के साथ हैं। कंपनी हर संभव मदद करने के लिए तैयार है। इस बीच, एयर इंडिया ने पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

मुनीर-ट्रंप की लंच डेट के बाद भारत की कूटनीति फेल हुई?

करांची । हाल ही में जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पाकिस्तान के सेना प्रमुख की जिस तरह से खातिरदारी की गयी उसके बाद से ही भारत की कूटनीति पर सवाल उठ रहा था। आखिर आसिम मुनीर के इतने जिगरीयार कैसे बच गये थे ट्रंप। भारत क्या अपनी कूटनीति में विफल हो रहा है.. इस तरह के सवाल देश के अंदर ही विपक्षी दलों ने उठाए थे। अब इस पर भारत के विदेश मंत्रालय का बया आया है। भारत ने कहा कि उसने पाकिस्तान के सेना प्रमुख की व्हाइट हाउस की हालिया यात्रा पर संज्ञान लिया है। साथ ही उसने कहा कि भारत-अमेरिका साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है और ''हम 21वीं सदी की इस सबसे महत्वपूर्ण साझेदारी की प्रगति को लेकर आश्वस्त हैं''। राजधानी में बृहस्पतिवार को साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस की ओर से दिए गए निमंत्रण के बारे में पूछा गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 18 जून को व्हाइट हाउस में पाकिस्तान के सेना प्रमुख के साथ दोपहर का भोजन किया था।

चुंबक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा चीन

ब्यूरो

अमेरिका-चीन में सौदा

- अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों व विश्वविद्यालयों में पढ़ने की अनुमति देगा
- ट्रंप ने कहा, एक अलग सौदा हो सकता है जिससे भारत के लिए "खुल जाएगा" रास्ता

नई दिल्ली। व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका ने रेअर अर्थ मैटेरियल्स शिपमेंट में तेजी लाने के लिए चीन के साथ समझौता किया है।इस बारे में व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों के बीच अमेरिका ने अमेरिका में दुर्लभ-पृथ्वी शिपमेंट में तेजी लाने के लिए चीन के साथ समझौता किया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने पिछले दिन चीन के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन अतिरिक्त विवरण नहीं दिया, और कहा कि एक अलग सौदा हो सकता है जो भारत के लिए "खुल जाएगा"।चीन ने शुक्रवार को सौदे के विवरण की पुष्टि की, और दोहराया कि वह नियंत्रित वस्तुओं के निर्यात परमिट को मंजूरी देना जारी रखेगा। मालूम हो कि ट्रंप द्वारा लगाए गए नए अमेरिकी टैरिफ के विरोध में चीन ने कई महत्वपूर्ण खनिजों और चुम्बकों के निर्यात को निलंबित कर दिया, जिससे दुनिया भर में ऑटोमेकर्स, एयरोस्पेस निर्माताओं, सेमीकंडक्टर कंपनियों व सैन्य ठेकेदारों के लिए केंद्रीय आपूर्ति श्रृंखलाएँ प्रभावित हुईं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने गुरुवार को कहा, "प्रशासन और चीन ने जेनेवा समझौते को लागू करने के लिए एक रूपरेखा के लिए एक अतिरिक्त समझ पर सहमति व्यक्त की।" अधिकारी ने कहा कि यह समझ "इस बारे में है कि हम अमेरिका को फिर से दुर्लभ-पृथ्वी शिपमेंट को कैसे लागू कर सकते हैं"। अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने ब्लूमबर्ग से कहा- "वे हमें दुर्लभ मृदा पहुँचाने जा रहे हैं" और एक बार चीन ने ऐसा कर दिया, तो "हम अपने जवाबी उपाय वापस ले लेंगे"।उद्योग के एक सूत्र के अनुसार, चीन दुर्लभ मृदाओं पर अपने दोहरे उपयोग प्रतिबंधों को "बहुत गंभीरता से" ले रहा है और यह सुनिश्चित करने के लिए खरीदारों की जांच कर रहा है कि सामग्री को अमेरिकी सैन्य उपयोगों में न बदला जाए। इसने लाइसेंसिंग प्रक्रिया को धीमा कर दिया है। चीन ने रेअर अर्थ मैटेरियल्स कंपनियों से कहा है कि वे सरकार को तकनीकी विशेषज्ञता वाले श्रमिकों की सूची प्रदान करें और कुछ को अनधिकृत विदेश यात्रा करने से रोकने के लिए अपने पासपोर्ट जमा करने के लिए कहा है। चीन यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके व्यावसायिक रूप से मूल्यवान दुर्लभ-पृथ्वी ज्ञान को विदेशी विरोधियों के साथ साझा न किया जाए। कार निर्माताओं ने पहले ही दुर्लभ पृथ्वी तत्व व उनके उपयोग किए जाने वाले चुम्बकों की आपूर्ति श्रृंखला की कमी के कारण कारखानों के लगभग ठप हो जाने की शिकायत की है। इस सप्ताह फोर्ड के एक कार्यकारी ने कहा कि कंपनी "हैंड टू माउथ" हालत में पहुँच गई है। जून की शुरुआत में चीन ने शीर्ष तीन अमेरिकी वाहन निर्माताओं के दुर्लभ-पृथ्वी सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को अस्थायी निर्यात लाइसेंस प्रदान किए थे क्योंकि उन सामग्रियों पर निर्यात प्रतिबंधों से आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान सामने आने लगे थे। अब ट्रम्प ने कहा कि चीन के साथ एक समझौता हुआ है जिसके तहत बीजिंग चुम्बक व दुर्लभ खनिज की आपूर्ति करेगा, जबकि अमेरिका चीनी छात्रों को अपने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने की अनुमति देगा।

आलिया भट्ट ने रीक्रिएट किया सिलसिला की रेखा का आइकॉनिक लुक

1981 की क्लासिक फिल्म उमराव जान का खास जश्न मनाया गया

कहानी फिल्म जगत की

यह पुरानी यादों की रात थी, क्योंकि आलिया भट्ट बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री रेखा के साथ 1981 की क्लासिक उमराव जान की फिर से रिलीज का जश्न मनाने के लिए शामिल हुईं। मुजफ्फर अली की कल्ट फिल्म के 4K रेस्टोरेशन के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में आलिया ने अपने अविस्मरणीय और ठाठ सिलसिला लुक को फिर से बनाकर स्क्रीन लीजेंड को श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के बाद इंस्टाग्राम पर, सुंदरी ने कई तस्वीरें और वीडियो क्लिप साझा कीं, जिसमें रेखा के साथ तस्वीरों के लिए पोज़ देते हुए उनकी एक मार्मिक छवि भी शामिल है।

पाकिस्तान में आई बाढ़ में 18 पर्यटक बहे, सात लोगों की मौत

इस्लामाबाद(आईएएनएस)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में स्वात नदी में शुक्रवार को अचानक आई बाढ़ में महिलाओं और बच्चों सहित 18 पर्यटक बह गए, जिससे सात लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार यह घटना फिजागत क्षेत्र में घटी, जहां दो परिवारों के सदस्य नदी किनारे नाश्ता कर रहे थे, तभी अचानक जलस्तर बढ़ने से कई लोग बह गए। बचाव अभियान के दौरान तीन व्यक्तियों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। एक बचाव अधिकारी ने बताया कि हमें सुबह करीब आठ बजे इन लोगों के डूबने की सूचना मिली। बाईपास पर मेहमान आए हुए थे, जो नदी के किनारे बैठे थे। इन लोगों को पानी के रिलीज होने की जानकारी नहीं थी। घटना की पुष्टि करते हुए स्वात के डिप्टी कमिश्नर शहजाद महबूब ने बताया कि सात लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अचानक आई बाढ़ के कारण कई जगहों पर करीब 73 लोग फंसे हुए हैं। बचाव अभियान में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं। एक पर्यटक ने बताया कि उसके परिवार के 10 सदस्य बह गए।

चीन ने भारत को डाई-अमोनिया फास्फेट खाद की सप्लाई रोकी

दाम बढ़े, भारत में 80% यह खाद चीन से आता है

ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका की तरह चीन भी अब भारत से अपनी शर्तों पर सौदा करने लिए वह सब कर रहा है जो ट्रंप कर रहा है। चीन ने रेयर अर्थ मेटेरियल्स के बाद भारत को विशेष खाद की सप्लाई भी रोक दी है। जिसके कारण डाई-अमोनिया फॉस्फेट (डीएपी) के दाम में बहुत बढ़ गये। किसान परेशान हैं। जून में इसकी कीमत 800 डॉलर प्रति टन पहुंच गई जो हाल के महीनों में सबसे ज्यादा है। बीते वर्ष भारत ने लगभग 46 लाख टन डीएपी का आयात किया था। इसमें चीन की हिस्सेदारी 8.5 लाख टन या लगभग

देश में होता है केवल 10 प्रतिशत उत्पादन

18.4%है। डीएपी की कीमत बढ़ने से इसे आयात करने वाली कंपनियों का लाभ भी घटता है। मालूम हो कि भारत में यूरिया के बाद डाई भारत में सबसे ज्यादा यूज होने वाला खाद है। इसकी सालाना खपत 10 से 11 मिलियन टन है जिसमें से लगभग 5-6 मिलियन टन आयात किया जाता है। भारत डीएपी में उपयोग किये जाने वाले फास्फोरस व अमोनिया का भी आयात करता है। आयातित फास्फोरस में प्रति टन 10 डॉलर कीमत बढ़ने से फिनिश्ड डाई की कीमत प्रति टन 5 डॉलर बढ़ जाती है। आयातकों के अनुसार चीन से डीएपी के आयात में गिरावट आई है। फाइनेंशियल ईयर 2024 में भारत ने चीन से 22 लाख टन डीएपी का आयात किया था जो उसके कुल आयात का 39.2 % था। भारत अब पश्चिम एशिया खासकर सऊदी अरब से इसका आयात कर रहा है। लेकिन ईरान - इजरायल युद्ध से व्यवधान आ गया । जनवरी में इसकी कीमत 633 डॉलर प्रति टन थी जो जून में 780 डॉलर पहुंच गई। अप्रैल के बाद से भारत में फिनिश्ड डीएपी की कीमत में प्रति टन 100 डॉलर की तेजी आई है।इन हालात में चीन द्वारा डीएपी जैसी फर्टिलाइजर्स की सप्लाई रोकने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। भारत सालाना 6 लाख टन स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स का आयात करता है। इसमें से 80 % चीन से होता है। देश में इनका केवल 10 % उत्पादन होता है और बाकी 10 फीसदी हिस्सा दूसरे देशों से आता है। परंपरागत फर्टिलाइजर्स की तुलना में इसकी कीमत बहुत ज्यादा है। एक किलो परंपरागत खाद की कीमत जहां 5 से 6 रुपये बैठती है, वहीं एक किलो स्पेशियलिटी फर्टिलाइजर्स की कीमत 80 से 100 रुपये होती है। इसकी कमी से फलों, सब्जियों व फसल की उत्पादकता, गुणवत्ता व किसानों की आय पर असर हो सकता है।